- सीजेआई ने कहा- तत्काल मामलों को सूचीबद्ध करेगी कोर्ट -12

- देश की प्रमुख आठ बुनियादी उद्योगो की वृद्धि दर घटकर 1.8 प्रतिशत -12

- बांग्लादेश में हादी के बाद एक अन्य छात्र नेता को मारी गई सिर में गोली -13

- वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल में हार के बाद संन्यास लेने पर विचार किया था : रोहित -14

आज का मौसम

20.0° अधिकतम तापमान

10.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.53

सूर्यास्त 05.21

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

कानपुर

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष शुक्ल पक्ष तृतीया 12:13 उपरांत चतुर्थी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 23 दिसंबर 2025, वर्ष 4, अंक 123, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

कोडीन मामले में बुलडोजर चले तो चिल्लाना नहीं : योगी

विधानसभा सत्र मुख्यमंत्री ने कोडीनयुक्त कफ सिरप मामले में सपा पर बोला तीखा हमला, सदन में रखे संलिप्तता के सबूत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को विधानसभा में कोडीनयुक्त कफ सिरप प्रकरण पर समाजवादी पार्टी को घेरते हुए आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकार इस मामले में जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है और समय आने पर बुलडोजर कार्रवाई होगी, तब चिल्लाइएगा नहीं।

मुख्यमंत्री ने सदन में आरोपियों के सपा से जुड़े होने के सबूत पेश करते हुए कहा कि अवैध डायवर्जन के इस नेटवर्क में कई चेहरे सीधे समाजवादी पार्टी (सपा) से जुड़े पाए गए हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी बच नहीं पाएगा।

मैं सपा की छटपटाहट समझ सकता हूं। जब सपा से जुड़े आरोपियों पर कार्रवाई होगी, तो वे लोग ही सबसे पहले फातिहा पढ़ने जाएंगे। लेकिन मैं उनको फातिहा पढ़ने लायक भी नहीं छोडूंगा। विपक्ष पर भ्रामक सूचना फैलाने का आरोप लगाते हुए साफ किया कि यूपी में न तो कोडीन कफ सिरप का निर्माण होता है और न ही इसके सेवन से यहां किसी की मौत हुई है। यह पूरा मामला दवाओं के अवैध डायवर्जन और बिना प्रिस्क्रिप्शन बिक्री से जुड़ा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि एसटीएफ, एसआईटी और एफएसडीए की संयुक्त कार्रवाई में दर्जनों फर्मों पर छापे मारे गए हैं और बड़ी संख्या में गिरफ्तारियां हुई हैं। उन्होंने कहा कि कानून अपना काम करेगा और कोई भी अपराधी बच नहीं पाएगा।

विधानसभा में बोलते मुख्यमंत्री योगी साथ में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना। ● अमृत विचार

सीएम योगी के तीखे बयान

- बर्खास्त सिपाही आलोक पक्का सपाई है, सबूत सदन के सामने हैं
- अखिलेश के साथ फोटो में दिख रहा आरोपी अमित यादव
- 332 फर्मों पर छापे, 77 से ज्यादा गिरफ्तार
- सपा से जुड़े आरोपियों पर कार्रवाई हुई तो वही सबसे पहले फातिहा पढ़ेंगे
- जीरो टॉलरेंस नीति, किसी को नहीं बख्शा जाएगा
- यूपी के जो सबसे बड़े होलसेलर हैं, उन्हें 2016 में सपा ने जारी किया था लाइसेंस
- देश में दो नमूने हैं, जब कोई चर्चा होती है तो वह देश छोड़कर भाग जाते है
- आप चिल्लाते रहेंगे और 'बबुआ' सैरसपाटे के लिए इंग्लैंड चले जाएंगे
- अवैध लेन-देन भी लोहिया वाहिनी के एक पदाधिकारी के खाते के माध्यम से हुआ

कफ सिरप प्रकरण : तथ्य एक नजर में

- कफ सिरप या दवाइयां अवैध नहीं हैं, अवैध है बिना डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन के बिक्री और नशे के लिए डायवर्जन।
- माफिया गैंग्स ने फर्जी दस्तावेज बनाकर भारी मात्रा में कफ सिरप इकट्ठा किया और सुपर स्टॉकिस्ट से रिटेलर तक पूरी चेन बनाकर अवैध बिक्री की।
- माफिया नेटवर्क पर सरकार ने क्रैकडाउन किया है।
- शेड्यूल- एच दवाओं (सेडेटिव, स्लीपिंग पिल्स आदि) की बिना प्रिस्क्रिप्शन बिक्री रोकने के लिए भी कार्रवाई जारी है।
- उप्र में न उत्पादन, न मौत- यहां किसी बच्चे की भी मृत्यु नहीं हुई।
- मप्र में बच्चों की मौत का मामला तमिलनाडु में बने नकली कफ सिरप से जुड़ा है, जिसकी जांच केंद्र कर रही है।

24,496.98 करोड़ का अनुपूरक बजट पेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- स्वास्थ्य, ऊर्जा, इंफ्रास्ट्रक्चर उद्योग व नगरीय विकास को योगी सरकार ने खोला खजाना
- जारी किया गया अनुपूरक बजट प्रदेश के मूल बजट 8.08 लाख करोड़ रुपये का 3.03 प्रतिशत

अमृत विचार: सरकार ने विधानसभा के शीतकालीन सत्र में सोमवार को 2025-26 के लिए 24,496.98 करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट प्रस्तुत किया। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि सरकार का लक्ष्य विकास की निरंतरता बनाए रखना व प्राथमिक क्षेत्रों को अतिरिक्त मजबूती देना है। यह बजट प्रदेश के मूल बजट 8.08 लाख करोड़ का 3.03 प्रतिशत है। चालू वित्तीय वर्ष का कुल बजट बढ़कर 8.33 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है।

योगी सरकार का यह अनुपूरक बजट विकास और वित्तीय संतुलन का संदेश देता है। जिसमें औद्योगिक विकास, स्वास्थ्य, इंफ्रास्ट्रक्चर, नगरीय विकास व ऊर्जा को केंद्र में रखकर अर्थव्यवस्था को नई गति देने का प्रयास किया है। मंत्री ने स्पष्ट किया कि अनुपूरक बजट में 18,369.30 करोड़ का राजस्व व्यय और 6,127.68 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय प्रस्तावित किया गया है। वित्त मंत्री ने बताया कि राज्य ने एफआरबीएम अधिनियम की सभी सीमाओं का पालन किया है। भारत सरकार के ताजा अनुमानों के अनुसार उप्र की जीएसडीपी 31.14 लाख करोड़ तक पहुंच चुकी है।

इन सेक्टरों के लिए खास बजट

औद्योगिक विकास :	4,874 करोड़	सौर ऊर्जा (यूपीनेडा) :	500 करोड़
पावर सेक्टर :	4,521 करोड़	गन्ना एवं चीनी मिल :	400 करोड़
स्वास्थ्य-परिवार कल्याण :	3,500 करोड़	मेडिकल शिक्षा को :	423 .80 करोड़
नगर विकास :	1,758 .56 करोड़	एसजीपीजीआई, लखनऊ :	120 करोड़
ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे :	1,246 करोड़	केजीएमयू को :	25 करोड़
गंगा एक्सप्रेस-वे :	1,835 करोड़	डॉ. राम मनोहर लोहिया संस्थान :	20 करोड़
गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे :	100 करोड़	मेरठ, झांसी, गोरखपुर, प्रयागराज सहित कई राजकीय मेडिकल कॉलेजों को अतिरिक्त सहायता	
तकनीकी शिक्षा :	639 .96 करोड़		
महिला एवं बाल विकास :	535 करोड़		

आमजन को क्या मिलेगा

बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और नए मेडिकल कॉलेज, बिजली और सौर ऊर्जा से स्थिर आपूर्ति, एक्सप्रेस-वे से रोजगार और तेज कनेक्टिविटी, शहरों में बेहतर सड़क, जल व स्वच्छता सुविधाएं, उद्योगों में निवेश से स्थानीय रोजगार।

न्यूज ब्रीफ

मुख्य सचिवों के राष्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस सप्ताह राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में मुख्य सचिवों के पांचवें राष्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे। य,वचह जानकारी एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने सोमवार को दी। अधिकारी ने बताया कि मुख्य सचिवों का पांचवां राष्ट्रीय सम्मेलन 26 से 28 दिसंबर तक दिल्ली में आयोजित किया जाएगा और यह केंद्र तथा राज्य सरकारों के बीच साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के युवा जिला कलेक्टर और मजिस्ट्रेट सहित कई अधिकारियों के साथ-साथ कई केंद्रीय मंत्रालयों के भी सम्मेलन में भाग लेने की उम्मीद है।

एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस ने नए आवास ऋण पर ब्याज दर घटाई

नई दिल्ली। एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लि. ने नए आवास ऋण पर ब्याज दर घटाकर 7.15 प्रतिशत कर दी है। आवास ऋण देने वाली कंपनी ने कहा कि मकानों के लिए नए कर्ज की मंजूरी पर संशोधित ब्याज दरें अब 7.15 प्रतिशत से शुरू होंगी। नई दरें 22 दिसंबर से प्रभाव में आ गई हैं। एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस ने कहा कि ऐसे समय में जब खरीदार अपने फैसलों पर सावधानीपूर्वक पुनर्विचार कर रहे हैं, इस कदम से घर खरीदने वालों का उत्साह बढ़ने की उम्मीद है।

भारत-न्यूजीलैंड के बीच एफटीए 95 प्रतिशत सामान होंगे शुल्क मुक्त

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और न्यूजीलैंड ने मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए बातचीत पूरी होने की सोमवार को घोषणा की। यह समझौता श्रम-गहन क्षेत्रों से आने वाले विभिन्न घरेलू उत्पादों को शुल्क-मुक्त पहुंच देगा। साथ ही इससे अगले 15 वर्ष में 20 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) उपलब्ध होगा। इस समझौते से अगले पांच वर्ष में वस्तुओं व सेवाओं के द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करके पांच अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

दूसरी ओर, न्यूजीलैंड को भेड़ के मांस, ऊन, कोयला और वनों एवं लकड़ी से बनी 95 प्रतिशत से अधिक वस्तुओं पर शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी। समझौते के तहत न्यूजीलैंड को कीवी फल, शराब, कुछ समुद्री खाद्य पदार्थ, चेरी, एवोकाडो, पर्सिमन, शिशु 'फॉर्मूला', मनुका शहद और दूध 'एल्ब्यूमिन' जैसी कई अन्य वस्तुओं पर शुल्क छूट भी मिलेगी। घरेलू किसानों और एमएसएमई के हितों की सुरक्षा के लिए भारत राजनीतिक रूप से संवेदनशील दुग्ध क्षेत्र जैसे दूध, क्रीम, व्हे, दही तथा पनीर में कोई शुल्क छूट नहीं देगा। इस समझौते के अंतर्गत शामिल न होने वाले अन्य उत्पाद वनस्पति उत्पाद (प्याज, चना, मटर, मक्का, बादाम), चीनी, कृत्रिम शहद, पशु, वनस्पति या सूक्ष्मजीवों से प्राप्त वसा और तेल, हथियार व गोला-बारूद, रत्न एवं आभूषण, तांबा तथा उसके उत्पाद और एल्युमीनियम तथा उससे संबंधित वस्तुएं हैं। इसने कुशल व्यवसायों में कार्यरत भारतीय पेशेवरों के लिए एक नए अस्थायी रोजगार प्रवेश वीजा मार्ग के माध्यम से कुशल रोजगार के रास्ते भी खोले हैं। इसमें किसी भी समय 5,000 वीजा का 'कोटा' शामिल होता है और अधिकतम तीन साल तक का प्रवास संभव होता है।

न्यूजीलैंड के मंत्री टॉड मैक्ले के साथ केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल।

- श्रम-गहन क्षेत्रों से आने वाले घरेलू उत्पादों को शुल्क-मुक्त पहुंच देगा यह समझौता
- 20 अरब डॉलर का एफडीआई होगा उपलब्ध प्रधानमंत्री ने न्यूजीलैंड के समकक्ष से फोन पर की बात

द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को मिलेगी मजबूती : भारत

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के साथ एफटीए द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को बेहद गहरा करेगा, बाजार पहुंच को व्यापक करेगा और निवेश प्रवाह को बढ़ावा देगा। भारत ने सोमवार को बयान में यह बात कही। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और न्यूजीलैंड के उनके समकक्ष क्रिस्टोफर लक्सन ने दोनों देशों के बीच एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत संपन्न होने की सोमवार को घोषणा की। जिसके बाद एफटीए पर वार्ता संपन्न होने की घोषणा की गई। विदेश मंत्रालय ने कहा, यह समझौता, द्विपक्षीय आर्थिक जुड़ाव को गहरा करेगा, बाजार पहुंच को व्यापक बनाएगा, निवेश प्रवाह को बढ़ावा देगा तथा दोनों देशों के बीच रणनीतिक सहयोग को मजबूत करेगा।

मां की गोद से बच्चे को उठा ले गया भेड़िया, शव बरामद

कैसरगंज (बहराइच)। विकासखंड फखरपुर के ग्राम रसूलपुर बरेठा गांव में सोमवार की सुबह एक भेड़िया मां की गोद से तीन साल के मासूम बच्चे को छीनकर अपने जबड़े में दबोच ले गया। बाद में घर से लगभग 200 मीटर की दूरी पर बच्चे का क्षत विछत शव बरामद हुआ है। जानकारी के अनुसार राम मनोहर पंजाब में मजदूरी करते हैं। पत्नी ननकई अपने दो बच्चों के साथ घर पर रहती हैं। सोमवार सुबह बच्चे को दूध पिला रही महिला पर भेड़िए ने हमला कर दिया और बच्चे को ले गया।

खड़े ट्रक में घुसी कार, तीन की मौत

जिला संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचार: घने कोहरे के बीच सोमवार सुबह करीब 8:20 बजे पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर जयसिंहपुर थाना क्षेत्र के दरपीपुर के पास लखनऊ से आजमगढ़ जा रही तेज रफ्तार कार खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी। हादसे में कार सवार तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक ही परिवार के सात सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

दुर्घटना में कार चालक सिकंदर (27), शंभूलाल (55) निवासीगण तेवखार, सरायमीर आजमगढ़ तथा सुरेंद्र (30) निवासी गुड़ियावा आजमगढ़ की मौत हो गई। हादसे में सुरेंद्र की पत्नी खुशबू (27), पुत्री सनाया (06), शंभूलाल की पत्नी मीना देवी (35), पुत्र कोहिनूर (16), बड़ी पुत्री उजाला (24), छोटी पुत्री कुमारी रोशनी (15) और सबसे छोटा पुत्र अंश (12) गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को सीएचसी दोस्तपुर से प्राथमिक उपचार के बाद अंबेडकरनगर जिला अस्पताल रेफर किया गया। सूचना पर पहुंचे यूपीडा के सहायक सुरक्षा अधिकारी त्रिलोकी नाथ पांडेय ने बताया कि सिकंदर व सुरेंद्र की मौत घटनास्थल पर ही हो गई थी।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर दुर्घटनाग्रस्त कार।

- सुलतानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा, सात घायल

यूनुस की शह से बांग्लादेशी हिंदुओं पर हमले : हसीना

नई दिल्ली, एजेंसी

अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले के लिए अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस को जिम्मेदार ठहराया है। हसीना के कहा, कुछ कट्टरपंथी ताकतें खुलकर हिंसा कर रही हैं, जिन्होंने भारतीय दूतावास, मीडिया दफ्तरों और अल्पसंख्यकों पर हमले किए हैं।

यूनुस सरकार ऐसे लोगों को संरक्षण दे रही है और यहां तक कि सजा पाए आतंकियों को भी रिहा किया गया है।

- अपदस्थ प्रधानमंत्री ने कहा- भारत से बर्बाद कर दिए संबंध

उन्होंने बांग्लादेश में भारत विरोधी भावना के लिए भी मोहम्मद यूनुस को जिम्मेदार ठहराया है। एक समाचार एजेंसी को दिए इंटरव्यू में हसीना ने भारत को बांग्लादेश का सबसे भरोसेमंद दोस्त बताया। उन्होंने कहा कि यूनुस सरकार की नीतियों से दोनों देशों के रिश्तों में खटास आई है।

एअर इंडिया विमान का एक इंजन हवा में बंद

नई दिल्ली, एजेंसी

- मुंबई जा रही उड़ान दिल्ली लौटी दूसरे इंजन से इमरजेंसी लैंडिंग

दिल्ली से मुंबई जा रहे एयर इंडिया के बोइंग 777 विमान का एक इंजन सोमवार सुबह हवा मे बंद हो गया। इससे विमान को वापस दिल्ली लौटना पड़ा और इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। विमान में 335 यात्री सवार थे। वहीं, डीजीसीए ने कहा है कि वह इस मामले की जांच करेगा।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एअर इंडिया से घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी मांगी है। विमान दिल्ली लौटने से पहले करीब एक घंटे तक हवा में रहा। डीजीसीए के एक अधिकारी ने बताया कि विमान ने उड़ान भरने के बाद 'फ्लैप' के दौरान दाहिने हाथ के इंजन (इंजन नंबर 2) में तेल का दबाव कम होने के कारण हवा में ही वापस लौटने का फैसला किया। 'फ्लैप' पंखों की क्षमता बढ़ाने वाला हिस्सा होता है, जिससे विमान कम रफ्तार पर भी संतुलित और सुरक्षित रहता है। इंजन ऑयल का दबाव शून्य पर आ गया था।

सामूहिक दुष्कर्म में 5 को उम्रकैद

बुलंदशहर, एजेंसी

बुलंदशहर की एक अदालत ने जुलाई 2016 में मां-बेटी से सामूहिक दुष्कर्म और लूटपाट के एक चर्चित मामले में पांच दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। प्रत्येक पर 1.81 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। अदालत ने शनिवार को मामले की सुनवाई के दौरान आरोपियों को दोषी करार दिया था और उन्हें सोमवार को सजा सुनाई गई।

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता वरुण कौशिक ने बताया कि 29-30 जुलाई 2016 की दरमियानी रात एक परिवार के कुछ लोग अपने एक रिश्तेदार की तेरहवीं में शामिल होने के लिए नोएडा से शाहजहांपुर जा रहे थे। उन्होंने बताया कि देर रात करीब डेढ़ बजे बुलंदशहर के कोतवाली देहात क्षेत्र के दोस्तपुर गांव के पास पहुंचने पर उन्हें कार से किसी भारी चीज के टकराने के आवाज सुनाई दी। कौशिक ने बताया कि गाड़ी रोककर नीचे उतरने पर बदमाशों ने उन्हें घेर लिया और हथियारों के बल पर डराकर उन्हें पास के एक खेत में ले गए। बदमाशों ने पुरुषों को रस्सी से बांधकर परिवार की एक महिला और उसकी 14 साल की बेटी से सामूहिक दुष्कर्म किया और विरोध करने पर पुरुषों की पिटाई की।

- बुलंदशहर में जुलाई 2016 को मां-बेटी से हुई थी वारदात
- कोर्ट ने प्रत्येक पर 1.81 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया

छह के खिलाफ दाखिल किया था आरोप पत्र

कौशिक ने बताया कि पुलिस ने इस मामले में छह लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था, जिनमें से एक आरोपी सलीम की मुकदमे की प्रक्रिया के दौरान मौत हो गई। पॉक्सो अधिनियम के विशेष न्यायाधीश ओमप्रकाश वर्मा ने शनिवार को बाकी पांच अभियुक्तों जुबेर, साजिद, धर्मवीर, सुनील और नरेश को दोषी करार दिया।

नीति आयोग की रिपोर्ट 2024 में देश से 13.35 लाख भारतीय छात्र विदेशों में अध्ययन करने गए

उच्च शिक्षा के लिए भारतीय छात्रों की पहली पसंद बना कनाडा

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्च शिक्षा के लिए भारतीय छात्र सबसे ज्यादा कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और जर्मनी जाते हैं। नीति आयोग की सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। भारत में उच्च शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण शीर्षक से जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि 2024 में, कनाडा 4,27,000 भारतीय छात्रों के साथ शीर्ष अंतर्राष्ट्रीय उच्च शिक्षा गंतव्य बना। इसके बाद अमेरिका (3,37,630), ब्रिटेन (1,85,000) ऑस्ट्रेलिया (1,22,202) और जर्मनी (42,997) का स्थान रहा।

इसमें कहा गया है कि भारत दुनिया में अंतर्राष्ट्रीय छात्रों का सबसे बड़ा स्रोत देश है। 2024 में 13.35 लाख से अधिक छात्र विदेशों में अध्ययन कर रहे थे। रिपोर्ट में कहा गया, 2024 में भारत आने वाले प्रत्येक एक अंतर्राष्ट्रीय छात्र के मुकाबले 28 भारतीय छात्र विदेश गए, जो देश के लिए एक महत्वपूर्ण प्रतिभा पलायन को दर्शाता है। रिपोर्ट में भारत में विदेशी छात्रों के आगमन के बारे में 2021-22 के आंकड़े प्रस्तुत किए गए हैं। इसमें कहा गया है कि 2021-22 में नेपाल, अफगानिस्तान, अमेरिका, बांग्लादेश और संयुक्त अरब अमीरात भारत में अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के शीर्ष स्रोत देश थे। रिपोर्ट के अनुसार, कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया में 8.5 लाख भारतीय छात्र पढ़ते हैं। इन छात्रों ने 2023-2024 में उच्च शिक्षा पर 2.9 लाख करोड़ रुपये खर्च किए। वहीं, लातविया में भारतीय छात्रों का प्रतिशत सबसे अधिक 17.4 है। उसके बाद आयरलैंड में 15.3 प्रतिशत और जर्मनी में 10.1 प्रतिशत है।

- 4,27,000 भारतीय छात्र गए कनाडा, शीर्ष पांच देशों में अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और जर्मनी

आंध्र से सबसे ज्यादा 35,614 छात्र गए

रिपोर्ट में आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा गया है कि राज्यों में, आंध्र प्रदेश से सबसे ज्यादा 35,614 छात्र पढ़ाई के लिए विदेश गए। उसके बाद पंजाब और महाराष्ट्र का स्थान रहा जहां से क्रमशः 33,412 और 29,079 छात्र उच्च शिक्षा के लिए विदेश गए। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय रिजर्व बैंक की विदेश में पढ़ने वाले भारतीय छात्रों के लिए उदारीकृत प्रेषण योजना के तहत 2014-24 के दौरान संबंधित देशों को भेजी गयी राशि 975 करोड़ रुपये से बढ़कर 29,000 करोड़ रुपये हो गयी।

अमृत विचार

कानपुर, मंगलवार, 23 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण के लिए 150 करोड़ रुपये

अमृत विचार, लखनऊ : सरकार ने अनुपूरक बजट में यूपी कौशल विकास मिशन के तहत 50 हजार युवाओं को अल्पकालीन प्रशिक्षण देने के लिए 150 करोड़ का प्रस्ताव किया गया है। इसके साथ ही राज्य के पॉलीटेक्निक कॉलेजों में एक्सीलेंस सेंटर स्थापित करने के लिए 613 .72 करोड़ की बड़ी राशि मांगी गई है, जिससे तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता और उद्योग से जुड़ाव मजबूत होगा। नई राज्य पॉलीटेक्निक संस्थाओं के लिए 1 करोड़ तथा अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में भवन निर्माण के लिए अतिरिक्त धनराशि भी प्रस्तावित है। माध्यमिक शिक्षा परिषद के क्षेत्रीय कार्यालयों के संचालन और ई-ऑफिस व्यवस्था के लिए 4 करोड़ का अतिरिक्त बजट रखा गया है। सामाजिक समावेशन को मजबूती देते हुए अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों की छात्रवृत्ति व शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए 3,616 करोड़ की अतिरिक्त राशि प्रस्तावित की गई है, जिससे लाखों विद्यार्थियों को राहत मिलेगी।

नोएडा में भवन मानचित्र स्वीकृति होगी आसान

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार को हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण (विनिमय के माध्यम से हस्तांतरित भूमि पर भवन निर्माण) नियमावली-2025 को स्वीकृति प्रदान की गई। इस नई नियमावली के लागू होने के बाद नोएडा क्षेत्र में मानचित्र स्वीकृति के लिए अब न्यायालय जाने की आवश्यकता नहीं होगी, बल्कि ऐसे सभी आवेदनों का निस्तारण सीधे नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा किया जाएगा। औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने बताया कि वर्तमान में नोएडा भवन विनियमावली-2010 के अंतर्गत केवल लीज डीड (पट्टा प्रलेख) के माध्यम से आवंटित भूमि पर ही मानचित्र स्वीकृति की स्पष्ट व्यवस्था थी। इसके विपरीत, विनिमय के माध्यम से निजी स्वामित्व में आई भूमि पर भवन निर्माण के मामलों में स्पष्ट नीति के अभाव में आवेदनों के निस्तारण में कठिनाइयां आ रही थीं।

माघ मेला के लिए चलेंगी 3800 रोडवेज बसें

अमृत विचार, लखनऊ : प्रयागराज में 3 जनवरी से शुरू हो रहे माघ मेला 2026 के दौरान श्रद्धालुओं की सुगम आवाजाही के लिए उप्र. परिवहन निगम द्वारा 3800 बसों का संचालन किया जाएगा। यह जानकारी परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने दी। परिवहन मंत्री ने सोमवार को बताया कि माघ मेला की अवधि 1 जनवरी से 15 फरवरी 2026 तक निर्धारित है। इस दौरान मकर संक्रांति, मौनी अमावस्या और बसंत पंचमी के अवसर पर स्नानार्थियों की भारी भीड़ उमड़ती है। इसे देखते हुए मुख्य स्नान पर्वों पर 200 अतिरिक्त बसें शटल सेवा के रूप में दो दिन पूर्व से एक दिन बाद तक संचालित की जाएंगी। इसके अतिरिक्त सामान्य दिनों में 25 बसें रिजर्व में रहेंगी। उन्होंने बताया कि इस वर्ष मकर संक्रांति 15 जनवरी, मौनी अमावस्या 18 जनवरी और बसंत पंचमी 23 जनवरी को मनाई जाएगी। माघ मेला प्राधिकरण की मांग पर विभिन्न क्षेत्रों से अतिरिक्त बसें उपलब्ध कराई जाएंगी। मंत्री दया शंकर सिंह ने बताया कि विभिन्न क्षेत्रों से बसों का आवंटन किया गया है। लखनऊ और गोरखपुर क्षेत्र से 500-500 बसें, आजमगढ़ व वाराणसी से 430-430 बसें, प्रयागराज से 550 बसें, चित्रकूट धाम से 330 बसें, हरदोई से 350 बसें, अयोध्या व कानपुर से 270-270 बसें, देवीपाटन से 250 बसें तथा झांसी क्षेत्र से 50 बसों का संचालन किया जाएगा।

स्वास्थ्य, ऊर्जा, पंचायत और पर्यटन पर सरकार का बड़ा दांव

अनुपूरक बजट 2025-26 : आमजन से जुड़े क्षेत्रों को प्राथमिकता, योगी सरकार का स्पष्ट संदेश कि बुनियादी सेवाएं मजबूत हों

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: योगी सरकार ने अनुपूरक बजट 2025-26 के जरिए स्वास्थ्य सेवाओं, नवीनीकृत ऊर्जा, पंचायत चुनाव और पर्यटन विकास को नई गति देने का खाका खींचा है। सरकार का स्पष्ट संदेश है कि विकास का लाभ सीधे आमजन तक पहुंचे और बुनियादी सेवाएं मजबूत हों।

स्वास्थ्य सेवाओं को 3,500 करोड़ की सौगात

योगी सरकार ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए अनुपूरक बजट में 3,500 करोड़ का प्रावधान किया है। इसका उद्देश्य मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना, अस्पतालों की क्षमता बढ़ाना और गरीबों को निर्बाध इलाज उपलब्ध कराना है। प्रावधान से ग्रामीण क्षेत्रों के पीएचसी, सीएचसी और जिला अस्पताल सशक्त होंगे। स्वास्थ्य सुविधाओं में भी सुधार होगा।

- आयुष्मान भारत मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना : 300 करोड़
- राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (एनएचआरएम) : 2,000 करोड़
- आयुष्मान भारत नेशनल हेल्थ प्रोटेक्शन मिशन : 1,200 करोड़

पीएम सूर्य घर योजना को 500 करोड़ की मंजूरी

अनुपूरक बजट में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के लिए 500 करोड़ की राज्य सब्सिडी मंजूर की गई है। इससे लाभार्थियों को सब्सिडी समय पर मिलेगी और सोलर रूफटॉप लगाने में आर्थिक राहत मिलेगी। उत्तर प्रदेश इस योजना में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है।

- 10 .09 लाख से अधिक आवेदन
- 3 .14 लाख घरों में सोलर रूफटॉप स्थापित
- 1,083 मेगावाट से अधिक सोलर क्षमता सृजित
- केंद्रीय सब्सिडी : 2,188 .79 करोड़, राज्य सब्सिडी (अब तक) : 600 करोड़

पर्यटन और धार्मिक स्थलों के विकास को बढ़ावा

अनुपूरक बजट में पर्यटन, कला और संस्कृति को भी प्राथमिकता दी गई है। इन प्रावधानों से धार्मिक पर्यटन, ईको टूरिज्म और स्थानीय रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

- ईको टूरिज्म विकास बोर्ड : 1 करोड़
- पर्यटन सुविधाएं : 5 करोड़
- श्री सोरों, श्री कल्कि धाम व अन्य तीर्थ : 10 करोड़
- लोक कलाकारों के लिए वाद्ययंत्र : 5 करोड़
- छतर मंजिल, लखनऊ (रेस्टोरेशन) : 3 .44 करोड़

200 करोड़ : प्रदेश सरकार ने आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों के सुचारु आयोजन के लिए 200 करोड़ का अतिरिक्त प्रावधान किया है। साथ ही राज्य निर्वाचन आयोग कार्यालय भवन के निर्माण के लिए 24.50 करोड़ रखे गए हैं। हर विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण हिस्से में पंचायत उत्सव भवन/बारात घर के निर्माण पर भी जोर दिया गया है।

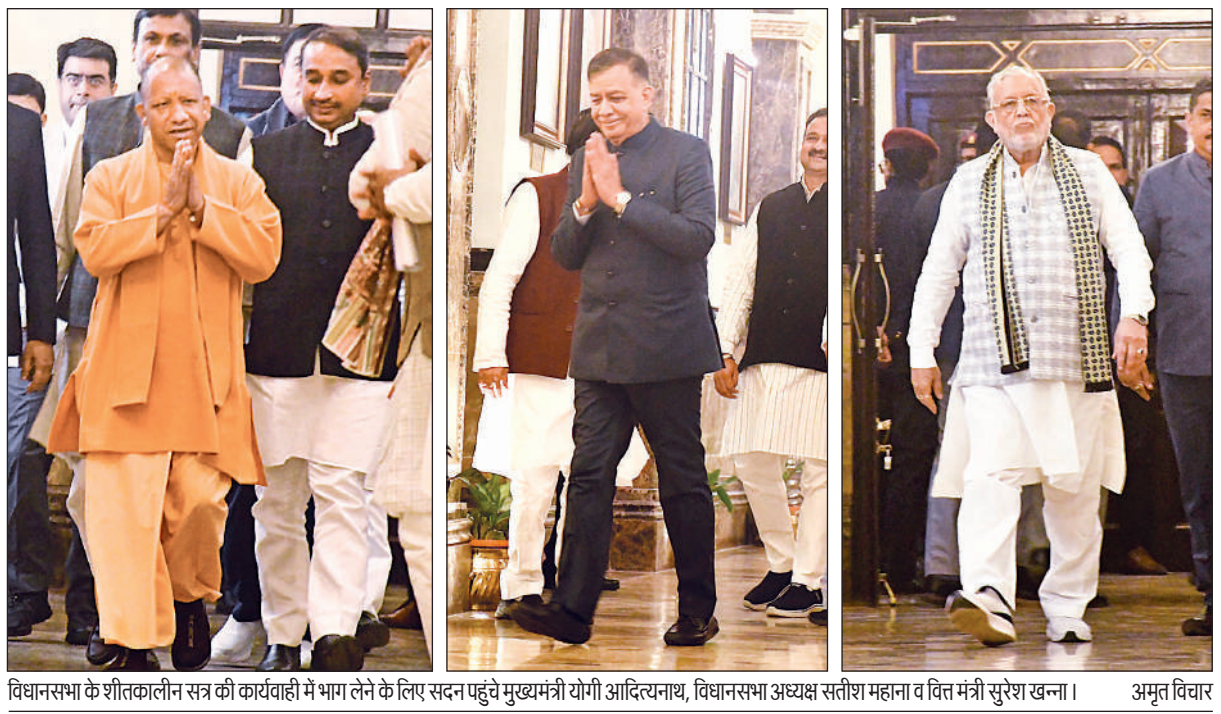

विधानसभा के शीतकालीन सत्र की कार्यवाही में भाग लेने के लिए सदन पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना व वित्त मंत्री सुरेश खन्ना। अमृत विचार

नए मेडिकल कॉलेज खोलने के लिए सरकार ने दी बड़ी रकम

चिकित्सा शिक्षा-प्रशिक्षण को 423.80 करोड़, सेवाओं की बढ़ेगी गुणवत्ता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: योगी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए पेश अनुपूरक बजट में चिकित्सा शिक्षा और प्रशिक्षण को बड़ी प्राथमिकता दी है। प्रदेश में मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ़ करने, नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना, सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं के विस्तार और इलाज की गुणवत्ता सुधारने के उद्देश्य से 423.80 करोड़ की भारी-भरकम धनराशि का प्रावधान किया गया है। इसे प्रदेश के स्वास्थ्य तंत्र को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। एसजीपीजीआई पर खास ध्यान देते हुए सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं को मिलेगा विस्तार मिलेगा।

- **एसजीपीजीआई पर खास ध्यान, सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं को विस्तार**

लखनऊ के प्रमुख चिकित्सा संस्थानों पर सरकार का विशेष फोकस रहा है। संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) को विभिन्न प्रस्तावों के तहत 120 करोड़ की अतिरिक्त आवश्यकता को अनुपूरक बजट में शामिल किया गया है। इसके अलावा सेंटर ऑफ बायोमेडिकल रिसर्च, लखनऊ को वेतन अनुदान के लिए 1 करोड़ दिए गए हैं। गोमतीनगर स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज को वेतन अनुदान के लिए 20 करोड़, जबकि किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) को वेतन अनुदान के रूप में 25 करोड़ की अतिरिक्त धनराशि स्वीकृत की गई है। गंभीर और दीर्घकालिक रोगों के उपचार पर भी ध्यान केंद्रित किया है। हीमोफीलिया रोग की निःशुल्क चिकित्सा सुविधा के तहत औषधि और रसायनों की खरीद के लिए 10 करोड़ का अतिरिक्त प्रावधान किया गया है।

अनुपूरक बजट के तहत प्रदेश के प्रमुख चिकित्सा संस्थानों को वेतन, गैर-वेतन अनुदान, व्यावसायिक एवं विशेष सेवाओं के लिए अतिरिक्त धनराशि दी गई है। सीतापुर स्थित नेहरू इंस्टिट्यूट ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी एंड रिसर्च को वेतन अनुदान के लिए 1.74 करोड़ का अतिरिक्त बजट दिया गया है, जबकि कैंसर संस्थान, लखनऊ को विभिन्न मदों के लिए 10 करोड़ की व्यवस्था की गई है।

मेरठ, झांसी, गोरखपुर व प्रयागराज को भी मदद

योगी सरकार ने मेडिकल कॉलेज आगरा को 9 .5 करोड़, गणेश शंकर विद्यार्थी स्मारक मेडिकल कॉलेज, कानपुर को 8 .75 करोड़ और मेडिकल कॉलेज, प्रयागराज को 6 करोड़ का अतिरिक्त बजट मिला है। इसी क्रम में मेडिकल कॉलेज मेरठ को 10 .65 करोड़, झांसी को 3 .85 करोड़ और गोरखपुर को 5 .07 करोड़ दिए गए हैं। राजकीय मेडिकल कॉलेज, आजमगढ़ को व्यावसायिक एवं विशेष सेवाओं के लिए 50 लाख, बांदा मेडिकल कॉलेज को 2 .18 करोड़, सैफई (इटावा) स्थित रूरल इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज को गैर-वेतन अनुदान के लिए 73 .09 लाख दिए गए हैं।

नए संस्थान और सुपर स्पेशियलिटी पर जोर

नोएडा में सुपर स्पेशियलिटी बाल चिकित्सालय एवं पोस्ट ग्रेजुएट शैक्षणिक संस्थान की स्थापना के लिए वेतन अनुदान के रूप में 2 करोड़ तथा ग्रेटर नोएडा में चिकित्सा विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए 7 करोड़ का प्रावधान किया गया है। तीसरे फेज के तहत स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालयों के संचालन के लिए 45 करोड़ की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही जेके इंस्टिट्यूट ऑफ रेडियोलॉजी एंड कैंसर रिसर्च, कानपुर में विशेष सेवाओं के विस्तार के लिए भी अतिरिक्त धनराशि दी गई है। एटा, हरदोई, प्रतापगढ़, फतेहपुर, सिद्धार्थनगर, देवरिया, गाजीपुर और मीरजापुर सहित कई जिलों में नए स्वशासी मेडिकल कॉलेजों की स्थापना के लिए राज्यांश की प्रतीक व्यवस्था की गई है।

महिला-कल्याण पर फोकस, मिले 535 करोड़

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: योगी सरकार ने अनुपूरक बजट 2025-26 में महिला एवं बाल विकास विभाग को 535 करोड़ रुपये की अतिरिक्त धनराशि देकर आधी आबादी के कल्याण को मजबूत आधार दिया है। इस बजट का सबसे बड़ा लाभ निराश्रित महिला पेंशन योजना को मिलेगा, जिससे पेंशन भुगतान में किसी तरह की रुकावट नहीं आएगी।

पति की मृत्यु के बाद सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराने वाली इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को 1,000 रुपये प्रतिमाह की पेंशन दी जाती है, जिसका भुगतान तिमाही आधार पर होता है। चालू वित्तीय वर्ष की चौथी तिमाही में करीब 40 लाख महिलाओं को पेंशन दी जानी है, जिसके लिए अतिरिक्त संसाधनों की आवश्यकता थी। सरकार ने अनुपूरक बजट के माध्यम से यह स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी पात्र महिला को पेंशन से वंचित नहीं होने दिया जाएगा।

- **निराश्रित महिला पेंशन होगी निर्बाध, आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण को भी बल**

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तीन तिमाहियों में ही एक करोड़ से अधिक महिलाओं को पेंशन का लाभ दिया जा चुका है। इसके साथ ही आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण के लिए 7 करोड़ का प्रावधान किया गया है, ताकि बच्चों को बेहतर पोषण, देखभाल और प्रारंभिक शिक्षा जैसी सुविधाएं मिल सकें। महिला एवं बाल विकास विभाग के लिए बढ़ाया गया यह बजट योगी सरकार की उस नीति को दर्शाता है, जिसमें महिला सुरक्षा, सामाजिक संरक्षण और बाल कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है।

महिला एवं बाल कल्याण : क्या बदलेगा

- 535 करोड़ से निराश्रित महिला पेंशन भुगतान होगा सुनिश्चित
- पात्र महिलाओं को 1,000 प्रतिमाह की नियमित पेंशन
- 2025-26 की चौथी तिमाही में 40 लाख लाभार्थी शामिल
- पहली तीन तिमाहियों में ही 3,400 करोड़ से अधिक की पेंशन वितरित
- 7 करोड़ से नए आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण
- बच्चों को पोषण, देखभाल और प्ले-स्कूल जैसी सुविधाएं

हरित ऊर्जा से मिलेगी सहकारिता को ताकत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: योगी सरकार ने अनुपूरक बजट 2025-26 में सहकारिता क्षेत्र को हरित ऊर्जा और तकनीकी उन्नयन के जरिए सशक्त बनाने की दिशा में अहम कदम उठाया है। सहकारी संस्थाओं के लिए विभिन्न मदों में अतिरिक्त अनुदान की व्यवस्था की है।

अनुपूरक बजट में सरकारी, अर्द्ध-सरकारी और बी-पैक्स (प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों) के भवनों पर सोलर रूफटॉप स्थापित करने के लिए 20 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इससे सहकारी संस्थाओं की ऊर्जा लागत में कमी आएगी और स्वच्छ व नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा। सहकारिता विभाग के अंतर्गत वाहन सेवाओं को मजबूत करने के लिए 2.19 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश सहकारी सेवा मंडल, लखनऊ को विभिन्न मानक मदों के लिए 46 लाख रुपये का अतिरिक्त अनुदान दिया गया है। सहकारी शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान को 1.50 करोड़ का अनुदान प्रस्तावित किया गया है। साथ ही, सहकारी समितियों का समग्र डाटाबेस तैयार करने हेतु 1 करोड़ की अतिरिक्त धनराशि रखी गई है।

- **बी-पैक्स व सरकारी भवनों पर सोलर रूफटॉप स्थापित करने पर जोर**

राष्ट्रगीत पर समझौता ही बंटवारे की नींव बना : योगी

मुख्यमंत्री ने वंदेमातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर विधानसभा में विरोधियों पर किया तीखा हमला

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर विधानसभा में आयोजित विशेष चर्चा की शुरुआत करते हुए कांग्रेस और मोहम्मद अली जिन्ना पर तीखा हमला बोला। मुख्यमंत्री ने कहा कि वंदे मातरम् पर किया गया पहला समझौता ही भारत के सांस्कृतिक विभाजन और अंततः देश के बंटवारे की नींव बना। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह किसी धार्मिक भावना का सम्मान नहीं था, बल्कि कांग्रेस की तुष्टीकरण नीति का सबसे खतरनाक प्रयोग था, जिसने अलगाववाद को जन्म दिया।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जब तक मोहम्मद अली जिन्ना कांग्रेस में थे, तब तक वंदे मातरम् कोई विवाद नहीं था। कांग्रेस छोड़ने के बाद जिन्ना ने इसे मुस्लिम लीग की राजनीति का औजार बनाया और जानबूझकर राष्ट्रगीत को सांप्रदायिक रंग देने का प्रयास किया। गीत वही रहा, लेकिन एजेंडा बदल गया। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् का विरोध धार्मिक नहीं, बल्कि पूरी तरह राजनीतिक था। योगी ने 15 अक्टूबर 1937 का उल्लेख करते हुए कहा कि इसी दिन लखनऊ से जिन्ना ने वंदे मातरम् के खिलाफ अभियान शुरू किया, जबकि उस समय कांग्रेस अध्यक्ष पंडित जवाहरलाल नेहरू थे। इसके पांच दिन बाद 20 अक्टूबर 1937 को नेहरू द्वारा सुभाष चंद्र बोस को लिखा गया पत्र कांग्रेस की तुष्टीकरण मानसिकता का प्रमाण है, जिसमें कहा गया कि यह मुद्दा मुसलमानों को "आशंकित" कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 26 अक्टूबर 1937 को कांग्रेस ने वंदे मातरम् के कुछ अंश हटाने का फैसला लिया, जिसे "सद्भाव" कहा गया, लेकिन वास्तव में यह राष्ट्र चेतना की बलि थी।

- **कहा : कांग्रेस की तुष्टीकरण नीति और जिन्ना की राजनीति ने वंदे मातरम् को विवाद बनाया**

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि देशभक्तों ने उस निर्णय का विरोध किया, प्रभात फेरियां निकालीं, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व राष्ट्र के साथ खड़े होने की बजाय वोटबैंक के साथ खड़ा हो गया। 17 मार्च 1938 को जिन्ना ने वंदे मातरम् को पूरी तरह बदलने की मांग की, फिर भी कांग्रेस ने प्रतिकार नहीं किया। इसका परिणाम यह हुआ कि मुस्लिम लीग का साहस बढ़ा, अलगाववाद मजबूत हुआ और सांस्कृतिक प्रतीकों पर समझौते की परंपरा शुरू हुई, जिसने अंततः भारत को विभाजन की त्रासदी तक पहुंचाया।

योगी ने ऐतिहासिक संदर्भ देते हुए कहा कि 1896 से 1922 तक कांग्रेस के हर अधिवेशन में वंदे मातरम् गाया जाता रहा। खिलाफत आंदोलन तक भी यह गीत निर्विवाद रहा। मौलाना अबुल कलाम आज़ाद जैसे नेता इसके समर्थक थे। समस्या मजहब की नहीं, बल्कि कुछ लोगों की राजनीति की थी। उन्होंने 1923 के कांग्रेस अधिवेशन का उल्लेख किया, जब मोहम्मद अली जौहर ने पहली बार वंदे मातरम् का विरोध किया। विष्णु दिगंबर पलुस्कर द्वारा पूरा गीत गाए जाने पर जौहर का मंच छोड़ना व्यक्तिगत निर्णय था, लेकिन कांग्रेस का झुकना उसकी नीति बन गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1937 में केवल दो छंद गाने और उन्हें भी अनिवार्य न रखने का निर्णय राष्ट्रीय आत्मसमर्पण था। 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा द्वारा जिस खंडित वंदे मातरम् को मान्यता दी गई, वह भी उसी तुष्टीकरण नीति का परिणाम था। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् केवल गीत नहीं, भारत की आत्मा है। बंग-भंग आंदोलन से लेकर स्वतंत्रता संग्राम तक यह क्रांतिकारियों की अंतिम सांस तक का मंत्र रहा।

यूपी में मौत नहीं, सपा सरकार ने दिए अपराधियों को लाइसेंस

कोडीन कफ सिरप मामले में मुख्यमंत्री योगी ने सपा पर किया सीधा वार, विधानसभा में खोली पोल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को विधानसभा में कोडिन कफ सिरप प्रकरण पर विपक्ष के हंगामे का तीखा जवाब देते हुए सपा को कठघरे में खड़ा कर दिया। कहा कि प्रदेश में कोडिन कफ सिरप से एक भी मौत नहीं हुई है, लेकिन झूठे आरोप लगाकर सदन को गुमराह करने की कोशिश की जा रही है। यह पूरा मामला अवैध डायवर्जन और ट्रेडिंग का है, जिसमें दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने एक-एक आरोपियों के नाम लेकर गिनाया कि सबसे तार सपा से जुड़े हैं और अपराधियों को लाइसेंस सपा सरकार ने दिए थे।

सदन में विपक्ष के आरोपों का जवाब देते मुख्यमंत्री योगी। अमृत विचार

मुख्यमंत्री ने नेता प्रतिपक्ष और समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रश्न क्या है और मुद्दे क्या उठाए जा रहे हैं, इसका फर्क समझना चाहिए। सदन की गरिमा बनाए रखना विपक्ष की भी जिम्मेदारी है। उन्होंने 'चोर की दाढ़ी में तिनका' कहावत का जिक्र करते हुए कहा कि जिनके दामन पर दाग हैं, वही सबसे ज्यादा शोर मचा रहे हैं। योगी ने सदन में खुलासा किया कि यूपी के सबसे बड़े कोडिन कफ सिरप होलसेलर को वर्ष 2016 में समाजवादी पार्टी की सरकार ने लाइसेंस जारी किया था। एसटीएफ की कार्रवाई में वही होलसेलर पकड़ा गया।

आलोक सिपाही पक्का सपाई : मुख्यमंत्री ने सदन में फोटो दिखाते हुए कहा कि कोडिन कफ सिरप प्रकरण का किंग पिन आलोक सिपाही पक्का सपाई है। एक अन्य आरोपी अमित यादव की तस्वीर उन्होंने अखिलेश यादव के साथ दिखाते हुए कहा कि वह समाजवादी युवजन सभा से जुड़ा रहा है।

अवैध लेन-देन और सपा के तार : योगी ने कहा कि जांच में सामने आया है कि अवैध लेन-देन लोहिया वाहिनी के एक पदाधिकारी के खाते के माध्यम से हुआ। किंग पिन शुभम जायसवाल के सपा से संबंध रहे हैं। अमित यादव और मिलिंद यादव के खातों से शैली ट्रेडर्स के खाते में संदिग्ध ट्रांजेक्शन हुआ है।

कार्रवाई के आंकड़े

- 79 अभियोग दर्ज
- 225 अभियुक्त नामजद

78 गिरफ्तारियां

- 134 फर्मों पर छापे
- 332 फर्मों की जांच, 136 पर एनडीपीएस एक्ट में केस
- 77 से अधिक आरोपी जेल में

योगी ने कहा- देश में दो नमूने, सपा का हंगामा

योगी ने तंज कसते हुए कहा कि देश में दो नमूने हैं। एक दिल्ली में बैठता है और दूसरा लखनऊ में। जब भी कोई चर्चा होती है, देश छोड़कर भाग जाते हैं। आप चिल्लाते रहेंगे और 'बबुआ' सैर-सपाटे के लिए इंग्लैंड चले जाएंगे। योगी के बयान के बाद नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने नमूने शब्द पर कड़ी आपत्ति जताई और सपा सदस्यों ने जमकर हंगामा किया। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के तमाम कोशिशों के बाद भी सपाई शांत नहीं हुए। इसके बाद अनुपूरक बजट पेश करने की अनुमति दी गई।

विधानसभा सत्र के दौरान कफ सिरप समेत अन्य मुद्दों को लेकर विधानभवन परिसर में धरना देते सपा विधायक। अमृत विचार

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

सीएम के प्रोग्राम में सम्मानित होंगे जिले के 3 किसान

ब्लॉक कन्नौज के बाबू सिंह, तालग्राम व जलालाबाद से सरवन सिंह व राधेश्याम का हुआ चयन

समारोह आज

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती 23 दिसंबर यानि आज है। लखनऊ में प्रदेशभर के उन किसानों को सम्मानित किया जाएगा जो कृषि क्षेत्र में बेहतर कार्य कर रहे हैं। इसमें जनपद के भी तीन किसानों का चयन हुआ है। विकास खंड क्षेत्र कन्नौज से बाबू सिंह, तालग्राम इलाके के सरवन सिंह व जलालाबाद क्षेत्र से राधेश्याम राजधानी पहुंच गए हैं।

डीडी कृषि संतोष यादव ने बताया कि विभागीय कर्मचारियों के साथ चयनित किसानों को सीएम योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा कलेक्ट्रेट परिसर में भी जिला स्तर पर आयोजन होगा। इसमें कुल 80 किसानों को सम्मान मिलेगा। जनपद स्तर पर कृषि, उद्यान, मत्स्य व पशु पालन के 08-08 किसान और कृषि विज्ञान केंद्र की 08 महिला किसानों कुल 48 को सम्मान दिया जाएगा। ब्लॉक स्तर पर 32 किसान सम्मानित होंगे। इसमें भी चारों विभाग के 08-08 किसान शामिल हैं।

राधेश्याम को राई की वजह से मिलेगा पुरस्कार

- **कन्नौज।** किसान राधेश्याम गांव वसीरापुर भाट ब्लॉक जलालाबाद के निवासी हैं। उन्होंने राई/सरसों में 0.40 हेक्टेयर क्षेत्रफल में 33.20 क्विंटल उपज मार्च में प्राप्त की है। वह महज 05वीं पास हैं। उसके बाद भी मक्का, आलू, राई व गुलाब की खेती करते हैं। अनुसूचित जाति के लघु किसान राधेश्याम के पास कुल जमीन 0.80 हेक्टेयर है। वह नलकूप से फसलों की सिंचाई करते हैं। राज्य स्तर पर पुरस्कार राई फसल उत्पादन व गुलाब की उत्कृष्ट खेती पर मिलेगा।

उन्नत तकनीकी से बाबू सिंह ने की मक्का फसल

- **कन्नौज।** किसान बाबू सिंह गांव बेहरिन विकास खंड सदर कन्नौज के रहने वाले हैं। उन्होंने मक्का की फसल 0.4 हेक्टेयर में जगह में 61.20 क्विंटल उत्पादन अक्टूबर में प्राप्त किया। वह हाईस्कूल पास हैं। मक्का, आलू, धान, राई व गेहूं की फसल करते हैं। बाबू सिंह पिछड़ा जाति के लघु किसान हैं। इनके पास 0.80 हेक्टेयर क्षेत्रफल है। लखनऊ में यह पुरस्कार उन्नत तकनीकी कर मक्का फसल का उत्पादन करने पर मिलेगा।

सरवन ने किया वैज्ञानिक तकनीकी से उत्कृष्ट उत्पादन

- **कन्नौज।** तालग्राम विकास खंड के गांव पिडारीखेड़ निवासी किसान सरवन सिंह ने एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में 61.52 क्विंटल मक्का उत्पादन सितंबर में किया है। वह हाईस्कूल पास हैं और आलू, मक्का, गेहूं, राई, धान व सब्जी उत्पादन करते हैं। मक्का की फसल में जैविक खाद का प्रयोग किया है। पिछड़ा वर्ग के किसान के पास 1.4 हेक्टेयर जमीन है और नलकूप से फसलों की सिंचाई करते हैं। वैज्ञानिक तकनीकी से मक्का फसल का उत्कृष्ट उत्पादन पर यह पुरस्कार मिल रहा है।

2 एडीओ को प्रतिकूल प्रविष्टि 3 सचिवों का होगा निलंबन

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। जिला लेखा परीक्षा अधिकारी, सहकारी समितियों एवं ग्राम पंचायतों के अधिभार के लेखा परीक्षा प्रतिवेदन वर्ष 2018-19 के 39 प्रस्तावों के ऑडिट आपत्ति का निस्तारण कराने के लिए बैठक हुई। इसमें दो एडीओ पंचायत को प्रतिकूल प्रविष्टि और तीन सचिवों के निलंबन के निर्देश दिए गए।

विकास भवन सभागार में आयोजित बैठक में सीडीओ राम कृपाल चौधरी ने कहा कि ग्राम पंचायत चौराचांदपुर ने ऑडिट के अभिलेख नहीं दिए हैं इसलिए सचिव अशोक कुमार के खिलाफ केस दर्ज करने के निर्देश थे। एडीओ पंचायत सदर ने रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई है। इस पर उनको प्रतिकूल प्रविष्टि सचिव का निलंबन करने को कहा गया। ग्राम पंचायत नान्हेपुर, बस्ता, फुलवारी, पाला, चंदियापुर के अभिलेख न देने पर ग्राम विकास अधिकारी जय प्रकाश के खिलाफ एडीओ पंचायत उमर्दा को रिपोर्ट दर्ज करने के निर्देश थे। इन्होंने भी कार्रवाई नहीं की। इस पर एडीओ पंचायत उमर्दा को प्रतिकूल प्रविष्टि और जय प्रकाश को निलंबित करने के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत बहोसी, रामपुर मझिला, दिसरापुर, फिरोजपुर के अभिलेख न आने पर ग्राम विकास अधिकारी अश्वनी कुमार को निलंबित करने के निर्देश हुए थे। सीडीओ ने कहा कि अगर ग्राम पंचायत अधिकारी राजेंद्र कुमार ने ग्राम रसूलपुर के अभिलेख प्रस्तुत नहीं कराए गए तो एडीओ तालग्राम राजेंद्र कुमार के खिलाफ थाना में केस दर्ज कराएं।

न्यूज ब्रीफ

हृदयगति रुकने से शिक्षक का निधन

छिबरामऊ, कन्नौज। विशुनगढ़ थाना क्षेत्र स्थित शेखपुर गांव निवासी रामकिशोर पुत्र स्व. रामभरोसे की हृदयगति रुकने से रविवार रात निधन हो गया। रामकिशोर श्यामलाल खंडेलवाल इंटर कॉलेज में अध्यापक थे। उनके पिता भी इसी कॉलेज में शिक्षक थे।

रामकिशोर की फाइल फोटो।

भाकियू टिकैत ने कलेक्ट्रेट में दिया धरना

कन्नौज। भारतीय किसान यूनियन टिकैत के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने सोमवार को आठ सूत्री मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट में धरना दिया। बाद में जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन अतिरिक्त मजिस्ट्रेट अविनाश गौतम को दिया। इस में मांग की है कि किसानों की जिन जमीनों पर भू माफिया कब्जा किये हैं उसे पुलिस के माध्यम से मुक्त कराया जाये। स्मार्टमीटर के नाम पर हो रही लूट को बंद किया जाये। इस मौके पर जिलाध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष मोहम्मद शमीम सिद्दीकी, कुसुम चौहान, मतीन खां, अकील फारुखी समेत कई किसान नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ड्रग इंस्पेक्टर के छापे में मेडिकल स्टोरों पर मिली खामी

कन्नौज। दवाओं की गुणवत्ता जांचने एवं कोडीन युक्त व नारकोटिक्स दवाओं की बिक्री पर नियंत्रण करने के लिये ड्रग निरीक्षक ने शहर के मेडिकल स्टोरों पर छापा मारा। सोमवार को ड्रग इंसपेक्टर परमेश दुबे ने शहर के मोहल्ला चिड़ियागंज एवं अन्य स्थानों पर छापामार कार्यवाही की। कृष्णा मेडिकल स्टोर का औचक निरीक्षण कर दो दवाओं के नमूने लेकर सील किए। मौके पर मिली कोडीन युक्त औषधियों के क्रय विक्रय बिल प्रस्तुत करने को कहा। कमियों पर मौजूद प्रोपराइटर को सख्त चेतावनी दी गई। बिल प्रस्तुत न करने पर कोडीन युक्त दवाओं के क्रय विक्रय पर अग्रिम आदेशों तक रोक लगा दी गई है। निर्देश दिए कि दवाओं को बिना डॉक्टर के पर्चे के न बेचें। यदि मेडिकल स्टोर संचालक दिशा निर्देशों का पालन नहीं करेंगे तो उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

नगर को स्वच्छ और सुंदर बनाना लक्ष्य

छिबरामऊ। नगर पालिका अध्यक्ष मनोज दुबे ने अपना 63वां जन्मदिन कान्हा गौशाला में पौधारोपण करके मनाया। पालिका कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा नगर को स्वच्छ और सुंदर बनाना उनका प्रमुख लक्ष्य है। मनोज दुबे ने कहा उनकी योजना गौशाला में बाबा दादी के नाम से हरित वाटिका भी बनाने की है। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष शैलेंद्र गुप्ता लालू, नरेश गुप्ता गोल्डी, अजयभान पिंटू गुप्ता सहित कई सभासदों एवं पालिका कर्मियों ने माल्यार्पण के साथ बुके भेंट करके जन्मदिन की बधाई दी।

रोडवेज डिपो पर 126 चालक परिचालकों की हुई जांच

कन्नौज। राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी के निर्देश पर सोमवार को स्वास्थ्य टीम ने रोडवेज बस डिपो कन्नौज में चालक, परिचालक एवं अन्य स्टॉफ की सामान्य स्वास्थ्य की। एचआईवी, सिफिलिस, हेपेटाईटिस बी, सी के अलावा टीबी संक्रमण, शुगर, बीपी एवं नेत्र परीक्षण किया गया। सीएमओ डॉ. स्वदेश गुप्ता एवं डीटीओ डॉ.के. पी.त्रिपाठी ने फीता काटकर शिविर का शुभारम्भ किया। डिप्टी सीएमओ डॉ.महेंद्र भान सिंह, डॉ.इरशाद एवं मेडिकल ऑफिसर वा अन्य स्वास्थ्य कर्मचारी मौजूद रहे। शिविर में 126 चालक व परिचालक एवं अन्य स्टॉफ की जांचे की गई।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर कोहरे में चार वाहन भिड़े, पांच घायल

घायलों को मेडिकल कालेज में कराया गया भर्ती, सुबह 9 बजे के करीब हुआ हादसा

संवाददाता तिर्वा, कन्नौज

- पलटे लोडर में टकराई दो कारें और एक बस भी घुसी
- यूपीडा की राहत एवं बचाव टीम तुरंत पहुंची मौके पर

अमृत विचार। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर कोहरे के चलते टमाटर लदा लोडर डिवाइडर पर चढ़कर पलट गया। पीछे से आ रही दो कारें व एक बस भी लोडर से टकरा गईं। इससे पांच यात्री घायल हो गये। पुलिस व एक्सप्रेस वे सुरक्षा टीम ने सभी घायलों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया।

सोमवार को सुबह 9 बजे घने कोहरे में एक्सप्रेस वे पर एक लोडर टमाटर लाद कर लखनऊ जा रहा लोडर 189 किलोमीटर पर डिवाइडर से टकराने के बाद पलट गया। इसके बाद पीछे से आ रही तेज रफ्तार कारें भी टकरा गईं। कुछ देर पीछे से आ रही एक बस भी घुस गई। दुर्घटना से वाहनों में सवार लोगों में कोहराम मच गया। सूचना मिलते ही यूपीडा के राहत एवं बचाव टीम मौके पर पहुंच गई।

एक्सप्रेस वे पर दुर्घटना के बाद क्षतिग्रस्त वाहन। अमृत विचार

कुछ देर में यूपी 112 पुलिस टीम व कोतवाली प्रभारी संजय कुमार शुक्ल मौके पर पहुंचे।

दुर्घटनाग्रस्त हुए वाहनों में फंसे घायलों को एंबुलेंस से मेडिकल कॉलेज में पहुंचाया। यहां विशाल गुप्ता (27) पुत्र संतोष गुप्ता, दीपक पटवा (35) पुत्र रामनारायण पटवा निवासीगण सलेमपुर देवरिया, रामू मौर्य (18) पुत्र हुकुम सिंह निवासी लखिईया जदीद जिला बहराइच, लेखराज शर्मा (56) निवासी गांधी नगर खैबर रोड भरतपुर राजस्थान सहित एक अन्य का इलाज किया जा रहा है। सभी की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

खड़ी डीसीएम में ट्रेलर घुसा

- **कन्नौज।** डीसीएम मथुरा से लखनऊ आलू की चिप्स लेकर के जा रही थी। टायर फट हो जाने से वह तालग्राम थाना क्षेत्र के किलोमीटर संख्या 170 + 100 पीली पट्टी पर खड़ी थी। रविवार की रात 10:30 बजे ट्रैक्टर लदे ट्रेलर के चालक ने नींद में पीछे से टक्कर मार दी। इससे डीसीएम में लदी चिप्स की बोरियां बिखर गई। ट्रेलर का चालक फरार हो गया। सूचना पर गश्ती दल व थाना पुलिस मौके पर पहुंच कर राहत व बचाव कार्य किया।

विद्यालयों में बालिकाओं का नामांकन बढ़ाएं

जलालाबाद (कन्नौज)। बीआरसी पर चल रहे दो दिवसीय मीना मंच सुगमकर्ता प्रशिक्षण का समापन किया गया। इसमें बीईओ ने विद्यालयों में बालिकाओं का नामांकन बढ़ाने पर जोर दिया।

सोमवार को ब्लॉक संसाधन केंद्र पर मीना मंच प्रशिक्षण के समापन के दौरान बीईओ शिवेंद्र कुमार वर्मा ने कहा कि मीना मंच का उद्देश्य केवल विद्यालयों में बालिकाओं के नामांकन को बढ़ाना है। शिक्षकों को कहानियों, चार्ट पेपर विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को जागरूक करने के तरीके भी बताए। कहा कि मीना केवल एक काल्पनिक पात्र नहीं बल्कि हर बालिका के लिए प्रेरणा का स्रोत है। संदर्भदाता रामकिशोर सिंह ने शिक्षकों से अपील की कि गांव-गांव जाकर बाल विवाह व लिंग भेद जैसी कुरीतियों के खिलाफ समाज को जागरूक करें। सुगमकर्ता नीता शुक्ला ने भी संबोधित किया।

हत्यारोपी का शव पेड़ पर फंदे से लटकता मिला

संवाददाता सौरिख (कन्नौज)

- परिजनों ने मारकर शव लटकाए जाने का आरोप लगा किया हंगामा

अमृत विचार। चार दिन पहले हुई मिक्सर मिस्त्री की हत्या के मुख्य आरोपी का शव पेड़ पर फंदे से लटका मिला। परिवार के लोग हत्या कर शव पेड़ से लटकाए जाने का आरोप लगा हंगामा करने लगे। मौके पर कई थानों का फोर्स पहुंचा और हत्या का मामला दर्ज होने के बाद परिजनों ने शव उतारने दिया।

थाना क्षेत्र के नादेमऊ चौकी के गांव माडपुरी निवासी उदयवीर पुत्र तेजराम (40) का शव गांव से चार किमी. दूर थाना इंदरगढ़ की सीमा में एक पेड़ पर मफलर के फंदे से लटकता मिला। मृतक के पैर जमीन पर टिके होने से परिजनों ने हत्या कर शव को लटकाने का आरोप लगाया। सूचना पर इंदरगढ़ प्रभारी नीलम सिंह, सकरावा प्रभारी, प्रभारी निरीक्षक सौरिख जयंती प्रसाद गंगवार, सीओ छिबरामऊ, सीओ तिर्वा मौके पर पहुंच गए। परिजन उच्च अधिकारियों को बुलाने की मांग करने पर अड़ गए। शव उतारने नहीं दिया। बाद में इंदरगढ़ थाने में उदयवीर के पिता तेजराम की तहरीर पर पुलिस ने हत्या की रिपोर्ट दर्ज की। तब परिजनों ने शव उतारने दिया।

तेजराम की तहरीर पर नंदलाल बाथम, अर्जुन बाथम प्रधान काकरकुई, अरुण बाथम, रवि भदौरिया निवासी किसई जगदीशपुर, निरोहित यादव निवासी नेकपुर के खिलाफ हत्याकर शव लटकाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

बता दें कि चार दिन पूर्व चौकी नादेमऊ क्षेत्र के गांव काकरकुई निवासी श्यामसुंदर की ईंट से कुचलकर हत्या कर दी गई थी, जिसमें मुख्य आरोपी उदयवीर को बनाया गया था। इसकी तलाश में पुलिस की तीन टीमें जुटी थीं।

सुभाष अकादमी में वार्षिक खेलकूद स्पर्धा शुरू

संवाददाता, छिबरामऊ, कन्नौज

अमृत विचार। सुभाष अकादमी में त्रिदिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ सोमवार को निदेशक राजेश सक्सेना ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर एवं माल्यार्पण कर किया। प्रतियोगिता की शुरुआत सीनियर वर्ग की 100 मीटर दौड़ से हुई।

सीनियर लड़कों में भाभा हाउस के अनमोल (12वीं) प्रथम एवं जेसी बोस हाउस के गौरव (11वीं) द्वितीय रहे। लड़कियों में खुशबू (11वीं) प्रथम एवं मनीषा (9वीं) द्वितीय रहीं। कक्षा 6 से 8 वर्ग में लड़कों की 100 मीटर दौड़ में ऋषभ (8वीं) प्रथम एवं गौरव (7वीं) द्वितीय रहे। लड़कियों में वर्णिका (8वीं) प्रथम एवं जान्हवी (8वीं) द्वितीय रहीं। कक्षा 2 से 5 वर्ग में लड़कों में कृष्णा (5वीं) प्रथम एवं अभय (5वीं) द्वितीय रहे। लड़कियों में गुनगुन (5वीं) प्रथम एवं अक्षिता (4थ) द्वितीय रहीं। 50 मीटर दौड़ में प्रथम कक्षा के दिव्यम प्रथम एवं अर्जित द्वितीय रहे। लड़कियों में साक्षी प्रथम एवं आकृति द्वितीय रहीं। पीजी से यूकेजी वर्ग में यश प्रथम एवं शिवांश (यूकेजी) द्वितीय रहे। लेमन स्पून रेस में अभय (एलकेजी) प्रथम एवं वैदिक (प्रथम) द्वितीय रहे। लड़कियों में साक्षी (प्रथम) प्रथम एवं आकृति द्वितीय रहीं।

इस अवसर पर विद्यालय के सीईओ कार्तिकेय सक्सेना, प्रधानाचार्य प्रवीण कुमार, कोऑर्डिनेटर धीरज कुमार, उप प्रधानाचार्य दिनेश कमल, सपन पाण्डेय, आशुतोष पाण्डेय, रश्मि पाण्डेय, रश्मि तिवारी, रामभक्त शर्मा, शोभित, दिलीप श्रीवास्तव, आयुष दुबे सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

रस्सा खीच प्रतियोगिता में भाग लेते नन्हे-मुन्ने बच्चे। अमृत विचार

भाषण में नंदिनी, काव्य पाठ में प्रतिज्ञा व निबंध में हर्षित प्रथम

कन्नौज। भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में जनपद स्तरीय भाषण, निबंध एवं एकल काव्य पाठ प्रतियोगिता हुई। भाषण में राजकीय महिला महाविद्यालय बांगर से बीए तृतीय वर्ष की छात्रा नंदनी दुबे प्रथम, स्मृति दुबे द्वितीय एवं चौधरी चंदन सिंह महाविद्यालय से बीएससी तृतीय वर्ष की काजल सिंह तृतीय रहीं।

सोमवार को राजकीय महिला महाविद्यालय बांगर में आयोजित एकल काव्य पाठ प्रतियोगिता में भारतीय शिक्षा सदन इंटर कॉलेज की 9वीं की छात्रा प्रतिज्ञा प्रथम, द्वितीय स्थान पर एसबीआई इंटर कॉलेज के 12वीं के छात्र अली हसन एवं आरएस पब्लिक इंटर कॉलेज से इंटरमीडिएट की छात्रा वैष्णवी तृतीय स्थान पर रहीं। निबंध में योगेंद्र सिंह इं. कॉ. के 11वीं के छात्र हर्षित दुबे प्रथम, मालती देवी मेमोरियल पब्लिक स्कूल के 11वीं के छात्र अमित दीप कौर द्वितीय एवं सुशीला देवी गर्ल्स इंटर कॉलेज के 11वीं के छात्रा गरिमा पटेल तृतीय स्थान पर रहे। छात्राओं ने भाषण में कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी का व्यक्तित्व और कृतित्व बहुत व्यापक था। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसी कई विकास योजनाएं शुरू कीं। छात्राओं ने पूर्व प्रधानमंत्री की रचित कविताओं का पाठ भी किया।

छात्र-छात्राओं को शपथ दिलाते संस्था के पदाधिकारी। अमृत विचार

नशे से शारीरिक, आर्थिक व सामाजित क्षति

संवाददाता, गुरसहायगंज

- छात्र-छात्राओं को दिलाई गई नशा न करने की शपथ

अमृत विचार। ब्लाक तालग्राम के ग्राम कुडरीपुर्वा स्थित प्राथमिक विद्यालय में सोमवार को आस्तिक नशा मुक्ति केंद्र द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिला महामंत्री नीरज मिश्रा ने बताया कि नशा करने से मनुष्य का शरीर व कॅरियर नष्ट हो जाता है।

छात्र, छात्राओं को जागरूक करते हुए केंद्र के सचिव जेपी सिंह ने कहा कि छात्र, छात्राएं परिवार व आसपास के लोगों से नशा न करने की अपील करें। नशा करने से इंसान की शारीरिक, मानसिक व आर्थिक क्षमता नष्ट होती है। निरोगी और सफल जीवन के लिए सभी को नशा से दूर रहना चाहिए। छात्र छात्राओं को नशा न करने की शपथ भी दिलाई गई। इस दौरान मयूरी पांडे, प्रधानाध्यापक मीनू सिंह, अनुपमा शाक्य, प्रभाकर गुप्ता, उमा शुक्ला, संतोष दुबे, अंकित मिश्रा, रवि तिवारी, गोविंद तिवारी, लल्लन दुबे, शैलेंद्र मिश्रा, अमर तिवारी, अनुज शर्मा आदि रहे।

नई व्यवस्था सुबह 06 से रात 09 बजे तक रहेगी नो इंट्री, डीएम ने दिए निर्देश

भारी वाहन शहर में नहीं कर सकेंगे प्रवेश

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। कलेक्ट्रेट गांधी सभागार में सड़क सुरक्षा की बैठक हुई। इसमें तय हुआ कि सुबह 06 बजे से रात 09 बजे तक सरायमीरा में लंबी दूरी की रोडवेज बसों व भारी वाहनों के प्रवेश पर नो इंट्री रहेगी।

डीएम आशुतोष मोहन अग्निहोत्री ने निर्देश दिए कि वाहनों में रिफ्लेक्टर अनिवार्य रूप से लगाए जाएं। विगत तीन माह में निलंबित एवं निरस्त किए गए ड्राइविंग लाइसेंसों का पूर्ण विवरण उपलब्ध कराया जाए। डबल डेकर बसों, स्कूली वाहनों, ट्रॉलियों में भरी मिट्टी आदि का समय-समय पर किए गए निरीक्षण का समुचित डेटा भी प्रस्तुत किया जाये। स्कूली बसों की फिटनेस की नियमित जांच की जाए। सुरक्षा के दृष्टिगत 25 दिसम्बर से प्रातः 06 बजे से रात 09 बजे तक कन्नौज नगर क्षेत्र में भारी वाहनों लंबी दूरी की बसों का प्रवेश पूर्णतः वर्जित रहेगा। इनको नगर के बाहर बाईपास से संचालित किया जाएगा। बाईपास पर टेंपो स्टैंड के लिये स्थल चिन्हित कर यात्रियों के लिए टीन शेड, पेयजल एवं शौचालय की समुचित व्यवस्था करें। उन्होंने पेट्रोल पंप संचालकों से भी अपील की कि वे बैनर, साउंड सिस्टम आदि के माध्यम से सड़क सुरक्षा संबंधी जागरूकता फैलाकर सहयोग करें।

सीएमओ को निर्देश दिए कि ऐसी रणनीति तैयार की जाए कि दुर्घटना की सूचना मिलने पर एम्बुलेंस 10 मिनट के भीतर घटनास्थल पर पहुंच सके तथा चिन्हित एम्बुलेंसों में आपदा मित्र भी तैनात किए जाएं।

कलेक्ट्रेट में सड़क सुरक्षा की बैठक लेते डीएम व अन्य अधिकारी। अमृत विचार

25 दिसंबर से लागू होगा आदेश, पालन कराएंगे अधिकारी

सड़क पर गिट्टी मौरंग डाली तो लगेगा जुर्माना

- **कन्नौज।** डीएम ने ईओ नगर पालिका को निर्देश दिये कि नगरीय क्षेत्र में मकान बनवाते समेत सड़क पर गिट्टी, मौरम आदि डंप कर आवागमन बाधित करने वालों पर जुर्माना लगेगा।

दीपिका बनीं मेला क्वीन, लोकनृत्य में गुंजन प्रथम, किया गया सम्मानित

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। शहर के लाला कुंज बिहारी शंकर सहाय धर्मशाला, शिवाला में आयोजित बाथम वैश्य सभा का शीतकालीन मेला हर्षोल्लास, गरिमा और सामाजिक सौहार्द के साथ संपन्न हुआ। मेला क्वीन का खिताब दीपिका को मिला। लोक नृत्य में गुंजन प्रथम रहीं। एक मिनट की प्रतियोगिता में माधव व विवान संयुक्त रूप से प्रथम रहे। बिना आग के भोजन बनाने में शैल्वी व तिशा प्रथम रहीं।

शीतकालीन मेले में महिलाओं ने पारंपरिक एवं आकर्षक परिधानों में सज-संवर कर मेला क्वीन प्रतियोगिता में भाग लिया। छोटे बच्चों के लिए चॉकलेट रेस, फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता, नृत्य कार्यक्रम तथा महिलाओं के लिए भजन गायन प्रतियोगिता हुई। डॉ. प्राची गुप्ता ने बताया कि वरिष्ठ नागरिक सम्मान से 33 वरिष्ठजनों को सम्मानित किया गया। मेधावी छात्रों को सम्मान मिला। कार्यक्रम समापन पर लकी ड्रा से आकर्षक उपहार वितरित किए गए। आयोजन को सफल बनाने में बाथम वैश्य सभा अध्यक्ष प्रीतम गुप्ता 'गोलू', राजेश, उपनीत, प्रभात, लक्की, धनंजय, कृष्णा गुप्ता, अभिनव गुप्ता का सहयोग रहा। महिला सभा अध्यक्ष गुड्डी गुप्ता एवं प्रिया गुप्ता ने संचालन किया।

बिना आग के भोजन बनाने की प्रतियोगिता में प्रथम रहीं शैल्वी को सम्मानित करतीं डॉ. प्राची गुप्ता व अन्य। अमृत विचार

- माधव व विवान को संयुक्त रूप से मिला एक मिनट की प्रतियोगिता का खिताब

कार्यालय क्षेत्रीय वन अधिकारी, बिल्हौर रेंज

पत्रांक: मेमो/2–1 बिल्हौर दिनांक 20/12/2025

भारतीय वन अधिनियम–1927 की धारा–6 के अन्तर्गत की गयी घोषणा–

भारतीय वन अधिनियम–1927 की धारा–4 के अधीन उत्तर प्रदेश सरकार ने विज्ञप्ति संख्या 1983/14–2–2014–4(1)/2014 दिनांक 18.07.2014 द्वारा घोषित किया गया कि निम्नलिखित अनुसूची में उल्लिखित भूमि को आरक्षित वन के रूप में गठित करने का विनिश्चित किया गया है।

अतः भारतीय वन अधिनियम–1927 की धारा–6 की आवश्यकता को पूरा करने के लिये यह घोषित किया जाता है कि नीचे लिखी भूमि के आरक्षित वन बन जाने से यह परिणाम होगा कि वनविभाग की आज्ञा या अनुमति बिना नीचे लिखे को इस क्षेत्र में नहीं किये जा सकते :–

1– किसी भूमि पर अधिकार करना
2– आग लगाना, ले जाना या जलाना।
3– पशुओं को उन पर छोड़ना या चराना।
4– वृक्ष पातन (काटना) वृक्षों के पत्ते काटना, वृक्षों का चिरान करना, जलाना आदि या उनकी छाल उतारना।
5– पत्थर खोदना, चूना या कोयला जलाना आदि
6– भूमि तोड़ना या सफाई करके खेती योग्य बनाना।
7– अवैध शिकार करना, मछली मारना, पानी में जहर डालना।
8– हाथी मारना या पकड़ना आदि।

इन कार्यों के करने वाले व्यक्ति को भारतीय वन अधिनियम–1927 की धारा–28 (1) (ए) (जे) के अधीन दण्डित किया जा सकता है।

सर्व साधारण को यह भी सूचना दी जाती है कि जो व्यक्ति भारतीय वन अधिनियम–1927 की धारा–8 और 5 में वर्णित किसी अधिकार पर अपना दावा समझता है तो वन बन्दोबस्त अधिकारी कानपुर जिला कानपुर के सामने इस विज्ञप्ति की तारीख से 03 माह के अन्दर उपस्थित हो और अपना दावा प्रस्तुत करें या अपना दावा लिखित रूप में भेजें।

अनुसूची

क्र0 सं0	जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा संख्या	क्षेत्रफल (है0 में)	सीमा विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8
				ब्लाक–1			
1	कानपुर नगर	बिल्हौर	बिल्हौर	बेड़ी अलीपुर	879	0.1430	उत्तर–गा0सं0 878, 880, 881 दक्षिण– गा0सं0 917 भाग, पूरब– गा0सं0 914, 913 पश्चिम– ग्राम ईसेपुर की सीमा।
					915	0.9420	
					917 ख	1.0040	
					योग	2.089	
				ब्लाक–2			
1	कानपुर नगर	बिल्हौर	बिल्हौर	बेड़ी अलीपुर	928	2.6430.	उत्तर–गा0सं0 927, 926, 925 दक्षिण– ग्राम औरोताहरपुर की सीमा पूरब– नाली पश्चिम – ग्राम ईसेपुर और गाटा संख्या 97, 937 भाग, 936, 935 की सीमा।
					929	5.5000	
					937 ख	1.5360	
					938	2,8070	
					939 ख	1.0850	
					940	0.1330	
					941	0.2870	
					943 ख	0.4810	
					945 ख	0.1020	
					953 ख	0.0410	
					954	0.0720	
					955 क	1.2290	
					952 ख	0.3690	
					958 ग	0.8600	
					961 ड़	1.2400	
					योग	18.3850	
				ब्लाक–3			
					947 ख	0.2560	उत्तर–गा0सं0 947 भाग दक्षिण–गा0सं0 948, 943 पूरब– गा0सं0 948, 949 पश्चिम– गा0सं0 951, 946
					योग	0.2560	
				ब्लाक–4			
					956 ख	2,1000	उत्तर–गा0सं0 958 ख भाग, 893, 894, दक्षिण– गा0सं0 958 , पूरब– नाली पश्चिम – ग्रा0 सं0. 950, 949
					957 ख	0.6350	
					योग	2,7350	
				ब्लाक–5			
					897	0.2660	उत्तर–गा0सं0 947 भाग दक्षिण–गा0सं0 946, 943 पूरब– गा0सं0 948, 949 पश्चिम– गा0 सं0 951, 946
					899	0.0200	
					900	0.3280	
					904. ख	0.2250	
					893 ख	0.8500	
					892	1.2600	
					891 ग	0.7480	
					योग	3.6970	
				ब्लाक–6			
					1029 ख	1.2190	उत्तर–गा0सं0 989 भाग, 990 दक्षिण– गा0सं0 1029 भाग पूरब– गा0सं0 1027, 1028 भाग पश्चिम – ताली
					1028 च	2.0950	
					991	0.3480	
					989 ख	0.0920	
					योग	3.7540	
				ब्लाक–7			
1	कानपुर नगर	बिल्हौर	बिल्हौर	बेड़ी अलीपुर	988 ख	1.8640	उत्तर–गा0सं0 968, 967, 987, 978, 979, 1000 साग गा0सं0 992 भाग, 966 भारी, 1024, 1007, 1005 पूरब– गा0सं0 1000 भाग, 1067, 1069 पश्चिम गा0 सं0 989 भाग, 968, 967, नाली
					992 ख	2.1100	
					992 क	0,0100	
					993	1.7.930	
					994	1.2700	
					995	0.4710	
					997 ख	0.3480	
					997 ग	0.0310	
					982	0.3890	
					985	0.7380	
					975 च	1.6800	
					987 ख	1.8440	
					981 ग	1.7620	
					999	0.1330	
					1000 च	2.5670	
					1001	0.0200	
					1002	0.0310	
					1004 ख	0.2360	
					योग	17.2970	
				ब्लाक–8			
					1032 क	0.6150	उत्तर–गा0सं0 1031 भाग, 1022, 1050 1053 1046 दक्षिण – गा0सं0 1031 भाग, 1049 भाग, सीमा औरोताहरपुर पूरब–गा0सं0 1084, पश्चिम गा0 सं0 1030, 1031 भाग
					1032 ख	0.1330	
					1033	0.0610	
					1031 ख	1.8130	
					1047	0.7890	
					1048 ग	0.1230	
					1049 ड	3,3800	
					1049 क	0.1130	
					योग	7.0270	
				ब्लाक–9			
					1078	1.5470	उत्तर – गा0सं0 1075, 1077, 1063 दक्षिण – गा0सं0 1082 भाग, 1081 पूरब – गा0सं0 1110 भाग: 1109–क भाग पश्चिम – गा0 सं0 1063, 1060, 1055, 1077, 1054
					1079	1.7620	
					1080	0.2870	
					1059	07170	
					1056	0,5430	
					1082 ख	1.8240	
					1110 ग	0.4400	
					1110 ख	0.6970	
					1109 क	0.0310	
					1109 ख	0.8710	
					योग	8.7190	
				ब्लाक–10			
1	कानपुर नगर	बिल्हौर	बिल्हौर	बेड़ी अलीपुर	1084 ख	1.8950	उत्तर–मा0सं0 1083, 1082, 1090 भाग दक्षिण– भा0सं0 1085 भाग, 1087 भाग, 1084 भाग पूरब– गा0सं0 1198, 1194, 1195 पश्चिम – गा0 सं0 1049
					1085 क	4.7940	
					1090 ख	0.4300	
					1088	0.1130	
					1087 ख	0,2870	
					1090 ग	0.4300	
					योग	7.9490	
				ब्लाक–11			
					1243 ग	1.6570	उत्तर–गा0सं0 1247, 1276, दक्षिण– गा0सं0 1279 भाग और ग्राम गढ़नपुर चौरासा कीं सीमा, पूरब– गा0सं0 1291, 1290, 1281, पश्चिम गा0 सं0 1243 भाग।
					1279 ख	0,4200	
					योग	1.9770	
				ब्लाक–12			
					1288	0.1740	उत्तर–गा0सं0 1186, 1304, 1306 भाग, 1308, 1310, 1346, 1345 दक्षिण– सीमा ग्रास गदनपुर चौरासा पूरब– गा0सं0 1348, 1431 पश्चिम– गा0 सं0 1287, 1283
					1284	0,3480	
					1285 ग	0.1130	
					1286	0.5840	
					1306 ख	0.5120	
					1287	0.2660	
					1307	0.2360	
					1347	2.6430	
					योग	4.8760	
				ब्लाक–13			
					1349	0.0610.	उत्तर–गा0सं0 1430, दक्षिण– गा0सं0 1431 भाग, पूरब– गा0सं0 1432, 1431 भाग, पश्चिम गा0 सं0 1448, 1431 भाग
					1431 ख	1.1780	
					योग	1.2390	
				ब्लाक–14			
					1433	0.3070	उत्तर–गा0सं0 1422, 1423, 1436, दक्षिण– गा0सं0 1432, 1430, पूरब– गा0स0 1438, 1435 भाग पश्चिम गा0 सं0 1428, 1429
					1435	0.3690	
					1434	0.0410	
					योग	0.7170	
				ब्लाक–15			
					1384	0.8300	उत्तर–गा0सं0 1158, 1390 भाग, दक्षिण– गा0सं0 1330, 1383, 1386, 1993, 1391, पूरब– नाली, पा0सं0 1391, पश्चिम– गा0 सं0 1219, 1220, 1222, 1223
					1387	0.6450	
					1388	0.2970	
					1390 ख	0.1840	
					योग	1.9560	
				ब्लाक–16			
1	कानपुर नगर	बिल्हौर	बिल्हौर	बेड़ी अलीपुर	1448 ग	0.0610	उत्तर–गा0सं0 1448 का भाग, दक्षिण– गा0सं0 1449, पूरब – गा0सं0 1447, पश्चिम – नाली
					योग	0.0610	
				ब्लाक–17			
					1469 ख	2.1000	उत्तर–बम्बा, दक्षिण– गा0सं0 1470, 1468, पूरब– गा0सं0 1494, पश्चिम ग्रा0 सं0 1454, 1469 भाग
					योग	2.1000	
				ब्लाक–18			
					1501 ख	1.1260	उत्तर–बम्बा, दक्षिण– गा0सं0 1501 भाग, पूरब– मा0सं0 1528, 1527, पश्चिम गा0 सं0 1500, 1499
					योग	1.1260	
				ब्लाक–19			
					1479	0.3790	उत्तर – गा0सं0 1501, 1502, 1506 भाग, 1485, 1478 दक्षिण– ग्राम गदनपुर चौरसा की सीमा पूरब– गा0सं0 1,537, 1515 पश्चिम– गा0 सं0 1480, 1481, नाली
					1482	0.2970	
					1483	1.4650	
					1484	1.1470	
					1507	1.3110	
					1510 ख	0.5020	
					1506 क	0.0100	
					1506 ख	0.2970	
					1520	0.3790	
					1515	0.1130	
					1513	0.2970	
					1517 ख	0.3280	
					योग	6.5250	
				ब्लाक–20			
					1567	0.8300	उत्तर– गा0सं0 1563, 1564, 1562, 1563, दक्षिण– ग्राम गदनपुर चौरसा की सीमा, पूरब– नाली, पश्चिम ग्रा0 सं0 1540, 1540, 1545
					1565	0,1950	
					1552	0.62500	
					1550	0.4710	
					1548	0.1840	
					1546 ख	0.4710	
					योग	2.7760	
				ब्लाक–21			
1	कानपुर नगर	बिल्हौर	बिल्हौर	बेड़ी अलीपुर	1880 ख	2.0590	उत्तर– गा0सं0 1870, 1872, 1873, 1874 दक्षिण– गा0सं0 1880 भाग, पूरब– ग्राम जुडवा जमौली की सीमा पश्चिम– गा0 सं0 1875, नाली
					1878	0.1540	
					1876	0.2250	
					1871	0.1020	
					योग	2.6400	
				ब्लाक–22			
1	कानपुर नगर	बिल्हौर	बिल्हौर	बेड़ी अलीपुर	1869 ख	1.3520	उत्तर– गा0सं0 1842, 1841, दक्षिण– गा0सं0 1869 ख का भाग, पूरब– ग्राम बुडवा जमौली की सीमा, पश्चिम गा0 सं0 1887
					योग	1.3520	
				ब्लाक–23			
					1866	0.2560	उत्तर– गा0सं0 1865, दक्षिण– गा0सं0 1858, पूरब– गा0सं0 1867, पश्चिम – गा0 सं0, 1865
					योग	0.2560	
				ब्लाक–24			
					1789	0.8190	उत्तर– गा0सं0 1800,1799, 1850, 1803, 1802 दक्षिण– गा0सं0 1792, 1793, नाली, 1859, 1874 पूरब– गा0सं0 1865, 1866, 1861, 1862 पश्चिम – गा0सं0 1797, 1778, 1781
					1798	0.6970	
					1794	0.2360	
					1796	0.0920	
					1858	0.9730	
					1860	0.5020.	
					1852	0,3690	
					1854	0.3790	
					1856	0,8600	
					1851	0.0610	
					1855	0.1950	
					1864	0.4200	
					योग	5.6030	
				ब्लाक–25			
					1846	0.2360	उत्तर– गा0सं0 1825, 1827. 1828, 1829, दक्षिण– गा0सं0 1850, 1845, पूरब– गा0सं0 1823, 1838, पश्चिम – गा0 सं0 1848
					1822	0.5430	
					1824	0.1430	
					1847	0.0410	
					योग	0.9630	
				ब्लाक–26			
					1838 ग	2,2540	उत्तर– गा0सं0 1835, 1837 दक्षिण– गा0सं0 1841 पूरब– ग्राम डुडवा जमौली की सीमा, पश्चिम – ग्रा0 सं0 1898
					1836	0,2050	
					1840 ख	0.0720	
					1840 ख	0.0820	
					योग	2.6130	
				ब्लाक–27			
1	कानपुर नगर	बिल्हौर	बिल्हौर	बेड़ी अलीपुर	1833	1.0750	उत्तर– नाली, दक्षिण– गा0सं0 1834, 1836, 1831 भाग, पूरयं ग्राम डुडवा जमौली की सीमा, पश्चिम – गा0 सं0 1830
					1831 क	0,5220	
					योग	1.5970	
				ब्लाक–28			
					1750	0.4710	उत्तर– गा0सं0 1750 भाग, 1748, 1896, दक्षिण– नाली, पूरब– ग्राम डुडवा जमौली की सीमा, पश्चिम् 1751 भाग, 1754, 1753
					1750 ख	0,8090	
					1752	0.3690	
					1751 ख	0.3590	
					योग	2.0080	
				ब्लाक–29			
					1755	0.7580	उत्तर– गा0सं0 1695, 1694, दक्षिण– गा0सं0 1762, पूरब– गा0सं0 1754, पश्चिम गा0 सं0 17. 56, 1757, 1758
					योग	0.7580	
				ब्लाक–30			
					1726	0.5630	उत्तर– गा0सं0 1723, 1725 दक्षिण– गा0सं0 1737 भाग पूरब– ग्राम डुडवा जमौली की सीमा, पश्चिम– गा0 सं0 1725, 1728, 1729, 1733, 1735, 1744
					1727	1.6.180	
					1736 ख	0.1330	
					1737 ख	0.0200	
					1738 ख	0.6350	
					योग	2.9690	
				ब्लाक–31			
					283	0.4610	उत्तर– ग्राम कमसान की सीमा दक्षिण– गा0सं0 297 भाग, 296, 284, 282 भाग, 284 पूरब– गा0सं0 285 पश्चिम् – ग्रा0 सं0 271, 270
					282 ख	0.6660	
					275	0.0720	
					274	0.0200	
					276	0.0720	
					277	0.2150	
					272	0.2870	
					279	0.3280	
					297 ख	0.4300	
					योग	2.5510	
				ब्लाक–32			
1	कानपुर नगर	बिल्हौर	बिल्हौर	बेड़ी अलीपुर	286	0.0820	उत्तर– ग्राम औरंगपुर सामी व ग्राम कमसान की सीमा दक्षिण– गा0सं0 608, 598, 583, 687, 585 पूरब– गा0सं0 608, 602, 600 पश्चिम– गा0 सं0 285, 287
					580	0.7680	
					581	1.3620	
					582	1.3620	
					808	0.2360	
					607	0.4000	
					604	0.2460	
					584	0.1020	
					586	0.1030	
					599	0.4610	
					योग	5.1220	
				ब्लाक–33			
					611	0.2250	उत्तर– गा0सं0 609, 610, ग्राम औरंगपुर सामी की सीमा दक्षिण– गा0सं0 613. भाग, 594. पूरब– गा0सं0 631, 616 पश्चिम – गा0सं0 600, 696
					613 ख	0.5630	
					595	0.2970	
					612	0.0510	
					614	0.0200	
					615	0.4300	
					योग	1.5860	
				ब्लाक–34			
					618	0.6860	उत्तर–ग्राम औरंगपुर सानी की सीमा, दक्षिण– गा0सं0 627, पूरब– गा0सं0 620, 621, पश्चिम गा0 सं0 617, 628
					योग	0.6860	
				ब्लाक–35			
					854	0.9420	उत्तर– गा0सं0 854, दक्षिण– गा0सं0 867, 865 पूरब– ग्राम औरंगपुर सामी की सीमा पश्चिम– गा0 सं0 824, 830, 832
					855	1.7410	
					871	1.0550	
					857	0.5330	
					858	0.1950	
					योग	4.4660	
					कुल योग	130.3310	

ग्राम– बछना

क्र0 सं0	जिला	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा संख्या	क्षेत्रफल (है0 में)	सीमा विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8
				ब्लाक–1			
2	कानपुर नगर	बिल्हौर	बिल्हौर	बछना	130	30.8900	उत्तर– गा0सं0 84, 85, 96, 97, 98, 99. 105 व ग्राम उत्तमपुर की सीमा, दक्षिण– गा0सं0 119, 114, 116, 242, पूरब– ग्रास दारा सिंको की सीमा, पश्चिम– गा0स0 64, 62, 131, 134, 136, 137, 126
					योग	30.8900	
				ब्लाक–2			
2	कानपुर नगर	बिल्हौर	बिल्हौर	बछना	1143	11.2680	उत्तर– सागों ग्राम उत्तमपुर, दक्षिण– गा0सं0 1182, 1180, 1179, 1177, 1155, 1463, पूरब– गा0सं0 1129, 1130, 1139, 1140, 1142, 1083, पश्चिम – गा0सं0 1198, 1199, 1196 व सीमा ग्राम उत्तमपुर।
					योग	11.2680	
				ब्लाक–3			
					1247	4.8020	उत्तर– गा0सं0 1174, 1175, 1173 1178, दक्षिण– गा0सं01289, 1194, 1295, 1296, पूरब– गा0सं0 1172, 1171, 1177, 1238, पश्चिम – गा0सं0 1248, 1249, 1250, 1286, 1313, 1314
					योग	4.8020	
				ब्लाक–4			
					1471	12.4760	उत्तर– नाली, दक्षिण– गा0सं0 1437, 1467, 1469, 1470, पूरब– गा0सं0 938, 937, 935, 1432, 1434, 1436, पश्चिम – गा0सं0 1475, 1474, 1473, 1472, 1469 व सीमा ग्राम उठा
					योग	12.4760	
					कुल योग	59.4360	
					महायोग	189.7670	

वन बन्दोबस्त अधिकारी/
अपर जिला मजिस्ट्रेट (सप्तम) कानपुर

न्यूज ब्रीफ

प्रदर्शनी कैंप में मंगल मिलन सत्संग आज

इटावा। प्रदर्शनी कैंप में मंगल मिलन सत्संग का आयोजन 23 दिसंबर को पूर्वान्ह 11 बजे स्वामी वासुदेव मुनि के सानिध्य में होगा। संयोजक अशोक पांडेय एवं देवेश शास्त्री ने बताया कि मंगल मिलन के संस्थापक सदस्य सिद्धनाथ पांडेय के अथक प्रयास से लगभग अर्धशताब्दी मंगल मिलन सत्संग वर्ष में एक बार प्रदर्शनी में आयोजित किया जा रहा है। मंगल मिलन सत्संग की अध्यक्षता शिक्षा विद डॉ. विद्याकांत तिवारी करेंगे।

अधिवक्ता कल्याण निधि का गठन

इटावा। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन ने अधिवक्ता कल्याण निधि के संचालन के लिए रमाशंकर चौधरी, विशन चंद्र अग्रवाल, कुंवर पाल तिवारी, प्रकाश चंद्र श्रीवास्तव, गंगाराम शाक्य, उदयवीर सिंह, दयाशंकर शुक्ला, मुकेश कुमार मिश्रा, उत्तम कुमार दुबे, अवधेश कुमार तिवारी, अरविंद सिंह यादव और इम्तियाज अहमद को समिति का सदस्य मनोनीत किया है। बार के अध्यक्ष राजेश कुमार त्रिपाठी, महामंत्री नितिन तिवारी एवं कोषाध्यक्ष प्रभाकर त्रिपाठी, मीडिया प्रभारी अमित तिवारी ने बधाई दी है।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार घायल

भरथना। चौबिया थाना क्षेत्र के गुवरिया चौपला निवासी सुनील कुमार (40) पुत्र लाखन सिंह बाइक पर भरथना से गांव जा रहा था, तभी संस्कृत पाठशाला के सामने से तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उसे टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सीओ रामबदन मौर्य व प्रभारी निरीक्षक विक्रम सिंह मौके पर पहुंचे और घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। प्राथमिक उपचार के बाद पीजीआई मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। चालक ट्रैक्टर छोड़कर मौके से भाग निकला।

बीईओ ने प्रियांजलि को किया सम्मानित

महेवा। बकेवर बीआरसी में राष्ट्रीय आविष्कार परीक्षा हुई, जिसमें ब्लाक के 80 उच्च प्राथमिक विद्यालयों से करीब 240 बच्चों ने प्रतिभाग किया। प्राथमिक विद्यालय उझियानी की छात्रा प्रियांजलि ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कंपोजिट विद्यालय बहेड़ा, आनेपुर, राहतपुर से एक-एक छात्र चयनित हुआ। छात्राओं को महेवा बीईओ उदय सिंह राज ने बधाई दी। प्रियांजलि को सम्मानित किया। स्कूलों का निरीक्षण भी किया। इस दौरान प्रधानाध्यापक नरेंद्र यादव, बालकृष्ण, मनोज कुमार, निधि गुप्ता, कीर्ति यादव, गौरव तिवारी, सुरेश कुमार आदि शिक्षक मौजूद रहे।

कोहरे-शीतलहर के बीच स्कूल पहुंचे नौनिहाल

कार्यालय संवाददाता, इटावा

अमृत विचार। पिछले सप्ताह की तरह सोमवार को भी कड़ाके की सर्दी रही। सुबह घना कोहरा छाया रहा। दोपहर तक सूर्यदेव के दर्शन नहीं हुए। दोपहर बाद हल्की धूप निकली, लेकिन शीतलहर चलती रही, जिसके कारण सर्दी से राहत नहीं मिल सकी। कोहरे और शीतलहर के बीच बच्चे स्कूल पहुंचे।

शाम होते ही एक बार फिर सर्दी के तेवर तीखे हो गए। कोहरे के सुबह के समय वाहनों को लाइट जलाकर चलना पड़ा। दिन के समय भी कई स्थानों पर लोग आग जलाकर बैठे रहे। बेसिक शिक्षा विभाग के स्कूलों में भी कई स्थानों पर आग जलाकर शिक्षक और बच्चे बैठे रहे, ताकि सर्दी से बचे रह सके। सोमवार को न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री रहा। कई दिनों सर्दी का यही सितम जारी है और धूप भी नहीं निकल रही है। रविवार को पूरे दिन धूप नहीं निकली थी।

कोहरे व गलन भरी सर्दी में स्कूल जाता छात्र। अमृत विचार

- कोहरे से आवागमन पर असर लोग घरों में दुबकने को मजबूर

सोमवार को धूप तो निकली, लेकिन दोपहर बाद निकली। इस धूप में इतनी दम नहीं थी कि सर्दी से राहत दिला सके। सोमवार की सुबह भी जब लोग सोकर जागे तो घना कोहरा छाया हुआ था और नजदीक का भी दिखाई नहीं दे रहा था। स्कूलों के खुलने का समय सुबह 10:00 बजे कर दिया गया है लेकिन 10:00 बजे स्कूल पहुंचने के लिए भी बच्चों को 9:00 बजे घर से निकालना पड़ता है। सुबह 9:00 बजे घने कोहरे और ठंडी हवाओं के बीच बच्चों को स्कूल जाना पड़ा।

सुबह 10 बजे कार्यालय जाने के लिए भी जो कर्मचारी घर से निकले उन्हें भी कोहरे के बीच ही जाना पड़ा। सरकारी कार्यालयों के कामकाज पर भी सर्दी का असर पड़ा। ज्यादातर स्थानों पर हीटर जलते दिखे, ताकि कमरे को गर्म रखा जा सके। कचहरी में भी फरियादियों की संख्या आम दिनों की तुलना में कम रही। जो लोग कचहरी आए भी वे अपना काम निपटाने के बाद वापस चले गए ताकि समय से घर पहुंच सके। दोपहर 2 बजे के बाद ही धूप ने दर्शन दिए लेकिन उससे भी सर्दी से राहत नहीं मिल सकी।

कड़ाके की सर्दी, मगर नहीं जल रहे अलाव

- इटावा। इन दिनों कड़ाके की सर्दी पड़ रही है, लेकिन अभी तक अलाव नहीं जलाए गए है। इसके कारण राहगीरों को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ा। गरीब भी सर्दी के कारण परेशान है क्योंकि कपड़े कम हैं, ऐसे में अलाव के पास बैठकर रात गुजार लेते हैं, लेकिन इन दिनों कहीं भी अलाव नहीं जल रहे हैं। आम तौर पर सर्दी के मौसम में सार्वजनिक स्थानों और प्रमुख चौराहों पर रात होते ही अलाव जला दिए जाते हैं। इसके कारण आसपास के दुकानदारों और रहागीरों को सुविधा हो जाती है। अलाव के पास बैठकर सर्दी से बचा जा सकता है। रात के समय आवागमन करने वाले भी अलाव के पास बैठ जाते है लेकिन इस साल सर्दी अपने पूरे सितम ढा रही है और दिसंबर का महीना भी बीतने को है। अभी तक कहीं अलाव नहीं जले। सर्दी में अलाव ना जलना बड़ी परेशानी का कारण बन गया है।

कोहरे में मारी टक्कर बाइक सवार की मौत

संवाददाता, जसवंत नगर

अमृत विचार। क्षेत्र में घने कोहरे के कारण सड़क हादसे लगातार बढ़ते जा रहे हैं। रविवार शाम एक सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया।

धरबार गांव निवासी 45 वर्षीय यादराम पुत्र बीरबल अपने पड़ोसी सुमित कुमार पुत्र जगराम उम्र 25 वर्ष के साथ मोटरसाइकिल से महेवा क्षेत्र में रिश्तेदारी में आयोजित तेरहवीं कार्यक्रम में शामिल होकर वापस घर लौट रहे थे। शाम करीब छह बजे जैसे ही उनकी बाइक जमुना बाग के पास पहुंची, पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे एक अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइक सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल जसवंतनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक होने पर दोनों को सैफई मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान यादराम की मौत हो गई, जबकि सुमित कुमार को कूल्हे और दाहिने पैर के घुटने में गंभीर चोटें आई हैं। परिजन उसे बेहतर इलाज के लिए अपने साथ ले गए हैं। यादराम अपने पीछे पत्नी सीमा (41), तीन पुत्र शिवराज (16), अंकित (10), अर्पित (7) और तीन पुत्रियां शिवानी (22), रिवानी (18) व मोहिनी (14) को छोड़ गए हैं।

- रिश्तेदार की तेरहवीं से लौट रहे थे युवक, साथी गंभीर घायल

सामान लेने गए युवक का पानी भरे गड्ढे में मिला शव

भतीजी की शादी का सामान लेने के लिए बाजार गया था रमायन गांव का युवक

संवाददाता, भरथना (इटावा)

अमृत विचार। थाना क्षेत्र के भरथना-ऊसराहार मार्ग पर भोली चौराहे के पास सोमवार की सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब सड़क किनारे पानी भरे गड्ढे में एक युवक का शव पड़ा मिला। शव देखते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसकी शिनाख्त कराने का प्रयास किया। उसकी शिनाख्त रमायन गांव निवासी रजनेश (27) के रूप में हुई। पुलिस ने छानबीन के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बताते हैं कि रमायन गांव के रहने वाले मानसिंह का पुत्र रजनेश रविवार की शाम बाइक से शादी का सामान लेने के लिए निकला था। उसके बड़े भाई जितेंद्र की बेटी गौरी की शादी 23 दिसंबर को औरैया जनपद में होनी है। बाजार से देर रात तक जब वह वापस घर नहीं लौटा तो परिजनों को चिंता हुई। परिवार के लोगों ने उसकी देर रात तक खोजबीन की, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चल सका। सोमवार की सुबह उसका शव भोली चौराहे के पास पानी से भरे गड्ढे में पड़ा मिला।

चाचा रामकिशोर के अनुसार रजनेश रविवार की देर शाम बाइक से बाजार जाने की बात कहकर घर से निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। परिजनों ने उसकी तलाश की, मगर कहीं पता नहीं चला। सोमवार की सुबह भोली चौराहे के पास पानी भरे गड्ढे में उसका शव मिलने की सूचना मिली। खबर मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और शिनाख्त होने के साथ ही चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलने पर सीओ रामबदन मौर्य, प्रभारी निरीक्षक विक्रम सिंह फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे।

- घर नहीं लौटने पर देर रात तक खोजबीन करते रहे परिवार वाले
- भोली चौराहे के पास शव मिलने के बाद परिवार ने की शिनाख्त

घटनास्थल पर मौजूद पुलिस और परिवार के लोग। अमृत विचार

शादी की खुशियां गम में बदलीं, फेरे आज

- रजनेश के परिवार में इन दिनों शादी की तैयारियां चल रही थीं, लेकिन इस घटना ने सारी खुशियों को मातम में बदल दिया। घर में करीबी-नाते रिश्तेदार भी पहुंच गए हैं। लोग परिवार वालों को ढांढस बंधाने का प्रयास कर रहे हैं। बताते हैं कि अब सादगी भरे माहौल में मंगलवार को शादी की रस्में पूरी की जाएंगी।

जेब में शराब के दो पौवा मिले, जांच शुरू

- पुलिस के अनुसार रजनेश की जेब से देशी शराब के दो क्वार्टर मिले हैं, जिससे आशंका है कि नशे में वह पानी के गड्ढे में गिर गया। परिजनों ने किसी प्रकार की रंजिश या झगड़े से इनकार किया है। भरथना सीओ रामबदन मौर्य का कहना है कि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

डीएम से गुहार लगाने कलेक्ट्रेट पहुंचे स्कूल के बच्चे। अमृत विचार

बच्चों ने स्कूल जाने को डीएम से मांगा रास्ता

संवाददाता, इटावा

अमृत विचार। कई बार शिकायत करने और विभागीय नोटिस मिलने के बाद भी स्कूल जाने वाले रास्ते से कब्जा नहीं हटने से परेशान बच्चों ने जिलाधिकारी के कार्यालय पहुंचकर दिक्कत बताई और गुहार लगाई।

फ्रेंड्स कॉलोनी स्थित सेंट मीरा कांवेंट जूनियर हाई स्कूल के बच्चों ने बताया आवागमन के लिए 25 फीट चौड़े रास्ते पर दबंगों ने बाउंड्रीवाल बनाकर जबरन कब्जा कर लिया है, जिससे स्कूल वैन अन्य वाहन स्कूल गेट तक नहीं पहुंच पा रहे हैं, जिसके कारण दो सौ फीट दूर से बच्चों को पैदल आना पड़ता है। दबंगों ने रास्ते में लोहे के खूंटे भी गाड़ दिए हैं, जिनमें पशु बांधते हैं। उनसे भी बच्चों को सुरक्षित निकलने में बहुत परेशानी होती है। स्कूल की प्रबंधक नेहा अग्निहोत्री और शिक्षक शिक्षिकाओं तथा स्कूली बच्चों द्वारा जिलाधिकारी के अलावा सम्पूर्ण समाधान दिवस में भी कई बार शिकायत दी गई, जिसमें सिटी मजिस्ट्रेट, नगर पालिका और थाना फ्रेंड्स कॉलोनी के द्वारा संबंधित दबंगों को अवैध कब्जा हटाने के नोटिस भी दिए गए लेकिन उन्होंने अभी तक कब्जा नहीं हटाया है। समस्या के समाधान के लिए कोई सुनवाई न होने से दुखी स्कूली बच्चों ने सोमवार को अपने शिक्षक शिक्षिकाओं के साथ जिलाधिकारी कार्यालय आकर अपने हाथ में सार्वजनिक रास्ता से अवैध कब्जा हटाओ, लिखी पट्टिकाएं लेकर जिलाधिकारी से समाधान की गुहार लगाई।

भाजपा नेता के पुत्र पर हमला

इटावा। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष अजय धाकरे के पुत्र पर रविवार की शाम यमुना पुल के पास उस समय हमला हुआ, जब वह साथी के साथ कार पर उदी से इटावा लौट रहे थे। बाइक सवार लोगों ने ओवर टेक कर कार को रोक लिया और फायरिंग की। फायरिंग में कार डिवाइडर से टकरा गई। धमकी देते हुए फरार हो गए। दो नामजद व अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है।

भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष अजय धाकरे ने आरोप लगाया कि उनका पुत्र शिवम प्रतापसिंह अपने साथी आलोक शाक्य के साथ किसी काम से उदी गए थे। रविवार की शाम को वह वापस लौट रहे थे तभी यमुना पुल के पास बाइक सवार तीन लोगों ने ओवर टेक कर उनकी कार को रोक लिया और उसके ऊपर फायर किया। गोली उनकी कार के शीशे को तोडते हुए निकल गई जिसमें वह बाल बाल बच गया। बाद में उनकी कार डिवाइडर से टकरा गई। हमलावरों ने धमकी दी है कि यदि उसने उनके खिलाफ दर्ज कराई रिपोर्ट को वापस नही लिया तो उसने जान से मार देगें। तहरीर के आधार पर पुलिस ने कौशलेंद्र सिंह, इंद्रवीर सिंह व अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्रवासी पक्षियों की दी गई जानकारी

संवाददाता, इटावा

अमृत विचार। सोसाइटी फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर के तत्वावधान में चंबल वाइल्डरनेस कैंप बराखेड़ा एवं उसके आसपास यमुना नदी के किनारे पर नेचर वॉक का आयोजन किया गया। नेचर वॉक का नेतृत्व लायन सफारी के बॉयोलॉजिस्ट डॉ. बीएन सिंह, डॉ देवेंद्र दुबे, डॉ कमल कुमार एवं रश्मि पुरवार ने किया।

स्कॉन महासचिव डॉ. राजीव चौहान ने यमुना नदी में आने वाले प्रवासी पक्षियों ग्रे लेग गीज, बार हेडेड गीज, ग्रीनशैंक, रेडशैंक, ब्राह्मणी डक एवं कार्मोरेंट के बारे में विस्तार से बताया। घने कोहरे के बीच चहकती चिडियों ने वातावरण को अत्यंत मनमोहक बना रखा था। झाड़ियों की कुछ महत्वपूर्ण पक्षी पर्पल सनबर्ड, प्रीनिया, सिल्वरबिल बुलबुल भी इस क्षेत्र में देखने को मिली। अटल भूजल योजना हरियाणा के कंसल्टेंट संजय चौहान ने बताया कि इस तरह की नेचर वॉक से हम आम जनों को वनों के संरक्षण के प्रति जागरूक कर सकते हैं जहां वन अधिक होते हैं वहां वर्षा से ज्यादा जल प्राप्त होता है और वही हमारे भूजल का पुनर्भरण करता है। डॉ. मंजुल चतुर्वेदी ने बताया कि आज के नेचर वॉक में 47 पेड़ पौधों की प्रजाति एवं 21 चिड़ियों की प्रजाति देखने को मिली। यहां शैलेंद्र, दीक्षा, निशा एवं अर्जुन चौहान का उल्लेखनीय योगदान रहा।

लोगों को प्रवासी पक्षियों के बारे में जानकारी देते डॉ. देवेंद्र दुबे। अमृत विचार

राजीव अध्यक्ष, महिपाल महामंत्री सिंह निर्वाचित

संवाददाता, इटावा

- कड़ी सुरक्षा के बीच हुआ राज्य सफाई कर्मचारी संघ का चुनाव

अमृत विचार। विकास भवन सभागार में उत्तर प्रदेश राज्य सफाई कर्मचारी संघ का वार्षिक चुनाव पुलिस सुरक्षा के बीच संपन्न हुआ। अध्यक्ष सहित पांच पदों के लिए हुए इस चुनाव में जिले के विभिन्न ब्लॉकों में तैनात राज्य सफाई कर्मचारियों ने बढ़ चढ़कर मतदान किया। सुबह शुरू हुई मतदान प्रक्रिया देर रात पूरी हुई और परिणाम घोषित किए गए।

अध्यक्ष, महामंत्री, कोषाध्यक्ष, संगठन मंत्री और संप्रेक्षक के पद पर चुनाव हुआ। 692 कर्मचारियों में से कुल 635 कर्मचारियों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। अध्यक्ष पद पर राजीव कुमार ने 251 मत प्राप्त कर जीत दर्ज की। जिला महामंत्री पद पर महिपाल सिंह को 244 मत मिले और उन्हें विजयी घोषित किया गया। कोषाध्यक्ष पद पर मनोज कुमार ने 225 मत प्राप्त किए। संप्रेक्षक पद पर बौद्ध आनंद को 224 मत मिले, जबकि संगठन मंत्री पद पर प्रहलाद कुमार को 233 मत प्राप्त हुए। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद विजयी प्रत्याशियों और समर्थकों में खुशी का माहौल देखा गया।

श्यामल समिति ने बांटे कंबल

संवाददाता, इटावा

अमृत विचार। बढ़ती ठंड और शीतलहर के प्रकोप को देखते हुए श्यामल सेवा समिति ने मानवीय संवेदनाओं का परिचय देते हुए गरीब और निराश्रित लोगों की मदद का बीड़ा उठाया।

समिति ने पचावली चौराहे के पास फुटपाथ पर रात गुजारने वालों को कंबल वितरित किए। कम्बल पाकर गरीबों के चेहरे खिल उठे। सदस्यों ने बताया कि कड़ाके की ठंड में जो लोग बिना गर्म कपड़ों के जीवन यापन कर रहे हैं, उन्हें राहत पहुंचाना ही संस्था का मुख्य उद्देश्य है। यहां समिति की सदस्य स्नेहा पांडे, माला दुबे, नेहा, प्रेमलता, संध्या, अलका, प्रीति शर्मा, प्रतिभा और अंजू ने कंबल प्रदान किए।

जरूरतमंदों को कम्बल वितरित करतीं श्यामला पांडेय व अन्य। अमृत विचार

बकेवर में कंबल पाकर खिले चेहरे

- बकेवर। कड़ाके की शीतलहर, घने कोहरे और हाड़कंपाऊ सर्दी के बीच प्रदेश सरकार के निर्देश पर नगर पंचायत लखना में गरीब, बेसहारा व असहाय लोगों को राहत पहुंचाई गई। भरथना एसडीएम काव्या सी एवं नगर पंचायत चेयरमैन गणेश शंकर पोरवाल ने नगर पंचायत कार्यालय परिसर में 125 लाभार्थियों को कंबल वितरित किए। कंबल पाकर जरूरतमंदों के चेहरे खुशी से खिल उठे। इस अवसर पर लेखपाल राहुल चौबे की उपस्थिति में नगर के चयनित लाभार्थियों को सर्दी से बचाव हेतु कंबल प्रदान किए गए।

गेम्स टूर्नामेंट वॉलीबाल, खो-खो, कबड्डी और क्रिकेट के साथ दौड़, शतरंज, कैरम और टेबल टेनिस में दिखाई प्रतिभा

खेल से बढ़ता आत्म विश्वास और एकाग्रता में होता सुधार

कार्यालय संवाददाता, इटावा

अमृत विचार। कर्वाखेड़ा के ज्ञानस्थली विद्यालय में ज्ञानस्थली ग्रुप ऑफ स्कूल्स गेम्स टूर्नामेंट-2025 कटरा शमशेर खां, विजयनगर, भरथना, औरैया, बिधूना, दिबियापुर स्कूलों के प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया और स्पर्धाओं में पूरे जोश और उत्साह के साथ प्रदर्शन किया।

आउटडोर खेलों में वॉलीबाल, खो-खो, कबड्डी व क्रिकेट, एथलेटिक्स में शॉटपुट, डिस्कस थ्रो, ऊंची कूद, लंबी कूद, भाला फेंक, दौड़ व रिले रेस तथा इनडोर खेलों में शतरंज, कैरम तथा टेबल टेनिस के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को खोजा गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय समिति के अध्यक्ष शिवप्रसाद यादव ने फीता काटकर और मां सरस्वती के चरणों की वंदना कर किया। सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्यों ने अध्यक्ष का स्वागत फूल मालाएं पहनाकर किया। विद्यालय समिति के उपाध्यक्ष विनीत यादव ने संयुक्त रूप से रंग-बिरंगे गुब्बारों को आकाश में छोड़कर, सद्भाव, प्रेम का संदेश प्रेषित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। प्रतिभागियों ने मशाल लेकर मैदान पर भ्रमण किया। अध्यक्ष ने सभी खिलाड़ियों व उनके अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि आज इस विद्यालय प्रांगण में उपस्थित सभी बच्चों के विद्यालय भवन भले ही भिन्न-भिन्न हैं, लेकिन आप सभी ज्ञानस्थली परिवार के बच्चे हैं। आप सब मिलकर ही इस विद्यालय परिवार का सृजन करते हैं। खेलों का महत्व शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास के लिए है, क्योंकि वे शरीर को स्वस्थ रखते हैं। तनाव कम करते हैं। अनुशासन सिखाते हैं और टीम भावना व नेतृत्व क्षमता विकसित करते हैं। खेल से आत्मविश्वास बढ़ता है और एकाग्रता में सुधार होता है, जिससे समग्र व्यक्तित्व का विकास होता है। प्रधानाचार्य अंशुल तिवारी, विद्यालय प्रबंधन प्रमुख शिवमंगल, नीरज त्रिपाठी, ज्ञानस्थली ग्रुप ऑफ स्कूल्स के स्पोर्ट डायरेक्टर वासिफ खान की मुख्य भूमिका रही। कार्यक्रम आयोजित सभी खेलों में विजयी प्रथम तीन प्रतिभागियों को शील्ड, मेडल व प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत कर उत्साहवर्धन किया गया तथा भविष्य में और बेहतर करने के लिए हौसला बढ़ाया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान, भारत माता की जय के जयकारों की गूंज के साथ किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते चेयरमैन शिवप्रसाद यादव। अमृत विचार

कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे। अमृत विचार

मनरेगा का नाम बदलना गांधी का खुला अपमान

संवाददाता, इटावा

अमृत विचार। केंद्र सरकार के मनरेगा का नाम बदले जाने की फैसले से कांग्रेस आक्रोशित है और इसे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का अपमान बताया है। इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस ने सोमवार को कचहरी में प्रदर्शन किया और राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन भी सौंपा।

कांग्रेस की ओर से दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि वर्तमान सरकार स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का अपमान कर रही है। मनरेगा के संबंध में जो बिल लाया गया है उसमें राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का नाम हटाकर उनका अपमान किया गया है। इसके साथ ही किसान, मजदूर और दलितों के हाथों से रोजगार छीनने का काम केंद्र की सरकार कर रही है। मनरेगा के स्थान पर जो नया कानून लाया गया है, वह झूठ, फरेब और विसंगतियों का पुलिंदा है।

कांग्रेस ने राष्ट्रपति से मांग की है कि वह बिल को संस्तुति प्रदान न करें और नए बिल को लागू न करें। कचहरी में प्रदर्शन करने और ज्ञापन देने वालों में पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष अनिल यादव, जिलाध्यक्ष आशुतोष दीक्षित, पीसीसी सदस्य प्रशांत तिवारी, पूर्व जिलाध्यक्ष मलखान सिंह यादव, पूर्व शहर अध्यक्ष पल्लव दुबे, शहर अध्यक्ष मोहम्मद राशिद, करण सिंह राजपूत, आशाराम कठेरिया, विष्णु कांत मिश्रा, वाचस्पति द्विवेदी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी शामिल रहे।

- कांग्रेस ने प्रदर्शन कर राष्ट्रपति के नाम सम्बोधित ज्ञापन सौंपा

अमृत विचार

कानपुर, मंगलवार, 23 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

बाइक फिसलने से युवक घायल

फर्रुखाबाद। सड़क दुर्घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। कार को ओवरटेक करते समय उसकी बाइक अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। घायल युवक को डॉ. राम मनोहर लोहिया जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना विकासखंड बढ़पुर क्षेत्र के अहमदगंज गांव के पास हुई। अहमदगंज निवासी रिंकू पुत्र धर्मपाल बाइक से फर्रुखाबाद जा रहा था। गांव से निकलते ही उसने एक कार को ओवरटेक करने का प्रयास किया। ओवरटेक करते समय बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे खाई में जा गिरी। इस दुर्घटना में रिंकू को गंभीर चोटें आईं।

ट्रैक्टर-ट्रॉली गंगा नदी में डूबा मिला

फर्रुखाबाद। श्मशान घाट के पास एक ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर गंगा नदी में आधा डूब गया। स्थानीय लोगों की मदद से क्रेन की मदद से इसे बाहर निकाली गयी। यह घटना विकास खंड बढ़पुर क्षेत्र में थाना कादरी गेट के अंतर्गत हुई। ट्रैक्टर-ट्रॉली का आधा हिस्सा नदी में डूब गया, जबकि आधा बाहर दिख रहा था। पुलिस ने इसे बाहर निकलवाया, लेकिन अभीतक इसका मालिक सामने नहीं आया है।

गलन, शीतलहर में कोहरे का 'तड़का'

रेंग-रेंगकर चल रहे वाहन, समय से नहीं चल रहीं ट्रेनें, दिन में भी लोग अलाव तापते नजर आये

संवाददाता, अछल्दा (औरैया)

अमृत विचार। सोमवार सुबह घने कोहरे का व्यापक असर देखा गया। कोहरे के कारण ट्रेनों की रफ्तार धीमी रही और कई मेमू ट्रेनें अपने निर्धारित समय से घंटों देरी से अछल्दा स्टेशन पहुंचीं। इससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

रेलवे सूत्रों के अनुसार, फफूंद से आगरा जाने वाली मेमू ट्रेन संख्या 64627 अपने निर्धारित समय सुबह 4:19 बजे के बजाय लगभग 5:20 बजे अछल्दा स्टेशन पहुंची। यह ट्रेन करीब एक घंटे की देरी से चली, जिसे कोहरे के कारण कम गति से चलाया गया। वहीं, शिकोहाबाद से फफूंद जाने वाली एक अन्य मेमू ट्रेन का हाल ज्यादा खराब रहा। यह ट्रेन अपने निर्धारित समय 7:07 बजे के बजाय करीब साढ़े तीन घंटे की देरी से अछल्दा स्टेशन पहुंची। हालांकि, इटावा से कानपुर जाने वाली मेमू ट्रेन संख्या 64170 सुबह 5:20 बजे अपने निर्धारित समय पर अछल्दा स्टेशन पहुंची, जिससे यात्रियों को कुछ राहत मिली। ट्रेनों की इस लेटलतीफी के चलते स्टेशन पर यात्री ठंड और घने कोहरे में परेशान नजर आए। कई यात्रियों को प्लेटफॉर्म पर अपनी ट्रेनों का लंबा इंतजार करना पड़ा, जिससे उनकी मुश्किलें और बढ़ गईं। अछल्दा क्षेत्र में कड़ाके की सर्दी का प्रकोप भी जारी रहा। सुबह से ही घना कोहरा छाए रहने के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई। ग्रामीण क्षेत्रों में लोग ठंड से बचने के लिए अलाव का सहारा लेते दिखे, जबकि अधिकांश लोग आवश्यक कार्यों के लिए ही घरों से बाहर निकले।

मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में कोहरा और ठंड का असर बने रहने की संभावना है। इससे रेल और सड़क यातायात पर आगे भी प्रभाव पड़ेगा।

कोहरे के आगोश में अछल्दा रेलवे स्टेशन। अमृत विचार

फर्रुखाबाद में दिन में लाइट जलाकर चलते वाहन। अमृत विचार

5:20 बजे सुबह अछल्दा पहुंची मेमू

4:19 बजे पहुंचने का है समय

सर्दी से दिनभर ठिठुरते रहे लोग

■ **फर्रुखाबाद।** जिले में सोमवार को गलन, शीतलहर के बीच कोहरे का तड़का लगने से लोग ठिठुर गये। सुबह के समय दृश्यता घटकर लगभग 10 मीटर रह गई, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ। ठंड के चलते जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी ने कक्षा एक से 12 तक के सभी स्कूल 23 दिसंबर तक बंद कर दिए गए हैं। शहर से लेकर देहात तक सोमवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। सुबह 7 बजे के आसपास विजिबिलिटी करीब 10 मीटर दर्ज की गई, जो 8 बजे तक बढ़कर 15 मीटर हो गई। फर्रुखाबाद-दिल्ली, फर्रुखाबाद-हरदोई और इटावा-बरेली हाईवे पर वाहन चालकों को हेडलाइट जलाकर धीमी गति से चलना पड़ा। लोग ठंड से बचने के लिए अलाव का सहारा लेते दिखे।

सरकारी जमीन पर अवैध निर्माण की नापजोख की

कार्यालय संवाददाता, फर्रुखाबाद

- राजस्व टीम ने की कार्रवाई, कार्य रोकने के दिए निर्देश

अमृत विचार। नवाबगंज थाना क्षेत्र के बरतल गांव में सरकारी जमीन पर हुए अवैध निर्माण की राजस्व टीम ने नापजोख की। इस दौरान टीम ने एक ग्रामीण द्वारा किए जा रहे निर्माण कार्य को तत्काल रोकने के निर्देश दिए।

लेखपाल सौरभ यादव ने बताया कि गाटा संख्या 889 पर कुछ मकान बने हुए हैं, जिन पर धारा 64 के तहत कार्रवाई की जाएगी। नापजोख के दौरान मौके पर 2 से 3 मकानों का कब्जा मिला। राजस्व टीम में लेखपाल सौरभ यादव, तरुण दीक्षित और कानूनगो शिव नारायण तिवारी शामिल थे। टीम ने गांव बरतल में एक ग्रामीण द्वारा किए जा रहे निर्माण कार्य की भी जांच की और उसे रोकने का आदेश दिया। नापजोख में चार मीटर का चकरोड भी निकला है। प्रभारी गीतम सिंह ने जानकारी दी कि नापजोख के बाद निर्माण कार्य को रोकने के लिए कहा गया है। स्पष्ट किया कि निर्णय नहीं आने तक निर्माण बंद रहेगा।

सरकारी जमीन की नापजोख करवाते लेखपाल सौरभ। अमृत विचार

वॉलीबाल के सीनियर बालक वर्ग में रामपुर पहले स्थान पर

संवाददाता, दिबियापुर (औरैया)

- महाविद्यालय में विधायक खेलकूद प्रतियोगिता सम्पन्न

अमृत विचार। बेला रोड स्थित विवेकानंद ग्रामोद्योग महाविद्यालय में युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग, औरैया के तत्वावधान में विधायक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अजय आनंद वर्मा, उपजिलाधिकारी औरैया, पुष्पेंद्र यादव विधायक प्रतिनिधि विधानसभा दिबियापुर उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता में सब जूनियर (अंडर-18), जूनियर (अंडर-20) एवं सीनियर (20 वर्ष से अधिक) वर्ग के बालक एवं बालिकाओं की एथलेटिक्स एवं टीम खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिसमें खिलाड़ियों ने उत्साह और खेल भावना का शानदार प्रदर्शन किया। 800 मीटर दौड़ बालिका वर्ग में संस्कृति ने प्रथम, मोहिनी ने द्वितीय एवं यशस्वी धनगर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

800 मीटर दौड़ बालक वर्ग में निखिल प्रथम, आर्यन द्वितीय एवं उत्कर्ष कुमार तृतीय रहे।

100 मीटर दौड़ बालिका वर्ग में यशस्वी ने प्रथम, मोहिनी ने द्वितीय एवं यशस्वी धनगर ने तृतीय स्थान हासिल किया। 100 मीटर दौड़ बालक वर्ग में प्रिंस प्रथम, सत्यम द्वितीय एवं लकी तृतीय स्थान पर रहे। टीम खेलों में कबड्डी सब जूनियर बालक वर्ग में ग्वारी विजेता एवं दिबियापुर उपविजेता रहा।

वॉलीबाल सीनियर बालक वर्ग में रामपुर ने प्रथम तथा फफूंद ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं वॉलीबॉल सब जूनियर बालक वर्ग में रामपुर विजेता एवं एनटीपीसी उपविजेता रही। मुख्य अतिथियों द्वारा सभी विजेता एवं प्रतिभागी खिलाड़ियों को मेडल एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन श्री आनंद स्वरूप गुप्ता (प्रबंधक) एवं श्री इकरार अहमद (प्रधानाचार्य), विवेकानंद ग्रामोद्योग महाविद्यालय द्वारा किया गया।

तबीयत बिगड़ने से वृद्ध की मौत

अछल्दा (औरैया)। थाना क्षेत्र के गांव रामपुर निवासी शिवमंगल सिंह (65) पुत्र रघुवीर सिंह की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई।

शाम करीब 5 बजकर 41 मिनट पर वह अछल्दा रेलवे स्टेशन पर उतरे और वहां से ई-रिक्शा द्वारा अपने गांव रामपुर जा रहे थे। अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई।

ई-रिक्शा चालक वीरेन्द्र कुमार सीएचसी अछल्दा ले गया, जहां मौजूद चिकित्सक डॉ. गौरव कुमार और राजेश कुमार ने जांच के बाद वृद्ध को मृत घोषित कर दिया। जानकारी मिलते ही मृतक के भतीजे अर्पण कुमार अन्य परिजनों के साथ सीएचसी पहुंचा। थाना प्रभारी पंकज मिश्रा मौके पर पहुंचे और जानकारी लेकर विधिक कार्रवाई की गई।

संघ के राष्ट्रीय संयुक्त सचिव बने देवमुनि

कार्यालय संवाददाता, औरैया

अमृत विचार। ऑल इंडिया लाइफ इंश्योरेंस यूनियन से संबद्ध भारतीय मजदूर संघ का 27वां वार्षिक अधिवेशन 15 दिसंबर से 17 दिसम्बर तक कर्नाटक के उडुपी शहर में हुआ। उद्घाटन भारतीय मजदूर संघ के इंश्योरेंस सेक्टर के प्रमुख सोमेश विश्वास ने किया। सम्मेलन में भारतीय जीवन बीमा निगम के लाइफ यूनियन से संबंध रखने वाले सभी मंडलों के कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इसमें आगरा मंडल के मनोज चाहर को अखिल भारतीय अध्यक्ष एवं दिल्ली के प्रमोद राणा को महामंत्री निर्वाचित किया गया।

आगरा मंडल की औरैया शाखा से देवमुनि पोरवाल को अखिल भारतीय संयुक्त सचिव एवं विकास मौर्या को राष्ट्रीय कार्यकारिणी में सदस्य निर्वाचित किया गया। राष्ट्रीय अधिवेशन में औरैया शाखा से निर्वाचित होने पर औरैया शाखा के सदस्यों विकास मौर्या, आयुष शुक्ला, सुशीला देवी, सूरज कुमार, प्रदीप, बबलू, राजीव, विजय आदि ने हर्ष व्यक्त किया एवं मिष्ठान वितरण किया।

उनके संगठन के कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। इसके साथ ही एलआईसी अभिकर्ताओं दिनेश मिश्रा, केके दुबे, ब्रह्मप्रकाश गुप्ता, नंदकिशोर शर्मा, अंशुमान कुशवाहा, सुशील मिश्रा, प्रभात शुक्ला, मदन गोपाल, गोरेलाल आदि ने देवमुनि पोरवाल के नगर आगमन पर स्वागत और अभिनंदन किया। श्री पोरवाल के देश स्तर पर निर्वाचित होने पर नगर के विभिन्न समाजसेवी संगठनों ने अपनी शुभकामनाएं प्रदान की और हर्ष व्यक्त किया। राष्ट्रीय टीम में चुने जाने पर संयुक्त सचिव देवमुनि पोरवाल ने बताया कि उडुपी में हुए राष्ट्रीय अधिवेशन में राष्ट्रीय स्तर पर जो दायित्व प्रदान किया गया है उसका पूरी तरह से निर्वहन करके अभिकर्ताओं, कर्मचारियों की समस्याओं को केंद्रीय स्तर पर अधिकारियों तक उठाने का पूरा प्रयास किया जाएगा। उनके लंबित कार्यों का हल कराया जाएगा।

नव निर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत करते लोग। अमृत विचार

- पिछले दिनों कर्नाटक में आयोजित हुआ था कार्यक्रम

उप जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते संगठन के लोग। अमृत विचार

राजस्व टीम पर हमले के आरोपियों को गिरफ्तार करें

संवाददाता, बिधूना (औरैया)

अमृत विचार। राजस्व टीम पर हमले के आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से खफा लेखपालों ने सोमवार को लेखपाल संघ की बिधूना उपशाखा के अध्यक्ष रोहित यादव के नेतृत्व में उपजिलाधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में कहा गया है कि यदि 25 दिसंबर तक आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया, तो वे 26 दिसंबर से पूर्ण कार्य बहिष्कार करेंगे। बताया कि 18 दिसंबर को ग्राम रूपपुर सहार में मिशन समाधान के तहत कब्जा हटवाने के दौरान टीम पर हमला हुआ था। राजस्व टीम ने मौके से भागने का प्रयास किया, तो उन्हें और क्षेत्रीय लेखपाल को जान से मारने की धमकी भी दी गई। इस संबंध में राजस्व टीम द्वारा थाना बिधूना में लिखित सूचना दी गई थी, जिसके आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई पर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

समाजसेवियों और साहित्यकारों को किया सम्मानित

कार्यालय संवाददाता, फर्रुखाबाद

अमृत विचार। राधा रानी स्मृति संस्थान ने वार्षिक काव्य उत्सव एवं सम्मान समारोह धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों के समाजसेवियों व साहित्यकारों को सम्मानित किया गया। प्रमुख रचनाकारों ने काव्यपाठ करके कार्यक्रम को सफल बनाया। संस्था के संरक्षक विनय अग्रवाल के सेनापति स्थित निवास पर संस्था अध्यक्ष संजय गर्ग, श्यामजी अग्रवाल, विवेक अग्रवाल ने सभी का स्वागत किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीमती आशा अग्रवाल ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया। मौके पर इस वर्ष का श्रद्धा रानी गर्ग स्मृति सम्मान वरिष्ठ कवयित्री प्रीति पवन तिवारी एडवोकेट को तथा सावित्री देवी अग्रवाल स्मृति सम्मान वरिष्ठ कवि व ज्योतिष विद कृष्णकांत त्रिपाठी अक्षर को दिया गया। इस अवसर पर सेवानिवृत्त सम्मान से राकेश सारस्वत को विभूषित किया गया। इस मौके पर अपने संक्षिप्त संबोधन में संरक्षक विनय अग्रवाल ने कहा कि जीव कभी मरता नहीं सिर्फ शरीर मरता हैं इसलिए श्रद्धा रानी आज भी हम लोगों को सूक्ष्म रूप में प्रेरणा दे रहीं हैं उसका ही मूर्त रूप यह आयोजन है। उनकी ही प्रेरणा से संजय गर्ग ने संस्था की स्थापना की और उनकी स्मृतियों को अमर कर दिया। उन्होंने मौजूद सभी लोगों को आशीर्वाद दिया।

इस मौके पर स्मृति अग्निहोत्री, वरिष्ठ गीतकार डॉक्टर गरिमा पांडेय, कृष्णकांत त्रिपाठी अक्षर, प्रीति पवन तिवारी एडवोकेट, युवा कवि एवं मंच संचालक वैभव सोमवंशी सुभग ने काव्यपाठ किया। अध्यक्षता अक्षर ने की व संचालन वैभव सोमवंशी सुभग ने किया। इस मौके पर आशा अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, व्यापार मंडल अध्यक्ष सदानंद शुक्ला, राजू गौतम, प्रमोद गुप्ता, सनी साध,श्वेता दुबे, अखिलेश अग्निहोत्री, रोहित शर्मा, महेशपाल सिंह उपकारी , इंदिरा पांडेय, मीरा सिंह ,चित्रा अग्निहोत्री, सुमन राठौर, महिला व्यापार मंडल अध्यक्ष सोनी शुक्ला, शालिनी अग्रवाल,रुचि अग्रवाल, नेहा, रेखा मिश्रा,अजय पुरवार , अतुल शंकर दुबे, रचित अग्रवाल, राघव दत्त मिश्रा, सौरभ शुक्ला, आदेश तिवारी, सर्वेश अग्रवाल, भाजपा नेता भास्कर दत्त द्विवेदी, विमलेश मिश्रा, मुकेश सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

श्रद्धारानी स्मृति संस्थान में कविता पाठ करतीं गरिमा पांडेय एवं मौजूद अन्य।

- राधा रानी स्मृति संस्थान ने वार्षिक काव्य उत्सव एवं सम्मान समारोह किया

ऑडिट टीम ने पटरियों की स्थिति और सिग्नल जांचे

संवाददाता, दिबियापुर (औरैया)

अमृत विचार। प्रयागराज मंडल की संरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से सोमवार को फफूंद स्टेशन पर दो दिवसीय संरक्षा ऑडिट के पहले दिन कानपुर-इटावा रेल खंड का विस्तृत निरीक्षण किया गया। यह निरीक्षण उत्तर मध्य रेलवे के प्रधान मुख्य संरक्षा अधिकारी जेसी एस. बोरा के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

संरक्षा ऑडिट टीम में उत्तर मध्य रेलवे के प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी, मुख्य यांत्रिक इंजीनियर (मॉनिटरिंग), मुख्य सिग्नल इंजीनियर, मुख्य इंजीनियर (पी एंड डी), मुख्य विद्युत लोको इंजीनियर तथा उप मुख्य परिचालन प्रबंधक शामिल रहे। ऑडिट के दौरान पटरियों की स्थिति, सिग्नल एवं दूरसंचार प्रणाली, पुलों व समपार फाटकों की संरक्षा, ओएचई, ट्रैक मशीनिंग कार्य, स्टेशन यार्ड व्यवस्था, रिकॉर्ड प्रबंधन एवं आपदा प्रबंधन तैयारियों जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं का गहन परीक्षण किया गया। संरक्षा ऑडिट के दौरान प्रयागराज मंडल के अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) मो. मुबश्शिर वारिस, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी यू.सी. शुक्ला सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण की शुरुआत पनकीधाम-भाऊपुर खंड में समपार फाटक संख्या 83 से की गई। इसके पश्चात मैथा-रूरा खंड में पुल संख्या 304 एवं गोलाई संख्या 17 का निरीक्षण किया गया। आगे के क्रम में फफूंद स्टेशन एवं फफूंद स्टेशन यार्ड में पॉइंट्स एंड क्रॉसिंग संख्या 297-बी का संरक्षा ऑडिट किया गया।

कार्यक्रम | फतेहगढ़ मुख्य मार्ग स्थित एक गेस्ट हाउस में हुआ खाटू श्याम बाबा का जगराता

कन्हैया मित्तल के भक्ति गीतों पर रात भर झूमे लोग

कार्यालय संवाददाता, फर्रुखाबाद

अमृत विचार। कादरी गेट थाना क्षेत्र में फतेहगढ़ मुख्य मार्ग स्थित गेस्ट हाउस में आयोजित खाटू श्याम के जगराता कार्यक्रम में प्रसिद्ध भजन गायक कन्हैया मित्तल की मौजूदगी को लेकर भारी भीड़ जुटी। लोगों ने उनकी एक झलक पाने के लिए बेताबी दिखाई। भक्ति गीतों पर श्रद्धालु रात भर झूमे।

कार्यक्रम में उन्हें मंच पर 8 बजे आने का समय बताया गया था, लेकिन वे करीब दो घंटे देरी से पहुंचे। मंच पर आते ही उन्होंने जयकारों के साथ हे मां मुझे तेरी जरूरत है के भजन से कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके बाद बालाजी महाराज और खाटू श्याम भगवान के भजन गाए। देर रात तक वे मंच पर मौजूद रहे और बीच-बीच में भीड़ को शांति बनाए रखने की अपील करते रहे।

भजनों के दौरान कन्हैया मित्तल ने पाकिस्तान और भारत माता के विरोधियों को लेकर तीखा बयान दिया। उन्होंने कहा, ज्यादा खींचतान करोगे तो एक अयोध्या लाहौर में भी बना दी जाएगी। इशारों ही इशारों में उन्होंने खास समुदाय को निशाने पर लिया और भारत माता की जय न बोलने वालों पर हमला बोला। उन्होंने मंच से सभी से भारत माता की जय का उद्घोष करने की अपील की। कार्यक्रम में कन्हैया मित्तल ने खाटू श्याम प्रेमियों का अभिवादन किया। इस दौरान बीएससी तृतीय वर्ष की छात्रा सिद्धी दीक्षित को रैंप के किनारे शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम स्थल पर अलग-अलग व्यवस्थाएं की गई थीं। गेस्ट हाउस में गेट पास धारकों के लिए विशेष प्रवेश व्यवस्था थी, लेकिन लंबी लाइन और धक्का-मुक्की के बीच लोगों का उत्साह कम नहीं हुआ।

भीड़ का आलम यह था कि गेस्ट हाउस के अंदर से लेकर बाहर सडक़ तक लोगों की कतार लगी रही। एटा, इटावा, मैनपुरी, कन्नौज, हरदोई, शाहजहांपुर, बदायूं, बरेली समेत आसपास के कई जिलों से लोग कन्हैया मित्तल के भजनों को सुनने आए थे। अनियंत्रित भीड़ को संभालने के लिए पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

जगराता कार्यक्रम में भजन पेश करते कन्हैया मित्तल। अमृत विचार

कुरआन ख्वानी के साथ पीर बुखारी शाह का उर्स शुरू

फफूंद (औरैया)। फफूंद शरीफ की दरगाह हजरत पीर बुखारी शाह में हुए हजरत जाफर औलिया रहमतुल्लाह अलैह का दो दिवसीय सालाना उर्स हर साल की तरह इस साल भी बड़े अकीदत व सादगी के साथ मनाया गया। जिसकी शुरुआत सोमवार को सुबह बाद नमाज फज्र कुरआन ख्वानी के साथ हुई थी। सोमवार को उर्स पहले दिन की शुरुआत खानकाह आस्ताना आलिया समदिया फफूंद शरीफ के सज्जादा नशीन सैयद अख़्तर मिया चिश्ती के साहबजादे सैयद नवाज अख्तर चिश्ती उर्फ चिश्ती मियां की सरपरस्ती में सुबह फज्र की नमाज के बाद हुई कुरआन ख्वानी के बाद पीर बुखारी शाह के मजार शरीफ का गुस्ल हुआ और खास महफल हुई। महफिल के बाद दरगाह में पहुंचे तमाम लोगों को लंगर खिलाया।

दरोगा पर मारपीट का आरोप लगा भाकियू ने दिया धरना

कार्यालय संवाददाता, फर्रुखाबाद

अमृत विचार। भारतीय किसान यूनियन के ग्राम अध्यक्ष से मारपीट और सुविधा शुल्क मांगने के आरोप में भारतीय किसान यूनियन टिकैत के पदाधिकारियों व किसानों ने कड़ाके की ठंड में थाना शमसाबाद का घेराव कर धरना-प्रदर्शन किया। यह मामला 21 दिसंबर का है, जब ग्राम अध्यक्ष रफी निवासी पापड़ी खुर्द को समझौते के नाम पर थाने बुलाकर रोक लिया गया। आरोप है कि सुविधा शुल्क न देने पर दरोगा ने उनके साथ मारपीट की। जिला मंत्री राजेश गंगवार ने नाराजगी व्यक्त की तो आरोप है की दारोगा ने पुलिस कर्मियों के साथ अभद्रता की। मामले की सूचना पर जिलाध्यक्ष अजय कटियार के आह्वान पर बड़ी संख्या में किसान रजाई-गद्दा व लकड़ी लेकर थाने पहुंचे और धरने पर बैठ गए। मौके पर पहुंचे क्षेत्राधिकारी मोहम्मदाबाद अजय वर्मा ने 24 घंटे में दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद धरना स्थगित किया गया। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष अरविंद शाक्य, जिला संरक्षक छविनाथ शाक्य, जिला उपाध्यक्ष ब्रजेश गंगवार, जिला प्रवक्ता गोपी शाक्य,जिला महासचिव अभय यादव, जिला सलाहकार समिति अध्यक्ष विजय सिंह शाक्य, जिला संगठन मंत्री अरविंद गंगवार, जिला सचिव पुजारी कटियार ,सदर तहसील अध्यक्ष रामप्रकाश पाल सहित दो दर्जन से अधिक लोग मौजूद रहे।

शमशाबाद में धरने पर बैठे भाकियू नेता। अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

सियार के हमले में महिला घायल

मौदहा। टिकरी गांव में सड़क किनारे कंडे के भट्ठे से कंडे लेने आई एक वृद्ध महिला पर सियार ने हमला कर लहूलुहान कर दिया। जिस पर उसके परिजनों ने उसे गंभीर हालत में सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया है। क्षेत्र के ग्राम टिकरी निवासी शांति (66) पत्नी महादेव सोमवार की सुबह सड़क किनारे अपने कंडे के भट्ठे से कन्डे निकाल रही थी तभी वहां मौजूद सियार ने उस पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। परिजनों ने उसे लहूलुहान हालत में सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया है।

छेड़खानी व दलित उत्पीड़न की रिपोर्ट

सुमेरपुर। क्षेत्र के एक गांव के दलित महिला ने गांव के युवक के खिलाफ छेड़खानी एवं दलित उत्पीड़न एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज कराया है। थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला का आरोप है कि वह बीते 22 नवंबर को रात 8:00 बजे गांव में ही दुकान पर दवा लेने जा रही थी। तभी रास्ते में गांव निवासी दबंग एवं गुंडा किस्म के युवक पुत्ती लाल उर्फ सुमित खंगार ने उसका हाथ पकड़ लिया और अश्लील हरकतें करने लगा विरोध करने पर जातिसूचक गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी देकर चला गया। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर युवक के खिलाफ छेड़खानी, दलित उत्पीड़न एक्ट की धाराओं में मुकदमा कायम किया है।

बाइक चालक के खिलाफ मुकदमा

सुमेरपुर। बीते माह देवगांव के समीप खेत से पानी लगाकर घर लौट रहे युवक को बाइक से टक्कर मारकर गंभीर रूप से घायल करके फरार हुए युवक के खिलाफ पुत्र की मौत के बाद पिता ने मुकदमा दर्ज कराया है।

सदर कोतवाली के बड़ागांव निवासी बाबू ने बताया कि उसका पुत्र संदीप देवगांव में खेत बटाई पर लेकर खेती करता था। बीते 7 नवंबर को रात करीब 8:00 बजे वह खेत में पानी लगाकर घर लौट रहा था तभी कैथा नाला के समीप पत्योरा की तरफ से आ रहे बाइक सवार युवक ने गलत दिशा में आकर बाइक से पुत्र को जोरदार टक्कर मार दी। जिसकी इलाज के दौरान कानपुर में मौत हो गई। पुलिस ने बाइक के नंबर के आधार पर मुकदमा अज्ञात चालक के खिलाफ दर्ज किया है।

युवती प्रेमी संग गई, मां ने लिखाई रिपोर्ट

सुमेरपुर। कस्बे के विंध्यवासिनी मार्ग निवासी एक महिला ने युवक के खिलाफ पुत्री को बहला फुसलाकर भगा ले जाने का मुकदमा दर्ज कराया है। महिला ने मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी बालिग पुत्री कस्बे के धर्मेश्वर बाबा मोहल्ले में संचालित एक ट्रैक्टर एजेंसी में कार्य करती थी। बीते 17 दिसंबर को सुबह 10:00 बजे एजेंसी जाने की बात कहकर घर से निकली थी और जब यह शाम को घर नहीं आई तब तलाश करने पर पता चला कि वह पचखुरा बुजुर्ग निवासी संजय के साथ चली गई है। पुलिस ने मां की तहरीर पर संजय के खिलाफ युवती को बहला फुसलाकर भगा ले जाने का मुकदमा दर्ज किया है।

खेत सिंह जयंती समारोह 26 को

हमीरपुर। खंगार क्षत्रिय महाराजा खेत सिंह एवं सुमेरदेव जयंती समारोह आगामी 26 दिसंबर को सुमेरपुर कस्बे के दुग्ध डेयरी मार्ग में हरिप्रिया गार्डन में संपन्न होगा। समारोह के आयोजक मंडल के मानसिंह, ज्ञान सिंह व दीपक खंगार ने बताया कि समाज के दोनों महापुरुषों का जयंती समारोह 26 दिसंबर को होगा। समारोह के मुख्य अतिथि सदर विधायक डॉ. मनोज कुमार प्रजापति एवं विशिष्ट अतिथि ब्लाक प्रमुख जयनरायन सिंह यादव व युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष खंगार समाज सुभाष उदय पिंडारी होगें।

बुजुर्गों को कंबल बांट कर पिलाई चाय

राठ। कोहरा और कड़ाके की ठंड को देखते हुए डीएम घनश्याम मीना के निर्देश पर रविवार की रात एसडीएम ने सड़कों पर निकले। इस दौरान सड़क के किनारे स्थित दुकानों और आवासों के बरामदे में सो रहे निराश्रित व्यक्तियों में कंबल बांटे। उन्होंने नगर पालिका द्वारा निराश्रित लोगों के लिए बनवाए गए रैन बसेरा का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। एसडीएम अभिमन्यु कुमार रविवार की देर रात कस्बे में भ्रमण पर निकले। उन्होंने सबसे पहले रोडवेज बस स्टैंड के आसपास सड़क के किनारे ठंड से जूझ रहे निराश्रित बुजुर्गों को कंबल दिए। साथ ही चाय मंगवाकर पिलाई। इसके बाद उन्होंने अलाव की व्यवस्था करवाकर लोगों को ठंड से बचाव के सुझाव दिए।

सर्दी का सितम, पालिका का दावा बेदम

पड़ताल में मौदहा नगर पालिका परिषद की ओर से 21 स्थानों पर अलाव जलाने का दावा बिल्कुल खोखला

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

अमृत विचार। सर्दी से राहगीरों और बेसहारा लोगों को बचाने का दावा करने वाली नगर पालिका के दावे खोखले साबित हो रहे हैं। नगर पालिका प्रशासन ने सुबह और शाम एक साथ शहर के 21 स्थानों पर अलाव जलवाए जाने का ढोल पीट रहा है, मगर हकीकत में अलाव दूर राख तक नजर नहीं आ रही है।

सोमवार सुबह 9 बजे शहर के रोडवेज परिसर, रेलवे स्टेशन और अस्पताल में नगर पालिका की ओर से जलवाए जाने वाले अलाव की पड़ताल की गई। इन स्थानों पर कहीं भी नगर पालिका का अलाव नजर नहीं आया। अस्पताल में दो-तीन मरीज परिसर के समीप कुछ लकड़ी बटोर कर आग जलाकर हाथ सेकते नजर आए। रेलवे स्टेशन के बाहर भी नगर पालिका का अलाव नहीं मिला। कमोबेश यही स्थिति रोडवेज बस स्टैंड परिसर की भी रही।

शहर के मलिकुआं चौराहा, बड़ा चौराहा, थाना चौराहा, बांदा बस स्टैंड, तहसील परिसर, ब्लाक परिसर, रेलवे स्टेशन के अलावा अन्य स्थानों पर भी नगर पालिका के अलाव जलते नहीं मिले। ईओ सीमा तोमर से फोन पर संपर्क किया तो उनका फोन ही नही रिसीव हुआ। नगर पालिका के मुताबिक शहर में सुबह 8 स्थानों और शाम को 13 अलाव जलवाए जाने के लिए स्थान चिह्नित किए गए हैं। इसकी सूची बनाकर पालिका कर्मचारियों को सौंपी गई है। नगर पालिका कर्मचारी गाड़ी में लकड़ी लादकर संबंधित स्थानों पर उतार रहे हैं।

मौदहा में कूड़ा जलाकर हाथ सेंकते लोग। अमृत विचार

- रोडवेज बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन अस्पताल में नहीं दिखे अलाव
- शीतलहर के प्रकोप से राहगीर और आम लोग बिल्कुल बेहाल

पॉलीथीन जलाकर हाथ सेंकते लोग

- कस्बे के मलिकुआं चौराहा में पन्नी जलाकर आग तापते लोग नजर आए तो वही बड़े चौराहे पर कूड़े के ढेर में आग लगाकर ठंड दूर करते नजर आए। वही थाना चौराहा, तहसील परिसर, मंडी इसी प्रकार कस्बे के भीड़ भाड़ वाले इलाके में अलाव तो दूर अलाव की राख भी नजर नही आती है।

राठ में भी अलाव जलाने में नगर पालिका की कंजूसी

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

अमृत विचार। भीषण ठंड और कोहरे के बीच राहगीर जूझ जूझ रहे हैं। नगर पालिका द्वारा नाम मात्र स्थानों पर जलवाए जा रहे अलाव नाकाफी साबित हो रहे हैं। जिससे नागरिकों में रोष व्याप्त है। वहीं नगर पालिका द्वारा आधा दर्जन से अधिक स्थानों पर अलाव जलाए जाने का दावा किया जा रहा है।

पिछले कई दिनों से कोहरा और ठंड से लोग परेशान हैं। सुबह के समय तापमान 10 डिग्री के आसपास और शाम के समय 12 डिग्री तापमान होने से राहगीर ठंड से जूझ रहे हैं। हर साल नगर पालिका प्रशासन की ओर से दो दर्जन से अधिक स्थानों पर अलाव जलवाए जाते थे, ताकि राहगीरों को ठंड से राहत मिल सके। इस इस बार नाम मात्र के स्थानों पर अलाव जलाकर खानापूर्ति की जा रही है। लोगों का कहना है कि इस भीषण ठंड में नगर पालिका के अलाव नाकाफी सिद्ध हो रहे हैं। बताया जाता है कि नगर पालिका द्वारा रोडवेज, उरई बस स्टैंड, रामलीला मैदान समेत आधा दर्जन स्थानों पर अलाव जलाए जाने का दावा किया जा रहा है।

सर्दी के आगे सूर्य की तपिश बिल्कुल फीकी

हमीरपुर। पिछले 55 घंटे के बाद सोमवार को दोपहर में सूर्य देव के दर्शन जरूर हुऐ लेकिन गलन के सामने उनकी तपिश का एहसास नहीं हो सका और लोग सूर्य देव के दर्शन देने के बाद भी अलाव का सहारा लिए रहे। ठंड और कोहरे का सितम लगातार जारी है। शनिवार एवं रविवार को सूर्य देव के दर्शन नहीं हुए इससे लोग परेशान रहे। सोमवार को दोपहर बाद सूर्य देव बादलों की ओट से बाहर निकले जरूर लेकिन गलन के सामने उनकी तपिश फीकी थी। धूप का जरा भी आभास लोगों को नहीं हुआ और लोग दिन में भी ठंड से बचाव के लिए अलाव का सहारा लिए रहे बगैर बारिश के लगातार पड़ रहे कोहरे से दलहनी-तिलहनी फसलों की सेहत खराब हो रही है। इससे किसान परेशान है।

जनसुनवाई करते सरीला खंड विकास अधिकारी विपिन कुमार। अमृत विचार

शिकायतों का पारदर्शिता से निस्तारण हो: बीडीओ

संवाददाता, सरीला (हमीरपुर)

अमृत विचार। जनसुनवाई में आने वाली शिकायतों का पारदर्शिता के साथ समय से निस्तारण हो। यह निर्देश खंड विकास अधिकारी ने अपने अधीनस्थों को दिए हैं।

सोमवार को रोज की तरह खंड विकास अधिकारी विपिन कुमार ने जनसुनवाई करते हुए शिकायतों के निस्तारण में गंभीरता व पारदर्शिता बरतने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि आने वाली शिकायतों का समय से निस्तारण होना चाहिए। इस मौके पर बिलगांव के लखन ने गोवंश को गोशाला में बंद करने की मांग की। इस्लामपुर के रामस्वरूप ने प्रधानमंत्री आवास दिलाए जाने तथा खंडौत के महेंद्र सिंह ने मनरेगा में काम दिलाने की मांग की। इस मौके पर उन्होंने जनसुनवाई में आई शिकायतों का शिकायतकर्ताओं से फोन पर फीडबैक भी लिया।

बीडीओ ने बताया कि गांव की समस्या का निदान गांव में किए जाने के लिए रोस्टर के अनुसार ग्राम पंचायत में सुशासन दिवस का आयोजन भी किया जा रहा है। जिससे लोगों को जरा जरा सी समस्याओं के लिए ब्लॉक, तहसील व जिला मुख्यालय पर न जाना पड़े। इस मौके पर ग्राम विकास अधिकारी राजवीर सिंह और राम मनोहर सोनी मौजूद रहे।

विज्ञान क्विज में दिखाई प्रतिभा, नैंसी अव्वल

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

- गोहांड के ब्लाक संसाधन केंद्र में आयोजित हुई प्रतियोगिता

अमृत विचार। ब्लॉक संसाधन केंद्र गोहांड में महानिदेशक स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना द्वारा उच्च प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों में जिज्ञासा आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने, वैज्ञानिक मनोवृत्ति का विकास करने, प्रयोग के अवसर उपलब्ध कराने तथा विज्ञान गणित एवं प्रौद्यौगिकी को लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत विज्ञान क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के बच्चों ने भाग लिया। जिसमें उच्च प्राथमिक विद्यालय रावतपुरा की नैन्सी ने प्रथम स्थान पाया। उच्च प्राथमिक विद्यालय रहंक की मुस्कान दूसरे व उच्च प्राथमिक विद्यालय जखेड़ी ने तीसरा स्थान पाया। प्रतियोगिता में 40 अन्य बाल वैज्ञानिक बच्चों को शील्ड एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर खंड शिक्षा अधिकारी गोहांड शैलेश कुमार, एआरपी रामजीवन एवं महेन्द्र कुमार आदि शिक्षक मौजूद रहे।

बाइकों में भिड़ंत दो लोग घायल

कुरारा। क्षेत्र के सरसई गांव के पास दो बाइकों की भिड़ंत में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद दोनों घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

थाना क्षेत्र के सरसई गांव के पास रविवार की देर शाम साढ़े 7 बजे कालपी हमीरपुर हाईवे में दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। जिसमें बाइक में सवार राहुल (24) पुत्र रामकरण निवासी उदनपुर जालौन व दूसरी बाइक में सवार अशोक (45) पुत्र छोटेलाल निवासी कुसौली गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों बाइक चालक हेलमेट नहीं लगाए थे।

बूथ मजबूत होंगे, तभी जीत पाएंगे चुनाव

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

- अटल जन्म शताब्दी समारोह के तहत कार्यशाला का आयोजन
- राज्यसभा सदस्य बाबूराम निषाद ने एसआईआर पर दिया जोर

अमृत विचार। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष शकुंतला निषाद की अध्यक्षता में अटल जन्म शताब्दी समारोह कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें एसआईआर पर भी विशेष चर्चा हुई। कार्यशाला में मुख्य अतिथि राज्यसभा सदस्य बाबूराम निषाद रहे।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि राज्यसभा सदस्य बाबूराम निषाद ने कहा कि एसआईआर में कोई ऐसा व्यक्ति न छूट जाए, जो पात्रता रखता हो और कोई ऐसा गलत व्यक्ति न जुड़ जाए जो गलत हो। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की जन्म शताब्दी के 100 वर्ष पूर्ण होने पर 25 दिसंबर को बूथ स्तर से जनपद स्तर तक अटल स्मृति वर्ष का आयोजन उत्साह के साथ किया जाएगा।

कार्यशाला को संबोधित करते मुख्य अतिथि बाबूराम निषाद। अमृत विचार

भाजपा जिलाध्यक्ष शकुंतला निषाद ने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेश हैं कि सभी जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्र के सभी बूथ अध्यक्षों को अपनी निधि का 10% खर्च कर मजबूत करने का कार्य करें।

बूथ मजबूत होने पर ही हम आगे के चुनाव मजबूती से जीत पाएंगे। इस मौके पर बृजकिशोर गुप्ता, सुनील पाठक, आशीष पालीवाल, जीतू राजपूत, कुरारा चेयरमैन आशा रानी कबीर, आकाश त्रिपाठी, नीलम बाजपेई लक्ष्मीरतन साहू, मोहन कुशवाहा, अंकित गुप्ता के अलावा सभी मंडल अध्यक्ष एवं जिले के पदाधिकारी तथा वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे। मंच का संचालन नरवेंद्र सिंह ने किया।

माइनर उफनाई, 50 बीघा फसल डूबी

संवाददाता, कुरारा (हमीरपुर)

अमृत विचार। क्षेत्र में बेतवा नहर की माइनर में पानी ओवर फ्लो होने से किसानों की 50 बीघा की फसल जलमग्न हो गई है। किसानों ने बेतवा नहर प्रखंड के अधिकारियों से माइनर में पानी बंद करने की मांग की है। फसल सड़ने की नौबत है।

कस्बे के किसान वीरेंद्र सिंह ने बताया कि रात में कुतुबपुर खोड़ से निकली छोटी माइनर में पानी ओवरफ्लो होने के कारण कल्याण सिंह की साढ़े चार बीघा मटर, राजेंद्र सिंह पांच बीघा मटर, नरेंद्र सिंह चार बीघा मटर, सरदार सिंह आठ बीघा मटर आदि किसानों की फसलों में व अभी हाल में गेहूं की बुवाई की थी। खेतों में पानी भर जाने से फसल जल मग्न हो गई है। इसकी शिकायत बेतवा नहर के प्रखंड के अधिकारियों से की है और शीघ्र माइनर में पानी बंद करवाने की मांग की है।

अभी लेट बुवाई होने से किसानों को पानी की आवश्यकता नहीं है। जब इस बाबत में बेतवा नहर के कुरारा क्षेत्र के अवर अभियंता संजय रजक से बात की तो उन्होंने बताया कि जानकारी मिली है निरीक्षण कर पानी बंद कराया जाएगा।

खेत पर मटर की फसल में भरा पानी। अमृत विचार

खडेहीजार में 7 बीघा फसल डूबी

- सुमेरपुर। मौदहा बांध की छानी ब्रांच से एक माइनर भुजपुर के समीप से निकलकर छानी, धनपुरा, खड़ेही जार, कलका पुरवा से गुजरकर कड़ोरन नाले में गिरती है। माइनर के क्षतिग्रस्त होने से खडेही जार के किसान गंगा चरण, इंद्रपाल, चंद्रपाल, श्याम बाबू की सात बीघे की मटर आदि की फसलें जलमग्न हो गई हैं। खडेही जार के प्रधान राज कुशवाहा का आरोप है कि माइनर के क्षतिग्रस्त होने से किसानों की फसलें जलमग्न हुई हैं।

युवक ने जान देने का किया प्रयास

बिवांर। क्षेत्र के ग्राम पारा में आर्थिक तंगी से परेशान युवक ने फांसी लगा कर आत्महत्या का प्रयास किया। पत्नी ने देखा तो संभाल लिया। परिजनों की मदद से अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सक ने उसकी हालत गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

पारा निवासी शिव बहादुर (24) पुत्र ईश्वरन ने कुछ समय पूर्व एक ई रिक्शा लोन पर लिया था। जिसकी उसे किस्त भरना थी। लेकिन आर्थिक परेशानी के चलते किस्त न भर पाने के कारण सोमवार की दोपहर उसने अपने घर में फांसी लगा ली, इसकी जानकारी होते ही उसकी पत्नी चंचल ने अपने पति के शरीर को बाहों में भर उसे ऊपर उठाए रही और शोर मचा कर परिजनों को बुलाया। जिस पर परिजनों की मदद से युवक को आनन फानन फांसी के फंदे से उतार गंभीर हालत में सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

अराजकतत्वों ने नलकूप में लगाई आग, भूसा राख

संवाददाता, सुमेरपुर (हमीरपुर)

अमृत विचार। रविवार की रात क्षेत्र के ग्राम सौंखर में अराजक तत्वों ने नलकूप में आग लगा दी। इससे नलकूप में रखा भूसा सहित कृषि कार्य में उपयोग होने वाले यंत्र जलकर खाक हो गए। नलकूप में रहने वाले वृद्ध दंपति के शोर मचाने पर पहुंचे ग्रामीणों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हुए, बाद में सूचना पाकर पहुंचे फायर दस्ते ने आग पर काबू पाया। आग से करीब 70 हजार रुपये के नुकसान का अनुमान है। पुलिस ने गांव पहुंचकर जांच पड़ताल की है।

सौंखर निवासी सभाजीत कुशवाहा ने बताया की रविवार की रात 10:00 बजे अराजक तत्वों ने गांव से सटे नलकूप में आग लगा दी। उस समय नलकूप में उसके वृद्ध दाई बाबा मौजूद थे। आग भड़कने पर दोनों ने शोर मचाया शोर शराबा सुनकर पहुंचे ग्रामीणों ने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हुए। इसके बाद घटना की सूचना फायर दस्ते को दी गई। सूचना पाकर गांव पहुंचे फायर दस्ते ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग से करीब 70 हजार का नुकसान हुआ है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने गांव पहुंचकर घटनास्थल देखा और ग्रामीणों से पूछताछ की आग लगाने के पूर्व अराजकतत्वों ने नलकूप में लगी अमरूद की बगिया में अमरूद भी तोड़े है। इसके निशान मिले हैं। पत्योरा चौकी इंचार्ज निशांत दुबे ने बताया कि जांच कराई जा रही है।

आग बुझाते फायर दस्ते के कर्मी।

गणित की प्रदर्शनी में दिखाई प्रतिभा

राठ (हमीरपुर)। रामानुजन जयंती पर कस्बे के सरस्वती बाल मंदिर इंटर कॉलेज और सरस्वती शिशु मंदिर में गणित मेले का आयोजन किया गया। सरस्वती बाल मंदिर में गणित प्रदर्शनी का शुभारंभ प्रबंधक श्याम सुंदर मुखिया ने किया।

प्रदर्शनी के दौरान रामजी गुप्ता ने लेजर प्रोजेक्ट, आदर्श मिश्रा ने वृत्तीय रोटेशन, पीयूष मिश्रा श्रीडी आकृतियां, आदर्श राजपूत ने सूत्र संबंधित प्रोजेक्ट का प्रदर्शन किया। बच्चों ने गणित प्रश्नमंच, प्रदर्श गणित की कविताएं, उल्टे पहाड़ों में बच्चों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। मेले के दौरान प्रश्न मंच जूनियर वर्ग में समृद्धि गुप्ता, रुचि यादव ने प्रथम स्थान पाया। कार्तिक, उज्जवल ने दूसरा और यश राजपूत, आशिक, उत्सवी निगम ने तीसरा स्थान पाया। प्राथमिक वर्ग में अंश यादव, दुष्यंत, ब्रजकिशोर ने प्रथम, पीयूष, देवांश प्रजापति ने दूसरा और अपर्णा, मुस्कान और सिद्धि ने तीसरा स्थान पाया। कार्यक्रम के संयोजक हरगोविंद प्रजापति और दिनेश रहे।

मिला आश्वासन — सदर विधायक मनोज प्रजापति ने जनपद के पांच प्रमुख मुद्दों पर सदन का ध्यान खींचा

सुमेरपुर को फोरलेन से जोड़ने की उठाई आवाज

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। सदर विधायक डॉ.मनोज प्रजापति ने विधानसभा में क्षेत्र के विकास को लेकर मुख्य रूप से पांच मुद्दों पर सदन का ध्यान आकृष्ट किया, जिसमें उन्होंने प्रस्तावित फोरलेन को सुमेरपुर से जोड़ने का प्रस्ताव रखा। 200 शैय्या का जिला चिकित्सालय, ट्रामा सेंटर व मेडिकल कॉलेज जैसे मुद्दे उठाए।

सदर विधायक मनोज प्रजापति ने नियम 136 के तहत उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक से 200 शैय्या का जिला चिकित्सालय एवं ट्रामा सेंटर के भवन निर्माण ईपीसी मोड पर किए जाने को निर्णय लिया गया है, जिस पर बताया गया कि चिकित्सालय के लिए भवन निर्माण को भूमि चिन्हित करते हुए कार्यवाही की जा रही है। साथ ही सदर विधायक ने उपमुख्यमंत्री से जनपद में मेडिकल कॉलेज बनाए जाने की कार्ययोजना पर जानकारी चाही। जिस पर बताया गया कि उत्तर प्रदेश के 16 असेवित जनपदों में पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) के आधार पर मेडिकल कॉलेज की स्थापना किए जाने के लिए शासनादेश 17 सितंबर 2021 द्वारा नीति निर्गत की गई है। इन 16 जनपदों में हमीरपुर जनपद भी सम्मिलित है।

सदर विधायक ने सदन में पर्यटन मंत्री से ग्राम चंदपुरवा स्थित इटरा मंदिर का सौंदर्यीकरण कराने के लिए मंत्री जयवीर सिंह को प्रेषित करते हुए कार्यवाही की मांग की। इसके साथ ही उन्होंने शहर के गौरा मंदिर के पीछे गांधी नगर मोहल्ला में घनी आबादी के ऊपर से विद्युत उपकेन्द्र हमीरपुर से निर्गत 11 केवी लिफ्ट व झलोखर फीडर की विद्युत लाइन हटाये जाने का प्रस्ताव रखा। कहा मोहल्ले हजारों की संख्या में मकान बने हैं। जिनके घरों के ऊपर से 11 केवी लिफ्ट व 11 केवी झलोखर के डबल सर्किट की विद्युत लाइन निकली है, जिससे उनके जीवन को खतरा बना रहता है। जबकि उक्त फीडर की लाइन कुसमरा विद्युत सब स्टेशन से जोड़ दी गई है। जिससे दो वर्षों से बंद पड़ी है। अगर जब इस लाइन की आवश्यकता नहीं है तो इसको हटा दिया जाए या नूरे शहीद बाबा बेतवा बंधे के किनारे से सिटी फारेस्ट तक डबल सर्किट की लाइन स्थानांतरित कर दिया जाए। सदन में उन्होंने कहा कि कानपुर से कबरई के बीच एक फोर लेन प्रस्तावित है। यह मार्ग जनपद मुख्यालय से होकर जाता है। जनपद के सुमेरपुर कस्बे के समीप से प्रस्तावित फोर लेन होकर जा रहा है, परन्तु फोरलेन को सुमेरपुर कस्बे से जोड़ने का कोई मार्ग प्रस्तावित नहीं है, जबकि कस्बे में औद्योगिक नगरी सहित अन्य बड़े कारोबार संचालित हैं। कारोबार के सिलसिले में बाहरी (अन्य प्रांत) लोगों का आना जाना लगा रहता है। बड़े पैमाने पर कारखानें आदि लगे हैं। ऐसे में प्रस्तावित फोर लेन से कस्बे को जोड़े जाने के लिए मार्ग बनाए जाने का मामला नियम-51 के अन्तर्गत उठाया।

सदर विधायक डॉ.मनोज प्रजापति।

- हमीरपुर में पीपीपी आधार पर बनेगा मेडिकल कॉलेज
- चंदपुरवा के इटरा मंदिर का सौंदर्यीकरण कराने की मांग

नगर पंचायत के आउटसोर्स कर्मी की छत से गिरकर मौत

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

- नगर पंचायत कार्यालय की छत से लकड़ी लेने गया था
- सीएचसी से झांसी और फिर ग्वालियर किया गया रेफर

अमृत विचार। गोहांड नगर पंचायत में एक आउटसोर्सिंग कर्मचारी की संदिग्ध परिस्थितियों में छत से गिरकर मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है।

गोहांड कस्बे के जवाहर नगर निवासी प्रेमचंद (55) पुत्र बरातीलाल गोहांड नगर पंचायत में आउटसोर्सिंग कर्मचारी था। 14 दिसंबर को वह नगर पंचायत की छत पर लकड़ी लेने गए थे। इसी दौरान संदिग्ध परिस्थितियों में वह छत से नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल प्रेमचंद को परिजनों द्वारा सीएचसी ले जाया गया था। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी नाजुक हालत को देखते हुए झांसी और फिर ग्वालियर रेफर कर दिया गया।

रविवार की रात ग्वालियर से घर ले जाते समय प्रेमचंद ने रास्ते में दम तोड़ दिया। मृतक के परिजनों का कहना है कि यह घटना पैर फिसलने के कारण हुई। मृतक की पत्नी संतोषी और विवाहित पुत्री कल्पना सहित अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। मामले में जरिया थानाध्यक्ष ने बताया शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

अमृत विचार

कानपुर, मंगलवार, 23 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

ग्राम प्रधान ने डीएम से की शिकायत

महोबा। विकाखंड चरखारी के बल्लायं गांव में बनाई जा रही सीसी रोड कार्य में दबंगों के हस्तक्षेप किए जाने के कारण कार्य पूर्ण नहीं हो पा रहा हैं साथ ही मजदूरों को धमकाए उन्हें डराया जा रहा है। इस मामले को लेकर ग्राम प्रधान बल्लायं ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए सीसी रोड का कार्य पूरा कराए जाने की मांग की है। ग्राम प्रधान अनुसुइया ने डीएम को दिए ज्ञापन में बताया कि गांव की गाटा संख्या 826 में सीसी रोड का कार्य कराया जा रहा था, जिसका आधा कार्य पूरा किया जा चुका है साथ ही शेष कार्य के लिए सामग्री डलवा दी गई है, लेकिन कुछ विपक्षी दबंग कार्य में व्यवधान उत्पन्न कर रहे है। प्रधान ने बताया कि विपक्षी ठेकेदारों व मजदूरों को धमका डाली गई सामग्री वापस उठाने की बात कह रहे और न उठाए जाने पर मारपीट की धमकी दे रहे हैं, जिससे ठेकेदार व मजदूर सहमे हुए है साथ ही कार्य आगे नहीं बढ़ पा रहा है। प्रधान ने डीएम ने कार्य पूरा कराए जाने की मांग की है।

24 व 25 को होंगी प्रतियोगिताएं

महोबा। जिलाधिकारी गजल भारद्वाज के निर्देश सांसद खेल स्पर्धा का आयोजन निम्न आयु वर्ग मे सब जूनियर, जूनियर, एवं सीनियर बालक, बालिका, पुरूष व महिला वर्ग मे 24 दिसम्बर 2025 कबड्डी, जूडो की प्रतियोगिता तथा 25 दिसम्बर को फुटबाल, बैडमिंटन प्रतियोगिता का जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित की जा रही है। इस प्रतियोगिता मे जिले संसदीय क्षेत्र के अन्तर्गत विधानसभा महोबा, चरखारी विधानसभा हमीरपुर, राठ व विधानसभा विन्दवारी के विजेता खिलाड़ी उपरोक्त खेलो मे प्रतिभाग करेगें। सांसद खेल स्पर्धा का उद्घाटन और समापन राज्य सदस्य बाबूराम निषाद मुख्य अतिथि रहेंगे, जबकि सदर विधायक राकेश गोस्वामी, विधायक चरखारी बृजभूषण राजपूत, एमएलसी जितेन्द्र सिंह सेंगर विशिष्ट अतिथि के रुप में शामिल होगे, इसके अलावा जिलाधिकारी, नगर पंचायत अध्यक्ष जेपी अनुरागी, मुख्य विकास अधिकारी बलराम कुमार, नगर पालिका जिलाध्यक्ष संतोष चौरसिया, भाजपा जिलाध्यक्ष उपस्थित रहेंगे।

ऐंचाना पंचायत के लिए रोडवेज बस सेवा शुरू

महोबा। रोडवेज बस डिपो ने यात्रियों की सहुलियत और राजस्व में इजाफा किए जाने को लेकर तहसील चरखारी की ग्राम पंचायत ऐंचाना के लिए बस सेवा पुनः शुरू कर दी है। इस बस सेवा के शुरू हो जाने से क्षेत्र के ग्रामीणों को यात्रा में होने वाली असुविधा का भी समाधान हो गया साथ ही ग्राम पंचायत एक स्थाई बस स्टैंड भी स्थापित कर दिया गया है। इस सेवा के संचालन की जिम्मेदारी परिचालक संजय प्रजापति और परिचालक पुष्पा कुशवाहा को सौंपी गई है। बस सेवा का निर्धारित समय सुबह 8 बजे ऐंचाना से खरेला, चरखारी, सुबह 9 बजे चरखारी से खरेला ऐंचाना, और सुबह 10 बजे ऐंचाना से कबरई। इसी प्रकार यह बस वापसी में दोपहर 11:50 बजे कबरई से ऐंचाना स्टैंड के लिए रवाना होगी और दोपहर 12:50 बजे ऐंचाना से खरेला के लिए बस उपलब्ध होगी इसके बाद दोपहर 2:10 बजे ऐंचाना से कबरई और महोबा मेन डिपो तक सेवा जारी रहेगी। शाम 4 बजे महोबा से, 4:30 बजे कबरई और शाम 5 बजे कबरई से ऐंचाना गांव स्टैंड तक अंतिम स्टॉप होगा। यात्रियों के लिए यह सेवा उचित किराए पर उत्तम यात्रा प्रदान करेगी।

कई बार शिकायत नहीं खुला रास्ता

महोबा। खरेला के कौलाहा डेरा में एक सार्वजनिक रास्ता बंद होने से ग्रामीणों को भारी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। कस्बे के एक दबंग व्यक्ति के रास्ता बंद कर देने से बच्चों को स्कूल जाने और नागरिकों को बाजार व अन्य स्थानों पर आने जाने में भारी असुविधा हो रही है और बच्चे घूमकर विद्यालय आ जा रहे हैं। सोमवार को कस्बे वासियों ने कलेक्ट्रट पहुंचकर जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। कस्बे वासियों का कहना है कि रास्ता बंद हो जाने से साइकिल और बाइक से चलना तो दूर पैदल निकलना मुश्किल हो गया। कस्बे के उदयभान और भानुमती कहते हैं कि पिछले एक साल से स्कूल जाने में खासी मशक्कत उठानी पड़ रही है। छोटे छोटे बच्चे भारी भरकम बस्ता टांग कर लंबा रास्ता तय करके स्कूल पहुंच रहे हैं। कालीचरन कुशवाहा ने बताया कि कौलाहा डेरा मार्ग पर जगह न होने के कारण उन्होंने अपने खेतों में आवास बना लिया है, लेकिन अब उन्हें रास्ते से निकलने से मना किया जा रहा है। लोगों का आरोप है कि रास्ता बंद करने के बाद दबंग उक्त रास्ते से निकलने पर झड़का करने पर आमादा हो जाता है।

कबरई थाना क्षेत्र के गुगौरा गांव में हुई वारदात, हत्या के बाद आरोपी गांव से फरार

चाचा की हत्या कर पिता की मौत का लिया बदला

30 साल पहले पिता की हत्या में हाथ होने का था शक

- खेत पर मौका मिलते ही तमंचा से मारी गोली और फरार हो गया

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। कबरई थाना क्षेत्र के गुगौरा गांव में पिता की हत्या में हाथ होने की आशंका पर युवक ने 30 साल बाद खेत पर चाचा की गोली मार कर हत्या का बदला लिया। हालांकि सांस की आस में परिजन और पुलिस फौरन जिला अस्पताल लाई, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। वारदात के बाद आरोपी गांव फरार हो गया। इस गोलीकांड के बाद गांव में दहशत का माहौल है।

गुलाब सिंह।

गुगौरा गांव का रहने वाला गुलाब सिंह खेत की सिंचाई करने के लिए गया था, तभी वहां पहले से मौजूद उसके भतीजे मोनू सिंह ने पुरानी रंजिश मानते हुए तमंचा से गोली मार दी, जिससे गुलाब सिंह की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। कुछ देर बाद परिजनों को गोलीकांड की सूचना मिली तो वह रोते-बिलखते मौके पर पहुंचे, पुलिस के साथ जिला अस्पताल लाए, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जिला अस्पताल के डॉ. शिशुपाल ने बताया कि पुलिस जब गुलाब सिंह को लेकर यहां पहुंची, तो गुलाब सिंह की मौत हो चुकी थी।

घटना के बाद जिला अस्पताल में जुटी भीड़। अमृत विचार

गुलाब सिंह के पुत्र शिवम सिंह परिहार और पुत्री ज्योति सिंह परिहार ने बताया कि रविवार की देर शाम उनके चाचा वीरेंद्र सिंह खेत के बटाईदार देवीदीन से मिलने आए थे। पिता गुलाब सिंह भी वहां पहुंच गए और लगभग एक घंटे बातचीत करने के बाद वह खेत की ओर सिंचाई करने के लिए चले गए, जहां पहले से मौजूद मोनू सिंह ने उन्हें तमंचे से गोली मार दी, जिससे उनकी मौत हो गई। परिजनों ने आरोपी को गिरफ्तार कर कार्रवाई की मांग की है।

अपर पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति की उसके ही खेत पर ट्यूबवेल के पास उसके भतीजे ने गोली मारकर हत्या कर दी है। यह सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और साक्ष्य एकत्र कर ग्रामीणों से पूछताछ की। प्रारंभिक जांच में हत्या का आरोप जिस मोनू सिंह पर लगा है, उसके पिता की लगभग 30 साल पहले फतेहपुर में हत्या हुई थी।

मोनू सिंह को आशंका थी कि उसके पिता की हत्या उसके चाचा गुलाब सिंह ने की थी। इसी रंजिश में बदला लेने के उद्देश्य से उसने इस घटना को अंजाम दिया। तहरीर प्राप्त होते ही संबन्धित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

गिरफ्तारी के लिए चार टीमें बनीं

- अपर पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह ने बताया कि अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलते ही मुकदमा दर्ज किया जाएगा। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए एसपी के निर्देश पर चार पुलिस टीमों का गठन किया गया है। शीघ्र ही गिरफ्तारी कर घटना का खुलासा किया जाएगा।

शिविर में छूट देकर जमा किए गए बिल

महोबा। बारी पंचायत भवन में विद्युत बिल समाधान कैंप लगा। 32 उपभोक्ताओं ने विशेष छूट का लाभ उठाते हुए अपने बकाया बिलों का भुकतान कराया। काफी समय से भुगतान न करने वाले 70 उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटे।

एसडीओ धर्मेंद्र कुमार, टीजीटू अजय कुमार और खरेला जेई जयवीर सिंह के आदेश चलाकर कार्रवाई की गई, जबकि रामजी शुक्ला और मिलन विश्वकर्मा ने विलंबित बिलों वाले उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटने का कार्य किया। एसडीओ ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य उपभोक्ताओं को समय पर बिल जमा करने के लिए प्रेरित करना और राजस्व वसूली में सुधार लाना है। उन्होंने बताया कि बिजली बिल राहत योजना 2025-26' के तहत बकाया बिजली बिलों पर बड़ी छूट देने के लिए एक अभियान चलाया जला रहा है 1 दिसंबर 2025 से 28 फरवरी 2026 तक चलेगा, जिसमें 100 प्रतिशत ब्याज माफी और मूलधन पर 25 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी, जिसका लाभ 2 किलोवाट तक के घरेलू और 1 किलोवाट तक के छोटे व्यावसायिक उपभोक्ताओं को मिलेगा, जो आसान किस्तों में भुगतान कर सकते हैं और गलत बिल ठीक करवा सकते हैं। बकाया भुगतान न करने वाले उपभोक्ताओं के कनेक्शन कटेंगे।

अंडरपास में ट्रक फंसने से गाड़ियां खड़ी रहीं। अमृत विचार

अंडरपास में फंसा ट्रक दो घंटे लगा रहा जाम

संवाददाता, बेलाताल (महोबा)

अमृत विचार। कुलपहाड़-बेलाताल रोड के अंडरपास में सोमवार को दोपहर करीब एक बजे ट्रक खराब हो जाने से आवागमन ठप हो गया। करीब दो घंटे तक ट्रक ठीक न होने से नौगांव, बेलाताल के लोगों को वाया मुढारी होते हुए कुलपहाड़ आना जाना पड़ा, इससे वाहन चालकों का समय व पैसा बर्बाद हुआ।

ट्रक चालक भी मिस्त्री को लेकर ट्रक सही कराने में जुटा रहा। तीन बजे के बाद ट्रक सही होने के बाद अंडरपास से आवागमन शुरू हुआ। वहीं तमाम चार पहिया वाहन ट्रक सही होने के इंतजार में अंडरपास में ही खड़े रहे। बेलाताल रेलवे स्टेशन से पहले झांसी मानिकपुर रेल लाइन पर बने अंडरपास में रेले लाइन के नीचे वाले हिस्से में अधिक चौड़ाई न होने के कारण अचानक उसी स्थान पर ट्रक निकलते समय खराब हो गया, उसके पीछे चल रहे चार पहिया वाहन भी एकाएक रुक गए। काफी प्रयास करने के बाद ट्रक चालू न होने पर चालक कुलपहाड़ से मिस्त्री को लेकर आया। मिस्त्री ट्रक सुधारने में जुट गया, लेकिन दो घंटे बाद ट्रक स्टार्ट हो सका, इसके बाद आवागमन बहाल हुआ। अंडरपास में कभी पानी में वाहनों के फंस जाने तो कभी संकरी जगह पर वाहन खराब होने से आए दिन यातायात व्यवस्था ठप हो जाती है।

अस्पताल परिसर में खड़े मायका पक्ष के लोग। अमृत विचार

विवाहिता की हुई मौत हत्या करने का आरोप

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- मायके वालों ने कोतवाली में पति और ननदोई के खिलाफ दी तहरीर, पुलिस करेगी जांच

अमृत विचार। चरखारी कोतवाली के गौरहारी गांव में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो जाने पर मृतका के परिजनों ने उसके पति और नंदोई पर हत्या का आरोप लगाते हुए कोतवाली चरखारी में तहरीर दे दी है। तहरीर मिलने के बाद पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। विवाहिता की मौत से मायके वालों का रो रोकर बुरा हाल है।

थाना अजनर के बड़खेडा गांव निवासी दुलीचंद ने अपनी बेटी खुशबू (21) की शादी कोतवाली चरखारी गौरहारी गांव निवासी ज्ञान सिंह के साथ करीब एक तीन पहले की थी। पति शराब का लती था, जिसका खुशबू विरोध करती, इससे परिवार के लोग बहू से नाराज रहते थे। मृतका के पिता ने बताया कि पति ज्ञानसिंह और नंदोई भरत शराब पीकर घर में अक्सर झगड़ा करते हैं। जब खुशबू शराब पीने का विरोध करती थी तो उसके साथ मारपीट की जाती थी। विवाहिता ने कई बार मायके पक्ष को फोन पर अपनी व्यथा सुनाई, लेकिन मायके पक्ष ने बेटी को यह समझाकर शांत कर दिया कि धीरे धीरे सबकुछ ठीक हो जाएगा।

रविवार की रात को मायके पक्ष को सूचना मिली कि खूशबू ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। जब मायका पक्ष मौके पर पहुंचा तो उन्हें शव फांसी के फंदे से उतरा हुआ मिला, जिससे उन्हें हत्या की आशंका हुई। मृतका के पिता के दुलीचंद और चाचा धीरेंद्र ने आरोप लगाया कि शराब के नशे में पति और उसके नंदोई ने खुशबू की मारपीट की और बाद में उसे फांसी के फंदे पर लटका दिया। खूशबू के शरीर पर चोटों के निशान भी पाए गए। पुलिस का कहना है कि विवहिता के फांसी लगाकर आत्महत्या करने की सूचना मिली थी, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक चरखारी का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा।

महान गणितज्ञ रामानुजन जयंती पर गोष्ठी और प्रतियोगिताएं

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुज की जयंती पर सोमवार को सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में महान गणितज्ञ के चित्र पर संगीताचार्य जगप्रसाद तिवारी ने माल्यार्पण कर नमन किया साथ ही वक्ताओं ने रामानुज के जीवन पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को जानकारी प्रदान की। इस मौके पर गणित से संबन्धित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया, जिसमें विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

कालेज में आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते हुए प्रमुख आचार्य कृष्णचंद्र पाठक ने महान गणितज्ञ के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि जब गणित के क्षेत्र में भारतीयों के योगदान की बात होती है, तो हम

गोष्ठी को संबोधित करते संगीताचार्य। अमृत विचार

अक्सर प्राचीन काल की उपलब्धियों की ओर मुड़ते हैं। शून्य की खोज, ज्यामिति, और खगोल विज्ञान का जिक्र करते हैं, लेकिन रामानुज एक ऐसा भारतीय गणितज्ञ थे जिसने बिना किसी औपचारिक शिक्षा के दुनिया के महानतम गणितज्ञों को चकित कर दिया। बताया कि बचपन में एक किताब हाथ लगी सिंक्रोनस गणित (सिंपल मैथ्स की किताब) और इसी ने उनके जीवन का रास्ता बदल दिया। जब उन्होंने गणित के क्षेत्र में नई नई खोजें करनी शुरू कीं, तो उनकी प्रतिभा को कोई समझ नहीं पाया और आज उनकी खोजें केवल अकादमिक नहीं थ बल्कि मॉक थीटा फ़ंक्शन आधुनिक कंप्यूटर विज्ञान और क्रिप्टोग्राफी के लिए उपयोगी साबित हो रही हैं।

संगीताचार्य जगप्रसाद तिवारी ने बताया कि रामानुजन ने कम उम्र में ही गणित में गहरी रुचि दिखाई और 12 साल की उम्र तक त्रिकोणमिति पर पूरी पकड़ हासिल कर ली। औपचारिक शिक्षा में बाधाएं आईं, लेकिन गणित के प्रति उनका जुनून कम नहीं हुआ, जिससे वे अभावों में भी शोध करते रहे। बताया कि 1913 में उन्होंने ब्रिटिश गणितज्ञ जीएच हार्डी को पत्र लिखा, जिन्होंने उनकी प्रतिभा को पहचाना और उन्हें कैम्ब्रिज बुलाया, जिससे रामानुजन को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली। गोष्ठी के बाद छह से आठ तक के विद्यार्थियों की गणित से संबन्धित उल्टी गिनती, हिंदी अंग्रेजी संख्याओं का पाठन, पहाड़ा, वर्गमूल, घनमूल, अभाज्य संख्याओं की पहचान सहित मौखिक व लिखित प्रतियोगिताएं आयोजित की गई, जिसमें प्रतिभागियों ने अपने हुनर को प्रदर्शित किया। यहां विद्यालय के आचार्य व विद्यार्थी मौजूद रहे।

सरस्वती इंटर कॉलेज में लगा गणित मेला

महोबा। महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की जयंती की पर उनकी स्मृति में सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के प्रांगण में गणित मेले का आयोजन किया गया। मेले का उद्घाटन प्रधानाचार्य कमलेश सिंह ने किया। मेले में विद्यालय के छात्रों ने बढ़चढकर उत्साहपूर्वक भाग लिया और गणित मॉडल, चार्ट, गणितीय प्रयोग, चित्रकला, रंगोली, गणितीय खेल, ज्यामितीय आकृतियां की प्रदर्शनी सजाई और व्यवहारिक जीवन में गणित के उपयोग की जानकारी दी।

सदन में सिंचाई-बिजली का उठाया मुद्दा

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। शीतकालीन सत्र के दौरान विधान परिषद सदस्य जितेंद्र सिंह सेंगर ने नियम 110 के तहत चित्रकूट, महोबा, बांदा और हमीरपुर जिले के किसानों को कृषि सिंचाई के लिए सरकार से निर्बाध बिजली आपूर्ति किए जाने की मांग की है, जिससे किसानों को सिंचाई सुविधा का लाभ मिल सके। दिन के अलावा रात में भी कम से कम दस घंटे नियमित बिजली की आपूर्ति किए जाने की बिजली विभाग के अधिकारियों को आदेश दिए जाने की मांग की है।

एमएलसी ने सदन में सभापति को अवगत कराया कि वर्तमान समय में विधुत विभाग रात में अत्यधिक कटौती कर रहा हैं जिस

एमएलसी जितेंद्र सिंह सेंगर।

- एमएलसी ने दिन और रात 10-10 घंटे बिजली की उठाई मांग

कारण से किसानों को अपने खेतों की रात में सिंचाई करने में काफ़ी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। किसान रात में सिंचाई के लिए कई कई घंटे तक जागता रहता है, लेकिन बिजली गुल हो जाने से सिंचाई कार्य प्रभावित हो रहा है। आज तक कड़ाके की ठंड के बीच किसान दिन रात खेतों में सिंचाई के लिए जुटा हुआ है।

एमएलसी ने बताया कि विधुत विभाग द्वारा की जा रही कटौती को दृष्टिगत रखते हुए किसानों को अपनी फसलों की सिंचाई करने के लिए दिन में ही 10 घंटे की निर्बाध विद्युत सप्लाई किया जाना नितांत आवश्यक है जिससे किसान अपनी फसलों की सूचारू रूप से सिचाई कर सके। लोक महत्व के सूनिश्चित विषय पर सरकर का ध्यान आकर्षित करते हुए एमएलसी ने जिले के अलावा चित्रकूट धाम मंडल के सभी जिलों के किसानों को कृषि सिंचाई के लिए दिन में ही 10 घंटे की निर्बाध विद्युत सप्लाई कराकर सदन में चर्चा कराई जाने की मांग की है। एमएलसी मांग पर सभापति ने पहल की है।

क्रिसमस को लेकर चर्च में सजावट की तैयारियां

कार्यालय संवाददाता महोबा

अमृत विचार। क्रिसमस-डे को लेकर मसीही समाज के लोग तैयारियों में जोर शोर से जुटे हुए हैं। गिरजाघर की साफ सफाई और रंगाई पुताई कराने के बाद चमकाने के कार्य को अंतिम रूप दिया जा रहा है साथ ही समाज के लोगों को प्रतिदिन प्रार्थना सभा का अभ्यास कराया जा रहा है, क्रिसमस-डे को लेकर बाजार भी गुलजार नजर आ रहे है। सेंटाक्लाज की पोशाक, कैप क्रिसमस-ट्री, केक आर्डर करने की डिमांड भी बढ़ गई है। वहीं बच्चे सेंटाक्लाज की यूनीफार्म और टॉफी की खरीरदारी करने में जुटे हुए हैं, सबसे ज्यादा बिक्री सेंटा क्लाज पोशाक की हो रही है।

25 दिसम्बर को शहर के राठ रोड मिशन चौराहा के समीप स्थित चर्च पर क्रिसमसडे बड़े हर्षोल्लस और जोशो खरोश के साथ मनाया जाता है। गिरजाघर में सुबह प्रार्थना सभा होने के बाद वक्ता व अतिथि प्रभु यीशु मसीह पर प्रकाश डालते हैं साथ ही उनके बताए हुए रास्ते पर अमल करने के लिए भी प्रेरित करते हैं। चर्च में सुबह से अपरान्ह तीन बजे तक विभिन्न कार्यक्रम चलते रहते हैं, इसके बाद उपस्थित लोगों को केक और हलवा वितरित कर क्रिसमसडे की खुशियां एक दूसरे से साझा करते है। क्रिसमड-डे पर होने वाले कार्यक्रमों के मौके पर अधिकारियों, समाजसेवियों और बुद्धजीवियों आमंत्रित किया जाता है। चर्च के पादरी उपस्थित लोगों को प्रभु यीशु मसीह के बारे में जानकारी देते हैं साथ ही लोगों को यीशु मसीह के उपदेश बताए जाते हैं। क्रिसमस-डे की पूर्व संध्या में मसीही समुदाय के घरों पर सिंगिंग सांग भी शुरू हो जाते है। इस पर्व के प्रति सामुदाय के बच्चों में विशेष उत्साह दिखाई देता है। क्रिसमस-डे को लेकर बाजार में भी मसीही समुदाय के लोगों की खासी भीड़ दिखाई दे रही है। समाज के लोग बच्चों को कपड़ों के अलावा वेलून, सेंटा क्लाज पोशाक, कैप टॉफियां व अन्य सामग्री की खरीदारी में जुटे हैं। लोग घरों पर क्रिसमस ट्री को सजाने में जुटे हुए हैं।

रंगाई-पुताई के बाद चमचमाता चर्च।

रिश्तेदारों के आने से कालोनी गुलजार

जिले से ईसाई समुदाय के अधिकांश परिवार इलाहाबाद सहित अन्य स्थानों पर चले जाने से यहां पर समुदाय के लोगों की संख्या काफी कम हो गई, वहीं यहां पर रहने वाले लोगों ने बच्चियों की शादियां दूसरे जिलों में कर दी है, जिसके चलते बच्चियां भी अब क्रिसमस-डे पर्व पर ही आती हैं। यहां से जा चुके कुछ परिवार के लोग भी क्रिसमस-डे पर अपने पुराने निवास स्थानों पर आ जाते हैं, जिससे यहां पर पर्व का कार्यक्रम जोरदार तरीके से संपन्न हो जाता है। इस त्यौहार पर रिश्तेदारों के आ जाने से मिशन कालोनी और मिशन चौराहा में खासी चहल पहल बढ़ जाती है।

एपीएल टूर्नामेंट — दूसरे मैच में आखिरी ओवर की अंतिम गेंद पर हुआ हार-जीत का फैसला

जेआरपीएस और दीपक क्लब ने जीते अपने मैच

संवाददाता, बेलाताल (महोबा)

अमृत विचार। अजनर के कुरेले मैदान में चल रहे एपीएल क्रिकेट टूर्नामेंट में सोमवार को हुए दो मैचों जेआरपीएस क्लब और दीपक क्लब ने मैच जीतकर अपने अंकों में बढोत्तरी की। सीएससी क्लब और दीपक क्लब के मध्य खेला गया दूसरा मैच बड़ी रोचक रहा, जिसे देखकर दर्शक भी मैच के आखिरी तक हार जीत का फैसला देखने के लिए अपनी जगह पर मौजूद रहे।

पहला मैच जेआरपीएस और शिवम् क्लब के मध्य खेला गया जिसमे जेआरपीएस ने टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 12 ओवर मे 6 विकेट खो 118 रन बनाये। दूसरी पारी में शिवम् क्लब के बल्लेबाज मैदान पर उतरे। शुरूआत में बल्लेबाज संभालते हुए खेले और 6 ओर में 50 रन बनाए लेकिन इसके बाद गेंदबाजों ने अच्छी गेंदबाजी करते हुए 12 ओवर मे 5 विकेट लेते हुए 101 रन ही शिवम टीम को रोक दिया और जेआरपीएस ने 17 रनो से मैच जीत लिया। दूसरा मैच सीएससी क्लब और दीपक क्लब के बीच हुआ, जिसमें आम्पायरों ने दोनो टीमों के कप्तानों को फील्ड पर बुलाकर टॉस कराया, जिसे दीपक क्लब ने जीता और पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। टीम ने बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित दस ओवर में नो विकेट खोकर 88 रन सामने वाली टीम को बनाने के लिए दिये। जबाव में खेलने उतरी सीएससी क्लब बल्लेबाज लक्ष्य का पीछा उतरे, वहीं गेंदबाज भी अपनी टीम को जीत दिलाने के लिए पूरा दमखम लगाया और मैच आखिरी ओवर की लास्ट बाल तक पहुंचा, लास्ट बाल पर मैच बराबर करने के लिए एक रन की जरूरत थी, लेकिन सीएससी के बल्लेबाज रन बनाने में नाकाम रहे, जिससे दीपक क्लब एक रन से मैच जीत गया। एमायर की भूमिका अभिजीत सिह मोहम्मद माजिद व स्कोर रूपेश ने लिखा, जबकि कमेन्ट्रेटर धर्मेन्द्र शिवम दुबे मैच का आंखो देखा हाल बताया।

टीम को जीत दिलाने के प्रयास में जुटे खिलाड़ी। अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

लाभार्थियों को चयन पत्र जारी किए

चित्रकूट। मुख्य पशुचिकित्साधिकारी डॉ. एसके पांडेय ने बताया कि नंद बाबा दुग्ध मिशन योजना के तहत तीन योजनाओं की चयन प्रक्रिया पूरी कर लाभार्थियों को चयन पत्र जारी कर दिया गया है। बताया कि ये योजनाएं मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ-संवर्धन योजना, नंदिनी कृषक समृद्धि योजना और मिनी नंदिनी कृषक समृद्धि योजना है।

बैंक एवं वित्तीय संस्थानों की चेकिंग की गई

चित्रकूट। कोतवाली थाना क्षेत्र में आने वाले बैंक/वित्तीय संस्थानों की चेकिंग की गई। बैंक सुरक्षा रजिस्टर को चेक किया गया एवं ड्यूटी में लगे पुलिसकर्मियों को सुरक्षा संबंधी निर्देश दिए गए। अलार्म/सायरन, सीसीटीवी कैमरों का निरीक्षण किया गया व शाखा प्रबंधकों से सुरक्षा संबंधी वार्ता की गई। पुलिसकर्मियों ने बैंक परिसर में संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग की एवं अनावश्यक रूप से बैठे व्यक्तियों को परिसर से बाहर करने के निर्देश दिए।

दो आरोपी गिरफ्तार गांजा हुआ बरामद

चित्रकूट। थाना भरतकूप निरीक्षक अपराध अभयराज सिंह ने धीरेंद्र सिंह उर्फ धीरू पुत्र जसवंत सिंह निवासी गोबरिया बुजुर्ग को नौ किलो 150 ग्राम सूखे गांजे के साथ गिरफ्तार किया। बरगढ़ थाने के एसआई कृष्णकुमार राय ने एक महिला को 320 ग्राम सूखे गांजे के साथ गिरफ्तार किया। दोनों आरोपियों पर एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत रिपोर्ट दर्ज की गई।

चरवाहों को बांधकर बकरियां ले गए बदमाश

चित्रकूट। पाठा क्षेत्र में पशु चोरों ने रविवार को दो चरवाहों को धारदार हथियार से हमला कर घायल कर दिया। बाद में ये लोग बकरियां चुराकर ले गए और चरवाहों के हाथपैर बांधकर जंगल में छोड़ गए। जानकारी के मुताबिक, मारकुंडी निवासी सुखराम यादव और बबलू यादव सोमवार को बकरियां चलाने जंगल गए थे। यहां बदमाश पहुंचे और इनके साथ मारपीट की। धारदार हथियार से इनको गंभीर रूप से घायल कर दिया और हाथपैर रस्सी से बांधकर जंगल में छोड़ दिया। देर शाम तक घर न लौटने पर परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। जंगल में दोनों चरवाहे बंधी हुई हालत में मिले। इनको अस्पताल पहुंचाया गया। ग्रामीण बताते हैं कि यह एक सप्ताह के भीतर पाठा क्षेत्र में पशु चोरी की दूसरी घटना है। इससे पहले, मारकुंडी थाना क्षेत्र के डोंडा माफी जंगल से भी दर्जनों बकरियां चोरी हुई थीं। मारकुंडी थाना प्रभारी निशिकांत राय ने दूरभाष पर बताया कि बबलू और सुखराम बकरी चराने गए थे। उनकी बकरियां कुछ लोग मध्य प्रदेश सीमा की ओर ले गए हैं। बताया कि इनका पता लगाया जा रहा है। चोरी हुई बकरियों की संख्या लगभग 26 बताई जा रही है। गौरतलब है कि पाठा क्षेत्र के ग्रामीणों के लिए पशुपालन मुख्य आजीविका का साधन है। दूध और मावा के व्यवसाय से कई परिवारों का गुजारा होता है। लगातार हो रही पशु चोरी की घटनाओं से उनकी आजीविका प्रभावित हो रही है। पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों ने पुलिस से जंगलों में गश्त बढ़ाने और पशु तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

कंबल वितरण शुरू किया

कालपी (जालौन)। निराश्रित एवं गरीबों को सर्दी से बचाव के लिए कंबल वितरण शुरू हो गया है। तहसील प्रशासन पहले चरण में 1500 कंबल बांटे जाएंगे। यह क्रम चालू रहेगा।

लर्निंग बाई डुइंग: हुनरमंद बन रहे परिषदीय स्कूलों के बच्चे

संवाददाता, रामनगर (चित्रकूट)

अमृत विचार। प्रदेश सरकार की परिषदीय स्कूलों के बच्चों को खेल-खेल में हुनरमंद बनाने की योजना रंग लाती दिख रही है। स्कूलों में बच्चे पढ़ाई के अलावा तरह-तरह की चीजें बनाने में जुटे हैं।

दरअसल स्कूलों में सरकार लर्निंग बाई डुइंग अर्थात करके सीखो कार्यक्रम चला रही है। इसके तहत बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने की मंशा है। फिलहाल इस योजना के लिए सरकार ने सर्वाधिक छात्र संख्या वाले स्कूलों को चुना है। प्रत्येक ब्लॉक से दो स्कूल चुने जाने थे लेकिन अब इनकी संख्या में बढ़ोत्तरी हो चुकी है। इस कार्यक्रम के तहत बच्चों को जूस व खाना (पकौड़ा) बनाने से लेकर पंक्चर बनाने, खेती किसानी तक का प्रशिक्षण दिए जाने की योजना है। बीएसए ने इस संबंध में सभी खंड शिक्षाधिकारियों को चार महीने पहले ही पत्र भेज दिए थे। जानकारी के मुताबिक, एलबीडी कार्यक्रम के लिए परिषदीय स्कूलों में 50 प्रकार के सामान की खरीद की गई है। कंपोजिट विद्यालय सुहेल के शिक्षक चंद्रप्रकाश ने बताया कि उनके विद्यालय का चयन फरवरी में किया गया था। मार्च में पैसा मिला तो लगभग 50 प्रकार के सामान की खरीद की गई। बाद में विभाग से लगभग 50 प्रकार की सामग्री मिली। विद्यालय में नामांकित छात्र संख्या 00360 है। रामनगर से कंपोजिट विद्यालय सुहेल को चयनित कर इस योजना के लिए स्कूल को 28,770 रुपये की ग्रांट राशि शासन ने भेजी थी।

उपकरण बनाने की कोशिश में जुटे बच्चे। अमृत विचार

बागवानी के लिए तैयारी करते बच्चे। अमृत विचार

स्कूलों में शिक्षकों की है दिक्कत

- हालांकि इस कार्यक्रम को सुचारु करने के लिए स्कूलों में शिक्षकों की कमी की समस्या भी है। कई प्रधानाध्यापक कहते हैं कि समझ नहीं आता है कि विद्यालय के इतने काम के बाद इसके लिए कब समय निकालें। पर इसके बाद भी समय निकाला जा रहा है और बच्चों को हुनरमंद बनाने की कोशिश जारी है।

बच्चे सीख रहे हुनर

- सुहेल में विज्ञान शिक्षक देवी प्रसाद यह जिम्मेदारी निभा रहे हैं। देवी प्रसाद ने बताया कि कक्षा छह से आठ तक के बच्चे पानी की शुद्धता की जांच, मिट्टी परीक्षण, सोलर कूलर, प्लास्टिक बोतलों से खिलौने, प्राथमिक चिकित्सा किट, स्मार्ट फोन प्रोजेक्टर, पीवीसी पाइप का उपयोग कर रैक, गुलेल बनाना, खराब इलेक्ट्रिक सामग्री से एलईडी टार्च, ट्रैफिक लाइट, पवन चक्की बनाना सीख रहे हैं।

पढ़ाई के साथ-साथ दूसरी जानकारी आवश्यक : बीईओ

- बीईओ एनपी सिंह ने कहा कि जीवन में पढ़ाई के साथ साथ कई दूसरी बातों की जानकारी भी आवश्यक है। बच्चों को पढ़ाई के लिए बाहर जाना पड़ता है, वहां स्वयं भोजन भी बनाना पड़ेगा। शासन बच्चों को किताबी शिक्षा के साथ साथ आत्मनिर्भर बनने की शिक्षा भी दे रहा है। जो निर्देश मिलेंगे, उसीके अनुसार क्रियान्वयन कराया जाएगा।

फसल बेचने के लिए किसान हो रहे परेशान

संवाददाता, कालपी (जालौन)

अमृत विचार। प्रशासनिक हस्तक्षेप के बाद भी क्रय केंद्र की व्यवस्था में सुधार नहीं है। किसान अपनी फसल बेचने के लिए परेशान हो रहे हैं।

किसानों की ज्वार और बाजरा की उपज एमएसपी पर खरीदने के लिए खाद्य एवं रसद विभाग की विपणन शाखा द्वारा गल्ला मण्डी परिसर में गत 1 अक्टूबर को केंद्र खोला गया। खरीद सुचारू रूप से नवम्बर माह में ही शुरू हुई थी लेकिन शुरुआत से ही केंद्र प्रभारी पर आरोप लगने शुरू हो गये थे। आरोप था कि गैरजनपद के व्यापारियों की वह नियम तोड़कर तौल कर रही हैं, जिसकी वजह से उपज लेकर पहुंचे किसानों को इंतजार करना पड रहा है। इसके चलते स्थानीय किसानों की लाइन लम्बी होती जा रही थी और गत 10 दिसम्बर को केन्द्र पर खरीद बंद होने के समय लगभग आधा सैकड़ा किसान ट्रैक्टर ट्रॉली के साथ केंद्र पर मौजूद थे और वह तौल शुरू होने तक इंतजार भी करते रहे। आखिर जिलाधिकारी की पहल के बाद शासन ने खरीद फिर से शुरू कर दी। हालांकि केंद्र पर अफरा-तफरी न हो इसके चलते जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी गोविंद उपाध्याय तथा नायब तहसीलदार मुकेश कुमार ने किसानों को तौल के लिए नंबर बांटने के निर्देश दिए थे और मौके पर 44 किसानों को नंबर दिए गये थे लेकिन यहां भी केंद्र प्रभारी कम मात्रा की ट्राली छोड़कर अधिक मात्रा के ट्राली को पहले नम्बर दे दिया।

किसानों को लौटना पड़ सकता हैं बैरंग

- अपनी उपज एमएसपी पर बेचने के लिए किसान केंद्र पर कई कई दिनों से डटे हैं लेकिन वहां पर लगभग आधा सैकड़ा किसान मौजूद हैं जबकि एक दिन में महज चार या पांच ट्रैक्टर ट्राली की तौल हो पा रही है और तौल के लिए महज एक सप्ताह शेष है। ऐसे में सभी किसानों की तौल संभव नहीं है।

मनरेगा को खत्म करना राष्ट्रपिता का अपमान, किया विरोध-प्रदर्शन

वाम दलों ने भाजपा पर लगाया आरोप, विधेयक की प्रतियां भी जलाई गईं

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

अमृत विचार। वामदलों के राष्ट्रीय आह्वान पर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को मनरेगा का नाम बदलकर दूसरी योजना लाने पर विरोध प्रदर्शन किया। इनका कहना था कि भाजपा सरकार ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का अपमान किया है।

सीपीआई जिला सचिव अमित यादव एडवोकेट और सीपीएम जिला सचिव रुद्र प्रसाद मिश्र एडवोकेट की अगुवाई में वामपंथी, किसान और मजदूर मजदूर किसान विरोधी ये सरकार नहीं चलेगी, राष्ट्रपिता का यह अपमान, नहीं सहेगा हिन्दुस्तान, जी राम जी विधेयक वापस लो, इंकलाब जिंदाबाद आदि नारे लगाते हुए कचहरी प्रांगण से चलकर तहसील मुख्यालय पहुंचे। यहां जी-राम जी विधेयक 2025 की प्रतियां जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। रुद्र प्रसाद मिश्रा ने कहा कि दुर्भाग्य है कि आजादी के महानायक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नाम पर दुनिया की सबसे बड़ी ऐतिहासिक योजना, जिससे दुर्दिन में करोड़ों खेत मजदूरों को काम की गारंटी मिली हुई थी, सरकार ने खत्म कर दी। कटाक्ष किया कि भाजपा सरकार को महात्मा गांधी से इतनी नफरत है कि मनरेगा को रिप्लेस करके विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन कर ग्रामीण बिल लाकर मनरेगा की हत्या कर दी। रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण बिल लाकर मनरेगा की हत्या कर दी। अमित यादव ने कहा कि मनरेगा में 90 प्रतिशत बजट केंद्र और 10 प्रतिशत बजट प्रदेश सरकारें देती थीं। इसके ठीक विपरीत नए कानून में केंद्र सरकार को 60 प्रतिशत बजट और प्रदेश सरकारों को 40 प्रतिशत बजट की व्यवस्था करनी होगी। प्रदेश सरकारें जो बड़े कर्जों में फंसी हैं, कुछ भी नहीं कर पाएंगी। केंद्र सरकार अतिरिक्त धन की व्यवस्था नहीं करेगी तो परिणाम होगा कि योजना अंतिम सांस लेने लगेगी और सरकार को इस योजना को बंद करने का आसान बहाना मिल जाएगा। इस मौके पर राजेंद्र कुमार, सुशील सिंह, कमलेश कुमार, हनुमान, राजधर, विष्णु, पीर अली, गोविंद, रामनरेश, रणधीर, शिव प्रसाद आदि रहे।

मनरेगा को खत्म कर नई योजना लाने का विरोध करते वामपंथी। अमृत विचार

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 20 वर्ष की कैद

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

अमृत विचार। न्यायालय विशेष पॉक्सो एक्ट ने नाबालिग से दुष्कर्म, गालीगलौज व जान से मारने की धमकी देने में दोषी को 20 वर्ष का कारावास की सजा सुनाई।

14 जुलाई 2020 को थाना मानिकपुर अंतर्गत एक गांव निवासी व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि आरोपी जग्गू उर्फ मनोज ने उसकी नाबालिग बेटी से तब दुराचार किया, जब वह शौच के लिए खेत गई थी। उसने उसे गालीगलौज कर जान से मारने की धमकी भी दी। इस मामले की विवेचना तत्कालीन क्षेत्राधिकारी विजयेंद्र द्विवेदी ने की थी। 17 जुलाई 20 को आरोपी को गिरफ्तार किया गया था। अपर सत्र न्यायाधीश विशेष पॉक्सो एक्ट रेनू मिश्रा ने जग्गू को 20 वर्ष के कठोर कारावास व 7000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। प्रभारी निरीक्षक मानिकपुर श्रीप्रकाश यादव, पैरोकार मुख्य आरक्षी अजय तथा मानीटरिंग सेल प्रभारी प्रभुनाथ यादव की गहन पैरवी एवं अपर जिला शासकीय अधिवक्ता विशेष पॉक्सो एक्ट तेज प्रताप सिंह की प्रभावी बहस के फलस्वरूप दोषी को सजा मिली।

एक ही रात तीन घरों में चोरी

चित्रकूट। बहिलपुरवा थाना क्षेत्र के सेमरदहा गांव में रविवार रात चोरों ने तीन घरों पर हाथ साफ किया। चोरों ने नन्हा यादव, संतोष कोटार्य और बृजकिशोर त्रिपाठी के घरों को निशाना बनाया। माना जा रहा है कि चोर रात के अंधेरे में छत के रास्ते घरों में दाखिल हुए। चोर जेवर, नगदी और कपड़ों से भरे बक्से सहित अन्य सामान चुरा ले गए। सुबह जागने पर इसकी जानकारी हुई। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच की।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें
वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
मैने अपना नाम MANOJ KUMAR VERMA से बदलकर MANOJ KUMAR रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-RAM KISAN ADD-100, GALI NO-7 HARI VRANDAVAN CITY, DIST-MUZAFFAR NAGAR-251001(U.P.)

सूचना
मैने अपना नाम RAJJAN LAL SONKER से बदलकर RAJJAN LAL रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-FATTEH LAL ADD-15, DAYAL FORT VISHNUPURI THIRD, ALIGANJ, VIKAS NAGAR DIST-LUCKNOW-226022 (U.P.)

सूचना
मैंने अपना नाम HASHMI KHATOON SAYYAD JABBAR ALI से बदल कर HASHMI KHATOON रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। W/O:JABBAR ALI R/O:10, RAIPUR ALLU NAGAR DIGURIA IIM MUBARAKPUR LUCKNOW UTTAR PRADESH 226013

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं शपथनी **जमीला पत्नी तनवीर अहमद, निवासी ग्राम नेवादा पोस्ट व थाना सादुल्लाह नगर तहसील उतरौला जनपद बलरामपुर (उ.प्र.)** की हूँ। मेरे आधार कार्ड एवं अन्य अभिलेखों में मेरा नाम JAMILA अंकित है, जो सही है। त्रुटिवश मेरे पति तनवीर अहमद के पासपोर्ट संख्या-G0729014 में मेरा नाम JAMILA KHATOON अंकित हो गया था। JAMILA एवं JAMILA KHATOON दोनों नाम मेरे ही हैं। अतः मेरे पति के पासपोर्ट में मेरा सही नाम JAMILA अभिलेखित किया जाए।

सूचना
यह घोषित किया जाता है कि मूल बिक्री अभिलेख परवेज अहमद बहैसियत मुख्तारआम मो0 जहूर बही संख्या-4 जिल्द संख्या 888 के पृष्ठ संख्या-73 के 84 तक क्रमांक 737 पर दिनांक 27.07.2018 को क्रेता पार्वती सिंह पत्नी बद्री नारायण सिंह निवासिनी ग्राम बरनाटीकर तहसील गौरीगंज जिला अमेठी के नाम की गई थी। बाद में मंजूलता पुत्री रामलखन शुक्ला के नाम किया गया है। पार्वती सिंह के रजिस्ट्री दस्तावेज फोटोकापी कराते समय कहीं पर गुम हो गए हैं। पूरी खोजबीन के बाद भी दस्तावेज प्राप्त नहीं हुआ है। उक्त दस्तावेज का कोई भी उपयोग अनधिकृत माना जाएगा तथा दुरूपयोग की स्थिति में आवश्यक कानूनी कार्यवाही हेतु यह घोषणा प्रस्तुत की जा रही है।

सूचना
सूचित हो मैं जीत रस्तोगी पुत्र स्व0 आकाश दीप रस्तोगी निवासी म0नं0-एच-4/114, आम्रपाली योजना, हरदोई रोड, लखनऊ का हूं। शपथी अपनी मां श्रीमती शैफाली रस्तोगी व बहन ऐश्वर्या रस्तोगी से अपने समस्त सम्बन्ध समाप्त कर रहा है। शपथी अपनी मां व बहन से किसी प्रकार का सामाजिक व वैधानिक सम्बन्ध अब नहीं रहा है, वे अपने कृत्य के स्वयं जिम्मेदार होंगे। शपथी की मां व बहन के द्वारा किसी से भी किसी प्रकार के लेन-देन अथवा उनके किसी प्रकार के कृत्यों से शपथी का कोई वास्ता व सरोकार नहीं रहेगा।
—शपथी

सूचना
मैं **नैन्सी कुमारी थारू पुत्री श्री कामता प्रसाद थारू निवासिनी-** 1278, **अलीनगर सुनहरा, मानस नगर, कृष्णा नगर, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226023,** मैने शैक्षिक सत्र वर्ष 2023-24 में हाईस्कूल की परीक्षा उत्तीर्ण की है। शैक्षिक सत्र सन् 2024 से अबतक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करती रही गैप समय में मैने किसी भी सरकारी या गैर सरकारी संस्थान में प्रवेश नहीं लिया है। मेरे द्वारा दिया गया विवरण पूर्णरूप से सत्य व सही है।

सूचना
मैने अपना नाम SUNIT KUMAR SONKER से बदलकर SUNIT KUMAR SONKAR रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-RAJJAN LAL ADD-15, DAYAL FORT VISHNUPURI THIRD, ALIGANJ, VIKAS NAGAR, POST-VIKAS NAGAR DIST-LUCKNOW-226022(U.P.)

सूचना
मैं **रमन लाल जैन पुत्र उमाशंकर निवासी मोहल्ला पूर्वी टोला पैतेपुर देहात तहसील महमूदाबाद जिला सीतापुर,** मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम रमन लाल जैन अंकित है जबकि पासपोर्ट पर रमन जैन दर्ज है दोनों नाम सही है और दोनों नाम एक ही व्यक्ति के है।

सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैने किसान विकास पत्र पंजीकरण संख्या 12759 उप डाकघर कौड़िया बाजार गोंडा से बिट्टू रानी के नाम से खरीदा था जबकि आधार कार्ड व बैंक खाता मे मेरा नाम लता अंकित है। यह दोनों नाम मेरे ही है तथा मुझे अब दोनों नामों से जाना पहचाना जाए। – **श्रीमती लता उर्फ बिट्टूरानी पत्नी शिवकुमार निवासिनी ग्राम–चौबेपुरवा, पोस्ट–रामापुर, परगना–गोंडा, तहसील– कर्नलगंज, जिला–गोंडा (उप्र)**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि Tirath Ram एवं Teerath Ram दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं, जिनमें सही नाम Tirath Ram है। नाम में अंतर मात्र वर्तनी की त्रुटि है। आधार, पैन व मतदाता पहचान पत्र में नाम Tirath Ram तथा बैंक पासबुक में Teerath Ram अंकित है। **पिता का नाम सदई, निवासी फकीर पूरी, गिरिजापुरी, जनपद बहराइच है। यह सूचना अभिलेख/बैंक में नाम एकरूपता हेतु प्रकाशित की जा रही है।**

सूचना
मैं अपने बालिग पुत्र मो. अदनान को उसके गलत आचरण व प्रेमविवाह अपनी मर्जी से करने के कारण अपनी चल अचल संपत्ति व घर एवं अपने कारोबार से बेदखल करता हूं, वह अपने अच्छे बुरे व पैसो का लेने देन के स्वयं जिम्मेदार होगे। भविष्य में मेरे पुत्र मो. अदनान व उसकी पत्नी जैनब फातमा के माध्यम घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न होता हे तो मेरे व मेरे परिवार का कोई लेना-देना एवं सरोकार नहीं होगा। **इरशाद अहमद पुत्र स्वर्गीय नूर मोहम्मद निवासी- न्यू चुंगी पांच ब्लॉक बी, 150 फीट रोड, जाजमऊ कानपुर नगर।**

एसडीएम ने आवासीय विद्यालय का किया दौरा

संवाददाता, कालपी (जालौन)

अमृत विचार। सोमवार शाम एसडीएम मनोज कुमार सिंह ने छौंक स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पठन-पाठन के साथ सर्दी से बचाव की व्यवस्था भी देखी। सर्दी अब पूरे शबाब में है ऐसे में प्रशासनिक अधिकारी सक्रिय हो गये है। इसी के चलते सोमवार शाम उपजिलाधिकारी मनोज कुमार सिंह ने छौंक गांव स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय की शिक्षण व्यवस्था परखने के लिए छात्राओं से अंग्रेजी में कविता भी सुनी। विद्यालय की कक्षा 7 की छात्रा अलसफा कविता सुना दी तो एसडीएम ने शिक्षण व्यवस्था की तारीफ भी की। इस दौरान उन्होंने वहां रह रही छात्राओं के रहने और सोने की व्यवस्था देख सर्दी से बचाव के लिए किए गए इंतजामों को भी परखा और हेड वार्डन को व्यवस्था दुरुस्त रखने की भी हिदायत दी। इस मौके पर वार्डन सीमा निरंजन, प्रियंका भदौरिया रहीं।

सीबीआई करे कोषागार घोटाले की जांच

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

- **सपा विधायक ने सदन में उठाया जिला कोषागार का मुद्दा**

अमृत विचार। सदर विधायक अनिल प्रधान ने सोमवार को विधानसभा में नियम 51 के तहत जिला कोषागार का मुद्दा उठाया। सपा विधायक ने इस मुद्दे की सीबीआई जांच कराने की मांग की। इसके अलावा उन्होंने जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था संबंधी बातें भी सदन में रखीं।

विधायक का कहना था कि चित्रकूट में जिला कोषागार में लगभग 100 करोड़ रुपये का घोटाला किया गया है। इसमें अबतक 93 पेंशनरों के खातों में 43 करोड़ रुपये भेजे जाने की पुष्टि भी हो चुकी है। लगभग तीन महीने की जांच के बाद 32 लोगों को जेल भेजा गया और तीन करोड़ 66 लाख रुपये की रिकवरी की गई। इसी तरह धीमी गति से जांच हुई तो पूरी रिकवरी में कई साल लग सकते हैं। बताया कि प्रकरण की जांच ईडी को सौंपे जाने की सूचना मिल रही है। संभावना है कि स्थानीय अधिकारियों ने इतने बड़े घोटाले की जांच सही से नहीं की। सवाल यह है कि 2017 से 2025 तक यह घोटाला हुआ, हर वर्ष आडिट होता रहा पर टीम इस घोटाले को पकड़ नहीं पाई। उन्होंने इस अवधि के दौरान सभी वरिष्ठ कोषाधिकारियों और भुगतान में लगे कर्मचारियों की भूमिका और उनकी संपत्तियों की जांच की आवश्यकता बताई। उन्होंने सदन से घोटाले की सीबीआई जांच कराने और सदन में सरकार से इस मुद्दे पर वक्तव्य की मांग की। विधायक ने प्रदेश और जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था का भी मुद्दा उठाया। बताया कि चित्रकूट जिले में बदहाल व्यवस्था, डाक्टरों की कमी का मामला उन्होंने कई बार सदन मे उठाया पर कोई ध्यान नहीं दिया गया।

मौसम | एक्यूआई चिंताजनक, चिकित्सक बोले- सावधानी बरतें

अब जिले की हवा भी सामान्य नहीं, प्रदूषण का असर यहां भी

अभिनव राज त्रिपाठी, मऊ (चित्रकूट)

अमृत विचार। मशहूर शायर शहरयार की मशहूर पंक्तियां, सीने में जलन आंखों में तूफान सा क्यूं है, इस शहर में हर शख्स परेशान सा क्यूं है... लिखी चाहे किसी और वजह से गई हैं पर ये यहां दूसरी वजह से मौजूं हैं। हवा में प्रदूषण का जहर अब जिले में भी चिंताजनक बन रहा है। जानकारों के मुताबिक, यहां का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) सामान्य स्तर से ऊपर जा चुका है।

बड़े शहरों में प्रदूषण और पर्यावरण की स्थिति को बताने वाले एयर क्वालिटी इंडेक्स के ग्राफ में चित्रकूट का स्तर सोमवार को 150 के पास था, जिसे सही नहीं कहा जा सकता। चिंता की बात यह है कि इस संबंध में लोग जागरूक नहीं। दिल्ली, नोयडा आदि जगहों पर चर्चा और चिंता का विषय बन चुका एक्यूआई से यहां सामान्य व्यक्ति अंजान है। लोगों को इसके नुकसान के बारे अभी सही से जानकारी नहीं है और न ही इस संबंध में कोई जागरूकता अभियान ही चलाया जा रहा है। हालांकि बड़े शहरों में वायु प्रदूषण इस भयावह सच को उजागर कर रही हैं कि अगर अब भी नहीं चेते तो देर हो जाएगी।

पहाड़ी-राजापुर मार्ग ओवर ब्रिज पर पसरा कोहरा।

गिरते पारे में बढ़ जाता है वायु प्रदूषण

- पिछले कई दिनों से तेजी से बदलते मौसम के बीच गिरते पारे ने ठिठुरन महसूस कराई है तो वहीं बढ़ता वायु प्रदूषण चिंता का कारण बनता जा रहा है। दीनदयाल शोध संस्थान के मौसम केंद्र गनीवा में मौसम पर्यवेक्षक अंकुर त्रिपाठी ने बताया कि बीते दिन दोपहर बाद मौसम ने तेजी से करवट बदली। घना कोहरा ने एयर क्वालिटी इंडेक्स का ग्राफ बढ़ाने में काफी असर पैदा कर रहा है। इससे अधिकतम तापमान 3 .6 डिग्री की गिरावट के साथ 18 .0 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान गिरकर आठ डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है।

बिछ गई सड़कों में स्मॉग की चादर

- बढ़ते धुंध और प्रदूषण के कारण स्माग (धुएं और कोहरे का मिश्रण, धुआंसा) की चादर सुबह शाम सड़कों पर बिछी नजर आती है। वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआई भी 150 के आसपास घूम रहा है, जबकि यह अब तक 100 से नीचे ही था। मौसम विभाग ने उत्तर-पश्चिम की ओर से चलने वाली हवाओं की वजह से कोहरा पड़ने की संभावना जताई है।

वाहन और ईंट भट्टों की वजह से भी प्रदूषण

- चित्रकूट जनपद में वायु प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण झांसी मिर्जापुर राष्ट्रीय राजमार्ग से प्रतिदिन हजारों की संख्या में छोटे बड़े वाहनों का धुंआ भी है। कई ईंट भट्टे भी इसमें अपना योगदान दे रहे हैं। अभी पिछले माह जनपद कौशांबी में बड़े पैमाने पर पराली जलाना भी प्रदूषण में शामिल रहा है।

पंद्रह दिन से दिख रहा स्मॉग का प्रभाव

- जनपद चित्रकूट में स्माग का प्रभाव एक सप्ताह से जारी है पर इसमें तेजी पिछले तीन से चार दिनों में देखने को मिली है। सुबह के समय एक्यूआई 150 तक पहुंच जाता है, शाम को यह 130 से 140 के बीच दर्ज किया जाता है।

प्रदूषण से बीमारियों की आशंका

- हाल ही किए गए विभिन्न शोध के मुताबिक, वायु प्रदूषण टाइप टू डायबिटीज के खतरे को भी बढ़ा सकता है। एक रिसर्च में यह पाया गया कि लगातार प्रदूषित हवा में रहने से शरीर में शुगर के स्तर में बढ़ोतरी हो रही है। बढ़ते प्रदूषण से लोग एलर्जी का शिकार हो रहे हैं। प्रदूषित हवा में बीड़ी या सिगरेट के धुएं के साथ जहरीले तत्व भी शरीर में प्रवेश कर जाते हैं, जिससे फेफड़े के कैंसर का खतरा और बढ़ जाता है।

इंफेक्शन की बड़ी वजह है एक्यूआई : प्रखर निगम

- मऊ सीएचसी के डॉ. प्रखर निगम बताते हैं कि सर्दियों में रेगुलर ओपीडी में बच्चों और बुजुर्गों में अपर रेस्पिरेटरी इन्फेक्शन के मामले बढ़ गए हैं। ज़्यादातर लोग इसे क्लाइमेट प्रॉब्लम मानेंगे पर असली वजह खराब एक्यूआई है। मऊ, चित्रकूट में एक्यूआई 150 तक पहुंच रहा है, जो घातक है।

गर्भवती महिलाओं को हो सकती है दिक्कत : विनोद कुमार

- आंख, कान एवं गला रोग विशेषज्ञ डॉ. विनोद कुमार रावत बताते हैं कि बच्चों, गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और गंभीर बीमारियों से ग्रस्त लोगों की सेहत पर हवा बुरा असर डालती है। लोगों को सांस लेने में दिक्कत, हार्ट अटैक, ब्रीदिंग प्रॉब्लम, आंखों में जलन, हियरिंग प्रॉब्लम होती हैं।

अमृत विचार

मंगलवार, 23 दिसंबर 2025

किसी को सिर्फ अपने धर्म का सम्मान और दूसरों के धर्म की निंदा नहीं करनी चाहिए।
–सम्राट अशोक

ठोस कूटनीति की जरूरत

बांग्लादेश में आम चुनाव से पहले जिस तरह तेज हुई हिंसा में हिंदू समुदाय, उनकी संपत्तियों व मंदिरों को निशाना बनाया जा रहा है, निरपराध हिंदू युवक को ईशनिंदा के झूटे बहाने से मारा गया, वह घोर चिंता का विषय है। ऐसे में मोहन भागवत का 'बांग्लादेश में हिंदू एकजुट हों' वाला बयान भावनात्मक रूप से प्रेरक भले लगे, पर जब वहां के हिंदू अल्पसंख्यक सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से बेहद कमजोर हैं, तो केवल एकजुटता का आह्वान उन्हें कितना सुरक्षित कर पाएगा? बांग्लादेश में हिंदुओं की आबादी अब कुल जनसंख्या का सात प्रतिशत से थोड़ा ही अधिक रह गई है। लोकतंत्र संख्या का खेल है; ऐसे में सवा करोड़ से कम लोगों की आवाज़ सत्ता-संरचना तक कैसे पहुंचेगी?

गोपालगंज, मौलवी बाजार और ठाकुरगांव जैसे कुछ जिलों में हिंदुओं की हिस्सेदारी किंचित उल्लेखनीय है, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर वे बिखरे हुए हैं। इस बिखराव और अल्पसंख्यक स्थिति में 'एकजुटता' का अर्थ नैतिक बल से आगे नहीं बढ़ पाता, क्योंकि उनके पास न धन है, न पद, न प्रशासन और न सुरक्षा तंत्र में पर्याप्त प्रतिनिधित्व। एकजुटता के उपदेश से इतर प्रताड़ित हिंदुओं को कैसे प्रतिकार करना है, इस पर ठोस मार्गदर्शन आवश्यक है, केवल चिंता और नैतिक समर्थन से जमीनी हालात कैसे बदलेंगे? पिछले 16 महीनों में हिंदुओं को निशाना बनाने की शताधिक घटनाएं हुई हैं, पर अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं की चुप्पी जारी है। क्या इस मौन को तोड़ने के लिए पर्याप्त कूटनीतिक दबाव बनाया गया? विश्व हिंदू परिषद जैसे संगठनों के आह्वान से कुछ असर शायद ही पड़े। शेख हसीना की भारत में मौजूदगी को बहाना बनाकर भारत-विरोधी माहौल बनाया जा रहा है, लेकिन मूल कारण सत्ता-संघर्ष, कट्टरता और दंडहीनता की संस्कृति है। भारत के लिए यह केवल भावनात्मक या धार्मिक मुद्दा नहीं, बल्कि विदेश नीति और क्षेत्रीय स्थिरता का प्रश्न है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता द्वारा हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की हत्या के दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की अपील ही पर्याप्त नहीं। यह भी सच है कि कट्टरपंथी इस्लामिस्ट समूह और भारत-विरोधी ताकतें इस हिंसा से लाभ उठा रही हैं। ऐसे में भारत को बांग्लादेश पर यह स्पष्ट दबाव बनाना होगा कि अल्पसंख्यकों विशेषकर हिंदुओं की जान-माल की सुरक्षा उसकी संवैधानिक जिम्मेदारी है। बांग्लादेश में हिंदू आबादी का निरंतर सिकुड़ना भारत और वैश्विक समुदाय दोनों के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। द्विपक्षीय वार्ताओं, व्यापारिक और कनेक्टिविटी समझौतों में मानवाधिकार की शर्तों को जोड़ना होगा।

तात्कालिक तौर पर भारत को अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर मुद्दा उठाना, संयुक्त राष्ट्र और मानवाधिकार संस्थाओं को सक्रिय करना और पीड़ितों के लिए तत्काल राहत व कानूनी सहायता सुनिश्चित करनी चाहिए। दीर्घकालिक उपायों के तहत हमें अल्पसंख्यक सुरक्षा को बांग्लादेश के साथ रिश्तों की अनिवार्य शर्त बनाना होगा। बांग्लादेशी हिंदुओं की सुरक्षा बयानों और आधे-अधूरे उपायों से नहीं, बल्कि संगठित अंतर्राष्ट्रीय दबाव, सुसंगत कूटनीति और ठोस कार्रवाई से ही सुनिश्चित हो सकती है और यही समय की मांग है।

प्रसंगवश

एक उत्सव दिव्यांगजनों की रचनात्मकता का

नेताजी सुभाषचंद्र बोस की इंडिया गेट पर जहां आदमकद मूर्ति स्थापित है, उसके आसपास बीते दिनों रोज हजारों लोग पहुंच रहे थे। ये सब नेताजी की मूर्ति को नमन करने के बाद दिव्यांगजनों की प्रतिभा, रचनात्मकता और उद्यमिता को देखकर मंत्रमुग्ध हो रहे थे। मौका था दिव्य कला मेला-2025 का। अब इस तरह के मेले देश के सभी राज्यों में आयोजित हो रहे हैं। इस मेले में आए दिव्यांग कलाकारों और उद्यमियों के स्टॉल लगे, जहां वे हस्तशिल्प, चित्रकला, ज्वेलरी, खाद्य उत्पाद और अन्य हस्त निर्मित वस्तुओं का प्रदर्शन कर रहे थे। यह मेला दिव्यांगों की क्षमताओं को मुख्यधारा में लाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। ऐसे मेलों का आयोजन न केवल दिव्यांगजनों को आर्थिक अवसर प्रदान करता है, बल्कि समाज में समावेशिता की भावना को मजबूत करता है।

दिव्य कला मेला जैसे आयोजनों के लाभ बहुआयामी हैं। सबसे पहले, ये आर्थिक सशक्तिकरण के सशक्त माध्यम हैं। भारत में करोड़ों दिव्यांगजन हैं, जिनमें से कई ग्रामीण क्षेत्रों से आते हैं और रोजगार के अवसरों से वंचित रहते हैं। ऐसे मेलों में स्टॉल लगाने का अवसर मिलने से वे अपने उत्पादों को सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचा सकते हैं। उदाहरण के लिए, इस वर्ष के मेले में 28वें संस्करण में सैकड़ों दिव्यांग उद्यमी भाग लेने आए, जो अपने हस्तशिल्प को बेचकर आय अर्जित कर रहे हैं।

विवेक शुक्ला
पूर्व सूचना अधिकारी, यूएई एंबेसी

यह न केवल उनकी आर्थिक स्वतंत्रता बढ़ाता है, बल्कि उन्हें बाजार की समझ भी देता है। सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली सहायता, जैसे यात्रा भत्ता और स्टॉल की सुविधा, इन व्यक्तियों को बिना किसी अतिरिक्त बोझ के भाग लेने की अनुमति देती है। इन्हें रहने के लिए प्रतिदिन 2200 रुपये मिले। परिणामस्वरूप, कई दिव्यांगजन छोटे व्यवसाय स्थापित कर आत्मनिर्भर बनते हैं, जो गरीबी उन्मूलन में योगदान देता है।

दूसरा प्रमुख लाभ सामाजिक समावेशिता का है। समाज में दिव्यांगजनों के प्रति अक्सर पूर्वाग्रह और दया की भावना रहती है, लेकिन ऐसे मेलों से यह धारणा बदलती है। मेले में एक 'एक्सेसिबिलिटी सिमुलेशन जोन' जैसी सुविधाएं हैं, जहां सामान्य लोग दिव्यांगता की चुनौतियों का अनुभव कर सकते हैं। इससे सहानुभूति और समझ बढ़ती है, जो एक समावेशी समाज की नींव रखती है। दिल्ली जैसे महानगर में इंडिया गेट पर आयोजित होने से यह मेला बहुत बड़ी संख्या में पर्यटकों और स्थानीय निवासियों को आकर्षित करता रहा, जो दिव्यांग कलाकारों की प्रतिभा को देखकर प्रेरित हुए। इससे दिव्यांगजन मुख्यधारा में शामिल महसूस करते हैं और उनकी आत्मविश्वास बढ़ता है।

दिव्य कला मेला में प्रदर्शित उत्पाद भारतीय संस्कृति की विविधता को भी दर्शाते हैं। राजस्थानी हस्तकला से लेकर पूर्वोत्तर के बांस उत्पाद तक। यह न केवल सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करता है, बल्कि दिव्यांग कलाकारों को अपनी कला को वैश्विक स्तर पर ले जाने का मौका देता है। मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम, नृत्य और संगीत प्रदर्शन होते रहे, जो दिव्यांगजनों की बहुमुखी प्रतिभा को उजागर करते हैं। इससे युवा पीढ़ी प्रेरित होती है और दिव्यांग बच्चे अपने सपनों को साकार करने के लिए उत्साहित होते हैं। पर्यावरणीय दृष्टि से भी ये मेला लाभदायक हैं, क्योंकि कई उत्पाद पर्यावरण-अनुकूल सामग्रियों से बने होते हैं, जो सतत विकास को बढ़ावा देते हैं। कुल मिलाकर, ऐसे मेलों से समाज का सामूहिक विकास होता है, जहां हर व्यक्ति की क्षमता का सम्मान किया जाता है।

जापान में बढ़ती ब्याज दरें व रिजर्व बैंक की रणनीति

रजत मेहरोत्रा
वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

दुनिया की वित्तीय व्यवस्था में जापान का स्थान हमेशा 'सस्ते पैसे' के सबसे बड़े स्रोत की तरह रहा है। दशकों तक जापान में ब्याज दरें लगभग शून्य रहीं, जिससे वैश्विक निवेशकों को येन में बहुत कम लागत पर उधार लेकर अमेरिका, यूरोप और भारत जैसे देशों में ऊंचे रिटर्न वाली संपत्तियों में निवेश करने का अवसर मिला। इसे 'येन कैरी ट्रेड' कहा जाता है, लेकिन अब यह व्यवस्था पलट रही है। दिसंबर 2025 में बैंक ऑफ जापान ने नीति दर बढ़ाकर 0.75% कर दी। यह लगभग 30 वर्षों के उच्च स्तर के करीब माना जा रहा है। इसी के साथ जापान के 10-वर्षीय सरकारी बॉन्ड (JGB) की यील्ड 2% के ऊपर निकल गई और एक बिंदु पर 2.005% तक दर्ज हुई। यह बदलाव सिर्फ जापान की घरेलू महंगाई या नीति का विषय नहीं, बल्कि वैश्विक पूंजी प्रवाह, बॉन्ड यील्ड, मुद्रा बाजार और उभरते देशों की वित्तीय स्थिरता के लिए बड़ा संकेत है।

दुनिया के लिए चिंता की पहली वजह यही है कि जापान का 'लो-रेट युग' खत्म होने की ओर बढ़ रहा है। जब जापान में रिटर्न बढ़ता है, तो जापानी निवेशक, जो वर्षों से विदेशी बॉन्ड और इक्विटी के बड़े खरीदार रहे हैं, अपनी पूंजी देश में वापस लाने लगते हैं या कम से कम नई विदेशी खरीद घटा देते हैं। इसका असर अमेरिका व यूरोप के बॉन्ड बाजार तक पहुंचता है। मांग घटेगी तो यील्ड बढ़ सकती है और यील्ड बढ़ेगी तो वैश्विक उधारी महंगी होगी। पहले से बड़े कर्ज बोझ से जूझ रही सरकारों और कंपनियों के लिए यह दबाव बहुत संवेदनशील है। इसके अलावा, कई हेज फंड और संस्थागत निवेशक जापानी येन में उधार लेकर वैश्विक बाजारों में जोखिम वाली संपत्तियों (शेयर, हाई-यील्ड बॉन्ड, इमर्जिंग मार्केट एसेट्स) में निवेश करते थे। ब्याज दर बढ़ते ही कैरी ट्रेड का फायदा कम होता है और अचानक 'पोजिशन अनवाइंडिंग' होती है, जिससे दुनियाभर के शेयर बाजारों में उतार-चढ़ाव तेज हो सकता है।

जापान का 'लो-रेट युग' खत्म होने की ओर बढ़ रहा है। जब जापान में रिटर्न बढ़ता है, तो जापानी निवेशक अपनी पूंजी देश में वापस लाने लगते हैं या कम से कम नई विदेशी खरीद घटा देते हैं।

दूसरी बड़ी चिंता मुद्रा बाजार से आती है। दिलचस्प बात यह है कि दर बढ़ाने के बाद भी येन में कमजोरी देखी गई और डॉलर के मुकाबले येन करीब 157.38 तक चला गया। वित्त मंत्रालय ने संकेत दिए कि यदि मुद्रा में 'अत्यधिक, एकतरफा' चाल हुई तो कार्रवाई हो सकती है और बाजार में यह चर्चा भी रही कि 160 के आसपास की स्थिति पर सख्ती संभव है। मुद्रा की यह अस्थिरता भारत जैसे देशों के लिए इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि वैश्विक निवेशक जब जोखिम से बचते हैं, तो उभरते बाजारों से पूंजी निकालकर डॉलर जैसी सुरक्षित मुद्रा की ओर जाते हैं। ऐसे में रुपया दबाव में आता है और रुपये पर दबाव आते ही आयात महंगा होने लगता है।

अब प्रभाव भारत पर कैसे आएगा? पहला असर विदेशी पोर्टफोलियो निवेश के माध्यम से दिखता है। 2025 में भारतीय इक्विटी बाजारों से विदेशी संस्थागत निवेशकों ने कुल मिलाकर लगभग 1.58 लाख करोड़ की निकासी की रिपोर्टें सामने आईं। जब जापान में रिटर्न बढ़ता है और ग्लोबल जोखिम भावना बदलती है, तो इस तरह के आउटफ्लो का दबाव दोबारा तेज हो सकता है, खासकर तब जब वैश्विक फंड 'सेफ' एसेट्स की ओर शिफ्ट करते हैं। इससे भारतीय शेयर बाजार में अस्थिरता बढ़ेगी और जिन कंपनियों में विदेशी हिस्सेदारी ज्यादा है, उनके शेयरों पर ज्यादा दबाव देखा जा सकता है। बाजार अस्थिर होने पर कंपनियों के लिए नई पूंजी जुटाना भी महंगा पड़ता है। आईपीओ, क्यूआईपी या बॉन्ड इश्यू सब पर प्रभाव पड़ता है।

दूसरा असर उधारी लागत और बॉन्ड यील्ड के रास्ते आता है। वैश्विक यील्ड ऊपर जाने का मतलब यह है कि भारत की कंपनियां जब विदेशी मुद्रा में बॉन्ड जारी करती हैं या विदेश से कर्ज लेती हैं, तो उनकी लागत बढ़ सकती है। इंफ्रास्ट्रक्चर, रियल एस्टेट, पॉवर, टेलिकॉम, एविएशन जैसे पूंजी-गहन क्षेत्रों के लिए यह झटका ज्यादा तेज हो सकता है। तीसरा असर रुपये और आयात लागत के जरिए आता है। भारत की अर्थव्यवस्था आयात-निर्भर है। विशेषकर ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स और कई इंडस्ट्रियल इनपुट में। उदाहरण के तौर पर, वित्त वर्ष 2025-26 (अप्रैल–अक्टूबर) में भारत का कच्चे तेल का आयात बिल लगभग 71.2 अरब डॉलर रहा। यदि रुपये में कमजोरी आती है, तो कच्चे तेल, गैस, मशीनरी, कॉपर, हाई-एंड कंपोनेंट्स जैसी चीजें और महंगी होंगी और यही लागत अंततः कंपनियों के मार्जिन और उपभोक्ता कीमतों में दिखेगी।

भारतीय उपभोक्ताओं पर असर दो स्तरों पर आएगा। पहला, आयात महंगा होने से इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटो पार्ट्स, कुछ दवाओं के कच्चे माल और कुछ उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं की कीमतें ऊपर जा सकती हैं। दूसरा, बाजार अस्थिर होने पर आम निवेशक के पोर्टफोलियो (म्यूचुअल फंड, शेयर) की वैल्यू में तेज उतार-चढ़ाव होगा, जिससे 'वेल्थ इफेक्ट' घटता है और उपभोग व्यवहार सतर्क हो जाता है। यदि वैश्विक उधारी लागत बढ़ती है, तो घरेलू बैंक भी जोखिम का मूल्यांकन सख्त कर सकते हैं, जिससे कुछ लोन सेगमेंट में स्प्रेड बढ़ने की संभावना रहती है।

ऐसे माहौल में आरबीआई की नीति भूमिका निर्णायक हो जाती है। दिसंबर 2025 में आरबीआई ने रेपो रेट 25 बेसिस पॉइंट घटाकर 5.25% कर दिया और 2025 के दौरान कुल मिलाकर 125 bps की कटौती का संकेत मिला। यह हाल के वर्षों में सबसे आक्रामक easing चक्रों में गिना जा रहा है। आरबीआई ने नीति रुख 'न्यूट्रल' रखा, यानी आगे के फैसले डेटा-आधारित रहेंगे। महंगाई के मोर्चे पर हालिया महीनों में नरमी भी दिखी। नवंबर 2025 की खुदरा महंगाई 0.71% बताई गई, जो लक्ष्य के मुकाबले काफी नीचे है। आरबीआई का वास्तविक 'संतुलन' यह होगा कि वह ग्रोथ-सपोर्ट भी दे और मुद्रा/वित्तीय स्थिरता भी बचाए। यानी जरूरत पड़ने पर तरलता प्रबंधन, बाजार संचालन और विदेशी मुद्रा बाजार में प्रबंधन के उपायों को सक्रिय रखे।

आमने

देश के अंदर दो नमूने हैं। एक दिल्ली और एक लखनऊ में। जब देश में कोई चर्चा होती है, तो तुरंत वो देश छोड़कर भाग जाते हैं। मुझे लगता है कि आपके 'बबुआ' के साथ भी यही हो रहा है। वह भी फिर जाएंगे इंग्लैंड के सैर-सपाटे पर और आप लोग यहां चिल्लाते रहेंगे।
–योगी आदित्य नाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

सामने

किसी को उम्मीद नहीं थी कि दिल्ली-लखनऊ की लड़ाई यहां तक पहुंच जाएगी। संवैधानिक पदों पर बैठे लोग आपस में कुछ तो लोक-लाज रखें। भाजपाई अपनी पार्टी के अंदर की खींचातान को चौराहे पर न लाएं। कहीं कोई बुरा मान गया तो वापस जाना पड़ेगा।
–अखिलेश यादव
अध्यक्ष, समाजवादी पार्टी

बांग्लादेश: हादी की हत्या में साजिश का पहलू

डॉ. विकास शुक्ला
लेखक

बांग्लादेश में आम चुनाव होने हैं, लेकिन अब इस चुनाव के टलने के आसार भी हैं। इंकलाब मंच के संयोजक और चर्चित छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी का रुख भारत विरोधी था, लेकिन वह अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद युनूस के लिए भी खतरा बन गया था। ऐसे में उसकी मौत के पीछे साजिशों की बू आ रही है। उसकी हत्या के पीछे न सिर्फ चुनाव टालने और सत्ता बचाने का खेल हो सकता है, बल्कि भारत विरोधी एजेंडे को भी आगे बढ़ाने की गहरी चाल हो सकती है।

जब भी खालिदा जिया की पार्टी सत्ता में रही, वहां भारत विरोधियों को न सिर्फ उठने का मौका मिला, बल्कि उन्हें सत्ता का संरक्षण भी मिला। पड़ोस में आतंकियों खासकर पाकिस्तान समर्थित आतंकियों ने पांव जमाए और भारत में खून-खराबा भी किया, लेकिन आवामी लीग की मुखिया शेख हसीना के सत्ता में आने के बाद भारत के प्रति वहां माहौल बदल गया था। दोनों देश मिलकर कदम से कदम मिलाते हुए आगे बढ़ रहे थे। बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था बड़ी ही तेजी से बढ़ रही थी। आतंकी ताकतें खामोश हो गईं थीं। बांग्लादेश की धरती से भारत के विरुद्ध पाकिस्तान द्वारा रची जाने वाली भारत विरोधी साजिशें पूरी तरह बंद हो गईं थीं।

छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के लिए खतरा बन गया था। ऐसे में उसकी हत्या के पीछे साजिश हो सकती है।

चीन हो या अमेरिका चाहकर भी, वहां पांव नहीं जमा पा रहे थे, लेकिन अब इनके मंसूबे सफल हो रहे हैं, क्योंकि छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी के नेतृत्व में बांग्लादेश में हुए आंदोलन के बाद शेख हसीना को सत्ता छोड़कर भागना पड़ा और भारत में शरण लेनी पड़ी। यूनुस सत्ता से चिपके रहना चाहते हैं। बीएनपी नेताओं और आंदोलन कर शेख हसीना को सत्ता से हटाने वाले छात्र नेताओं के भारी दबाव के बाद बड़ी मुश्किल से वे चुनाव कराने को तैयार हुए। घोषणा के बाद भी वे कोशिशें कर रहे थे कि चुनाव टल जाए। हादी लगातार उनकी सरकार पर दबाव बना रहा था। सत्ता से हटाने की धमकियां दे रहा था। यूं कहें तो हादी उनके लिए सबसे बड़ा खतरा बन गया था। अब उसकी हत्या के बाद बांग्लादेश जल रहा है, तो यह कयास लगाए जा रहे हैं कि चुनाव टल जाएंगे। युसूफ का सत्ता में बने रहने का सपना भी साकार होता दिख रहा है। हादी की हत्या के पीछे पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई का हाथ भी हो सकता है, क्योंकि भारत विरोधी भावनाओं को भड़कने से उसे काफी लाभ होगा।

आईएसआई अपनी साजिश में फिलहार कामयाब हो चुका है, क्योंकि वहां जो भी आंदोलन होते हैं, उनमें भारत विरोधी नारे लगते हैं। कट्टरपंथी ताकतें, जो शुरू से पाकिस्तान समर्थित और भारत विरोधी रहीं हैं, वहां की सत्ता पर काबिज होना चाहती हैं, इसलिए भी हिंदुओं और भारत के विरुद्ध आग उगलने में कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं। मोहम्मद युनूस तो पूरी तरह से पाकिस्तान के हाथ में खेल रहे हैं। यही वजह है कि भारत के चिकननेक को काटने की धमकी दी जा रही है।

सिलीगुड़ी कॉरिडोर को ही चिकननेक कहते हैं। यह कॉरिडोर 20-22 किलोमीटर चौड़ा है। इसके एक तरफ नेपाल- भूटान और दूसरी तरफ बांग्लादेश है, जो भारत की सुरक्षा के लिए बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण है। इस कॉरिडोर से ही असम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, त्रिपुरा और सिक्किम तक आवागमन होता है। अगर यह कट जाए, तो पूर्वोत्तर भारत बाकी देश से कट जाएगा। इसे ही काटने की धमकी बार-बार बांग्लादेश की धरती से दी जा रही है, हालांकि भारत ने वहां पर सैन्य तैनाती बढ़ा दी है।

बांग्लादेश के हुक्मरानों को भी पता है कि उनके भी अपने दो चिकन नेक क्षेत्र हैं, जो भारत के चिकन नेक कॉरिडोर से कहीं ज्यादा संवेदनशील हैं। उनका पहला चिकननेक लगभग 80 किलोमीटर लंबा नॉर्थ बांग्लादेश कॉरिडोर है। यह दक्षिण दिनाजपुर से लेकर दक्षिण पश्चिम गारो हिल्स तक फैला हुआ है। पिछले दिनों असम के मुख्यमंत्री ने बांग्लादेश के नेताओं को चेताया था कि इस चिकननेक में किसी भी तरह की रुकावट से पूरे रंगपुर डिवीजन को बांग्लादेश के बाकी हिस्सों से पूरी तरह अलग किया जा सकता है। साथ ही उन्होंने उनके दूसरे चिकननेक की बात की थी, जो 28 किलोमीटर लंबा चित्तागोंग कॉरिडोर है। यह कॉरिडोर दक्षिण त्रिपुरा से बंगाल की खाड़ी तक जाता है। यह कॉरिडोर बांग्लादेश की आर्थिक राजधानी चित्तागोंग को उनके राजनीतिक राजधानी ढाका से जोड़ने वाला एकमात्र रास्ता है। यह कॉरिडोर भारत के चिकन नेक कॉरिडोर से छोटा जरूर है, लेकिन इसकी महत्ता बहुत बड़ी है।

बांग्लादेश की सेना हो या वहां के हुक्मरान और नेता सभी को पता है कि वे सिर्फ गीदड़ भभकी दे सकते हैं। अगर उनकी सेना हमले करती है तो बांग्लादेश का नामोनिशान ही मिट जाएगा। यही वजह है कि बांग्लादेश की सेना के प्रमुख ने भारत विरोधी आंदोलन की शुरुआत होते ही स्थिति को संभालना शुरू कर दिया। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार उन्होंने तो भारतीय सेना प्रमुख से बात कर स्थिति भी स्पष्ट की।

सोशल फोरम

कभी कलकत्ता से लंदन तक चलती थी बस

शुएब गाजी
ब्लॉगर

1957 में शुरू हुई लंदन से कलकत्ता (अब कोलकाता) तक की यह ऐतिहासिक बस सेवा दुनिया के सबसे लंबे बस मार्गों में गिनी जाती थी। इसे Albert Travels द्वारा संचालित किया गया था। यह बस इंग्लैंड से चलकर बेल्जियम और यूरोप के कई देशों से होती हुई यूगोस्लाविया, तुर्की, ईरान, अफ़ग़ानिस्तान और पश्चिमी पाकिस्तान पार करती थी। भारत में प्रवेश के बाद यह नई दिल्ली, आगरा, इलाहाबाद और बनारस होते हुए अंततः कलकत्ता पहुंचती थी। यह मार्ग आगे चलकर 'हिप्पी रूट' के नाम से मशहूर हो गया।

लंदन से कलकत्ता पहुंचने में लगभग 50 दिन लगते थे। कुल दूरी थी करीब 32,669 किलोमीटर। यह सेवा 1976 तक जारी रही। उस समय पूरे सफ़र की क़ीमत थी 145, जिसमें भोजन, यात्रा और ठहरने की व्यवस्था शामिल थी। बस के बैकग्राउंड में खूबसूरत डोलमाबाहस मस्जिद नज़र आती थी, इसमें पढ़ने की सुविधा, हर यात्री के लिए अलग-अलग स्लीपिंग बंक और पंखों से चलने वाले हीटर मौजूद थे।

पूरी तरह सुसज्जित रसोईघर था और बाद के संस्करणों में ऊपरी डेक पर फ़ॉरवर्ड ऑब्ज़र्वेशन लाउंज भी जोड़ा गया। पार्टियों के लिए रेडियो और म्यूज़िक सिस्टम की सुविधा थी। रास्ते में यात्रियों को प्रमुख पर्यटन स्थलों पर रुकने का समय मिलता था। बनारस के गंगा घाट, आगरा का ताज महल, साल्ज़बर्ग, वियना, इस्तांबुल, काबुल और तेहरान में ख़ास शॉपिंग ब्रेक भी आयोजित किए जाते थे। यह बस सिर्फ़ एक यात्रा नहीं, बल्कि एक चलता-फिरता इतिहास थी।
–फेसबुक वाल से

सामयिकी

इस्लाम में बहस-मुबाहिसा के अर्थ और संस्कृति

कुरआन मजीद के सूरह नहर आयत नंबर 125 में खुदा के वजूद और दीन पर डिबेट करने का हुक्म है। बशर्ते शालीनता, कुशल व्यवहार, सभ्य, मर्यादित और मृदभाषी होकर अपने तर्क रखें। मुसलमानों के रसूल (मोहम्मद साहब) इस तरह की डिबेट करते थे। उनके बाद उनके सहाबी (खलीफा/इमाम) भी यहूदियों इत्यादि के साथ ऐसी डिबेट आयोजित करते थे। मुबाहिला नामक एक डिबेट काफी चर्चित रही है, धार्मिक किताबों में इसका खूब जिक्र है। चौदह सौ साल पहले खुदा के वजूद और दीन के लॉजिक पर दो पैनल्स बैठते थे, और खूब पब्लिक (ऑडियंस) इकट्ठा होती थी। ऐसी ऐतिहासिक बहसों का किताबों में जिक्र है।

चौदह सौ साल बाद आधुनिक डिजिटल युग में खुदा के अस्तित्व पर करोड़ों की ऑडियंस के बीच एक ऐसी डिबेट आजकल खूब चर्चा में है। एक मीडिया हाउस के यूट्यूब चैनल ने मशहूर गीतकार, लेखक जावेद अख्तर (जो नास्तिक हैं) और खुदा व उसके दीन पर यक़ीन रखने वाले मुफ्ती शमाइल नदवी (आस्तिक) के बीच एक लाइव डिबेट शो आयोजित हुआ, जिसे अब इंटरनेट के माध्यम से करोड़ों लोग देख चुके हैं। इस बहस पर सबकी अपनी अलग-अलग राय है। कोई कह रहा है कि मुफ्ती के तर्कों के आगे जावेद अख्तर धराशाई हो गए, तो कोई कह रहा है कि जावेद अख्तर के आगे मुफ्ती टिक नहीं पाए। आस्तिकों और नास्तिकों के बीच हर दौर में बहसें होती रही हैं।

नवेद शिकोह
वरिष्ठ पत्रकार

सनातन धर्म में धार्मिक डिबेट को शास्त्रार्थ नाम दिया गया है। शास्त्रार्थ का चलन तो पौराणिक और वैदिक काल से लेकर त्रेता युग तक रहा है। अब डिजिटल युग में भी आस्तिक और नास्तिक आमने-सामने हैं। जावेद अख्तर और मुफ्ती शमाइल नदवी की शालीन बहस चर्चा में है। नास्तिक अल्लाह-ईश्वर के अस्तित्व पर सवाल उठाते रहे और आस्तिक अपनी आस्था और विश्वास पर अड़े रहे, परमात्मा के वजूद के तर्क देते रहे, लेकिन कुछ सवाल हजारों वर्षों से जवाब के इंतजार में हैं। मसलन अल्लाह-ईश्वर दयालु व कृपालु है। रहीम और रहमान (रहम करने वाला) है। उसने मनुष्य को मानवता का संदेश दिया है। दया और रहम करने का आदेश दिया है। जियो और जीने के सिद्धांत पर अमल करने की ताकीद की है। दया, करुणा, प्रेम की हिदायत दी है।

पर अल्लाह/ईश्वर, गॉड ने अपनी रचना (कुदरत) में जुल्म को अनिवार्य क्यों रखा है! हिरन और शेर जैसे हजारों ऐसे जीव-जंतु बनाए जो जुल्म और अत्याचार के बिना जी ही नहीं सकते। शेर जिंदा हिरन को मारकर, चीरफाड़ खाता है। शेर जुल्म किए बिना जी ही नहीं सकता। यानी परमात्मा/अल्लाह ने जुल्म को सिस्टम से अनिवार्य रूप से जोड़ा है।

जल, थल वायु हर जगह खुदा की कुदरत का जुल्म बरपा है। बड़ी मछली छोटी मछली को खाएगी ही, बड़ा परिंदा छोटे परिंदे पर जुल्म किए बिना जीवित ही नहीं रह सकता। पशु-पक्षी, जीव-जंतु का वध करने या उन्हें मार के खाने के जुल्म को यदि इंसानों का कानून बंद भी कर दे, तब भी खुदा की कुदरत ये जुल्म जारी रहेगी। तो क्या इंसानों को प्रेम, करुणा और जियो और जीने दो का सिद्धांत सिखाने वाले खुदा के निज़ाम का वजूद ही जुल्म के ताने-बाने से बना है! हो सकता है, इन सवालों के जवाब हों पर इन सवालों के जवाब आजतक किसी आलिम ने नहीं दिए।

ऐसे सवालों के जवाब प्रत्येक धर्म के धार्मिक आलिमों (विद्वानों) को भविष्य में देने होगें!

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*
0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

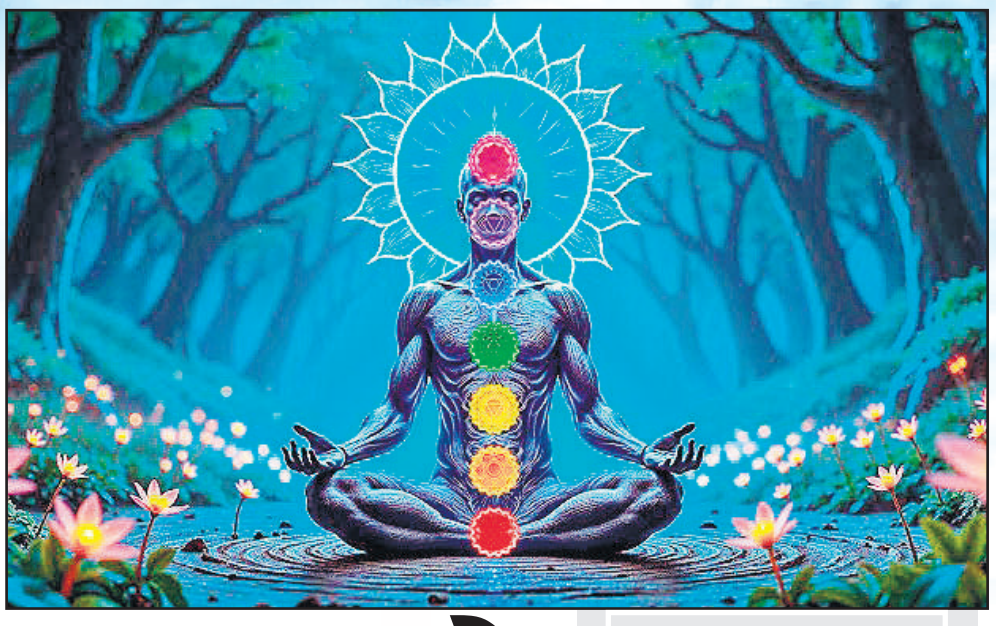

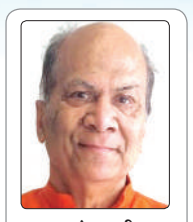

साधन को समझने से पूर्व यदि साधक साधना को समझ ले, तो साधन को समझना सरल हो जाता है। साधना शब्द को इसके मूल स्वरूप में ही समझें। इस भौतिक शरीर को अपने अनुकूल 'साधना' है। इस शरीर में स्थित इंद्रियों को, वासनाओं को साधना है, मन को साधना है। इन्हें किस क्रिया द्वारा साधना है और क्यों साधना है इस प्रश्न का उत्तर साधक को साधन निश्चित करने में सरलता प्रदान करता है। वह सारी क्रियाएं, जिनसे मनसा, वाचा, कर्मणा को साधना है, साधन है। इस साधन का अन्वेषण करने में ही साधकों का अधिकतर जीवन व्यतीत हो जाता है।

अशोक सूरी
आध्यात्मिक लेखक

साधक को सबसे पहले लक्ष्य निश्चित करना होगा। अब लक्ष्य मोक्ष की प्राप्ति है अथवा सिद्धियों की प्राप्ति या भगवद् प्राप्ति? विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण क्यों करता है-ज्ञान के लिए जिज्ञासा के लिए या केवल डिग्री प्राप्त करने के लिए केवल डिग्री धारण करने से ज्ञान नहीं मिल सकता। बहुतों के पास ज्ञान है, डिग्री के बिना भी। मोक्ष डिग्री है, भगवद् प्राप्ति ज्ञान है। अध्यात्मिक सुख भगवद् प्राप्ति में मिलेगा। इस शरीर को भगवद् प्राप्ति के लिए तत्पर करना ही साधना की पहली सीढ़ी है। भगवान सच्चिदानंद स्वरूप हैं। अतः साधना पथ का गुरु भी सत्, चित्त एवं आनंद स्वरूप ही होना चाहिए।

साधना : साधक से साध्य तक की यात्रा

साधना सिद्धियां प्राप्त करने का साधन नहीं

साधना के लिए वैराग्य धारण करने की आवश्यकता नहीं है। वैराग्य से तप हो सकता है, भजन भी हो सकता है। तप भी एक साधन है, परंतु आज के इस कठिन काल में यह एक बहुत ही कठिन साधन है। वैराग्य में विरह का प्रभाव होता है। वैराग्य में विरह का आधिक्य होता है और प्रेम का अभाव होता है। परंतु भगवद् प्राप्ति के लिए तो प्रेम से भरा हुआ भावुक हृदय होना चाहिए। एक बात और समझनी होगी कि कहीं आपकी साधन का लक्ष्य और संपूर्णता सिद्धि तो नहीं है। यदि ऐसा है, तो समझ लें कि हम गलत मार्ग पर चल रहे हैं। साधना सिद्धियां प्राप्त करने का साधन कदापि नहीं है। सिद्धि धोखा है। सिद्धियां तो साधना पथ पर ईश्वर द्वारा फेंके गए अवरोध अथवा टुकड़े हैं। साधना भक्ति से होती है, ज्ञान से नहीं। भक्ति भी निर्मल, प्रेममयी बिना प्रतिकार की इच्छा और स्वार्थ के। ज्ञान से अभिमान तो हो सकता है, भक्ति नहीं। ज्ञान से अभिमान का दोष दूर होता है, परंतु ज्ञान से भक्ति नहीं की जा सकती है। बुद्धि और ज्ञान तो भौतिक सुखों के साधन ढूंढने में लग जाते हैं। साधना में सबसे बड़ा अवरोध है- अभिमान एवं आसक्ति और कुछ हद तक आलस्य भी। आलस्य को तो थोड़ा साधना करके मिटाया जा सकता है, परंतु अभिमान और आसक्ति को हटाना कठिन है और यह साधना पथ की एक क्रिया है। जिस प्रकार सैनिक बिना शस्त्र के अधूरा है, उसी प्रकार साधना बिना साधन के अधूरी है। साधन गुरु बताते हैं, परंतु ध्यान रखें कि साधन भी गुरु ही हैं। गुरु परमात्मा से मिलने का मार्ग बताते हैं, तो साधन भी परमात्मा से मिलने का मार्ग ही है। साधन सीढ़ी है, उस परमेश्वर से मिलने की। जिस प्रकार गुरु का स्थान गोविंद से बड़ा है, उसी प्रकार साधन को भी परमात्मा से बढ़कर मानना चाहिए।

राम बुलावा भेजिया, दिया कबीरा रोय।
जो सुख यहां सत्संग में सो बैकुंठ न होय।।

अपने साधन पर अभिमान न करें

ऐसी सभी क्रियाएं जो भगवद् प्रेम को बढ़ाएं, साधन है। "एहि कलिकाल न साधन दूजा, जोग, यज्ञ, जप, तप, व्रत, पूजा।" यह सभी साधन हैं, परंतु इनमें से पूजा के अतिरिक्त इस युग में अन्य अत्यंत कठिन हैं। पूजा भक्ति का ही दूसरा रूप है। ऐसी सभी क्रियाएं, जो ठाकुर को प्रसन्न करने के लिए की जाती हैं, भक्ति हैं और एक साधन है। भक्ति के लिए सर्वप्रथम श्रद्धा का होना अति आवश्यक है। बिना श्रद्धा के की गई भक्ति से प्रेम उत्पन्न नहीं होगा, जो कि साधक के लिए अत्यंत आवश्यक है। सभी साधन मार्ग ईश्वर के द्वार पार ही मिलते हैं। अपने साधन पर अभिमान न करें। साधन चुन लें और उस पर चल पड़ें, परेशान न हों। रास्ता अपने आप मिलता चला जाएगा। साधना में ज्ञान का अथवा बुद्धि का कोई स्थान नहीं है। केवल प्रेम से भरा हुआ हृदय चाहिए। यहां यह समझ लें कि यह लक्ष्य की प्राप्ति नहीं है- यह प्रारंभ है। यहां से साधना प्रारंभ होगी। ईश्वर का स्मरण होने लगेगा। ईश्वर का स्मरण करना नहीं होगा। वह स्वयमेव ही होने लगे, तो समझ लेना चाहिए कि हम साधना पथ पर ठीक चल रहे हैं।

पौराणिक कथा

नारद की दीक्षा और ध्रुव का उत्थान

मनु और शतरूपा के दो पुत्र थे, प्रियव्रत और उत्तानपाद। राजा उत्तानपाद की दो रानियां थीं, सुनीति और सुरुचि। सुनीति से उन्हें ध्रुव और सुरुचि से उत्तम नामक पुत्र प्राप्त हुए। यद्यपि सुनीति बड़ी रानी थीं, फिर भी राजा का विशेष स्नेह सुरुचि के प्रति था। एक दिन बालक ध्रुव अपने पिता की गोद में बैठकर खेल रहा था। तभी सुरुचि वहां आ पहुंची। सौतन के पुत्र को राजा की गोद में देखकर उसके मन में ईर्ष्या की ज्वाला भड़क उठी। उसने ध्रुव को झपटकर राजा की गोद से उतार दिया और अपने पुत्र उत्तम को बैठा दिया। क्रोध में उसने ध्रुव से कहा- "राजा की गोद और सिंहासन पर बैठने का अधिकार केवल उसी को है, जो मेरी कोख से जन्मा हो। तुम इसके अधिकारी नहीं हो।" सौतेली मां के कठोर शब्दों से पांच वर्ष का ध्रुव व्यथित हो उठा। आंखों में आंसू और हृदय में पीड़ा लिए वह अपनी मां सुनीति के पास पहुंचा और

सारी बात सुनाई। सुनीति ने धैर्यपूर्वक कहा-"पुत्र! यदि राजा का प्रेम हमें नहीं मिला, तो क्या हुआ? भगवान को अपना सहारा बनाओ। वही तुम्हारे सच्चे रक्षक हैं।" माता के वचनों से ध्रुव के मन में वैराग्य और भक्ति का बीज अंकुरित हुआ। वह भगवान की प्राप्ति के दृढ़ संकल्प के साथ राजभवन त्यागकर निकल पड़े। मार्ग में उनकी भेंट देवर्षि नारद से हुई। नारद जी ने बालक को समझाने का प्रयास किया, किंतु ध्रुव अपने निश्चय पर अडिग रहे। उनके दृढ़ संकल्प को देखकर नारद ने उन्हें मंत्र की दीक्षा दी। उधर राजा उत्तानपाद को पुत्र के चले जाने का गहरा पश्चाताप हो रहा था। देवर्षि नारद ने उन्हें ढाढ़स बंधाया और कहा कि ध्रुव भगवान की कृपा से महान यश प्राप्त करेंगे, जिससे राजा की कीर्ति भी संसार में फैलेगी। ध्रुव यमुना तट पर पहुंचकर नारद से प्राप्त मंत्र द्वारा भगवान नारायण की कठोर तपस्या में लीन हो गए। अनेक कष्टों और बाधाओं के बावजूद उनका संकल्प डिगा नहीं। उनकी तपस्या का तेज तीनों लोकों में फैलने लगा और 'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय' की गूंज वैकुंठ तक पहुंच गई। भगवान नारायण योगनिद्रा से जागे और बालक ध्रुव की भक्ति से प्रसन्न होकर प्रकट हुए। उन्होंने कहा- "वत्स! तुम्हारी भक्ति से मैं अत्यंत प्रसन्न हूं। तुम्हें ऐसा लोक प्रदान करता हूं, जो प्रलय में भी नष्ट नहीं होगा। वह तुम्हारे नाम से ध्रुवलोक कहलाएगा।" भगवान के वरदान से ध्रुव कालांतर में ध्रुव तारा बने- अटल, अमर और भक्ति के शाश्वत प्रतीक।

बोध कथा

अनुशासन का दीप

साल 1926 की बात है। महात्मा गांधी अपने दक्षिण भारत के प्रवास पर थे। उनके साथ उनके घनिष्ठ सहयोगी और श्रेष्ठ चिंतक काकासाहेब कालेलकर भी थे। यात्रा आगे बढ़ते-बढ़ते वे नागर कोइल पहुंचे, जो कन्याकुमारी के बहुत निकट है। पूर्व में इससे पहले की यात्रा में गांधी जी कन्याकुमारी जाकर वहां के प्राकृतिक मनोहर दृश्य देख आए थे। इस बार वे नागर कोइल के एक सरल, बहुत ही सज्जन गृहस्थ के घर ठहरे हुए थे।

गांधीजी ने उस गृहस्वामी को बुलाकर कहा, "मैं काका को कन्याकुमारी भेजना चाहता हूं, कृपया उनके लिए मोटर का प्रबंध कर दीजिए।" गृहस्वामी तुरंत व्यवस्था जुटाने में लग गए। कुछ देर बाद गांधीजी ने देखा कि काकासाहेब अभी भी वहीं बैठे हुए हैं। उन्हें आश्चर्य हुआ, फिर उन्होंने गृहस्वामी से बुलाकर पूछा कि "काका के कन्याकुमारी जाने के मोटर की व्यवस्था हो गई या अभी बाकी है?"

गांधीजी की यह पूछताछ देखकर काकासाहेब को थोड़ा कौतूहल हुआ, क्योंकि बापू तो किसी को काम सौंप देने के बाद दुबारा पूछने की आदत नहीं रखते थे। वे सहज भाव से बोले, "बापू, आप भी साथ चलेंगे न?" इस प्रश्न पर गांधी जी मुस्कुराए, फिर शांत स्वर में बोले, "नहीं काका, बार-बार जाना मेरे भाग्य में नहीं है। एक बार देख आया, वही काफी है।" बापू का उत्तर सुनकर काकासाहेब कुछ उदास से हो गए। काकसाहेब चाहते थे कि बापू भी कन्याकुमारी के मनोरम और मनोहर प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद फिर एक बार उनके साथ उठाएं।

बापू ने उनके मन की अवस्था भांप ली। क्षणभर मौन रहने के बाद वे गंभीर स्वर में बोले, "काका, हम एक विशाल आंदोलन का बोझ अपने कंधों पर लिए चल रहे हैं। हजारों स्वयंसेवक देश सेवा में जुटे हुए हैं। यदि मैं स्वयं रमणीय स्थलों के आकर्षण में पड़ जाऊं, तो वे सब भी यही अनुकरण करेंगे। मेरे लिए संयम ही श्रेयस्कर है। जब राष्ट्र की सेवा का व्रत लिया है, तो अपने व्यक्तिगत सुख-सौंदर्य के लोभ को त्याग देना ही उचित है।"

बापू की बातें सुनकर काकासाहेब के मन का गुबार क्षण भर में दूर हो गया। उन्हें समझ आया कि गांधीजी का जीवन केवल उनके लिए नहीं, बल्कि उन सभी के लिए एक आदर्श था, जो स्वतंत्रता के पथ पर चल रहे थे। एक नेता की हर छोटी-बड़ी क्रिया, हर इच्छा और हर त्याग अनगिनत अनुयायियों को दिशा देता है।

इससे हमें यह सीख मिलता है कि सच्चा नेतृत्व केवल शब्दों से नहीं, बल्कि आचरण से प्रकट होता है। लोभ और आकर्षण हर किसी के जीवन में आते हैं, परंतु जो व्यक्ति बड़े उद्देश्य के लिए स्वयं पर नियंत्रण रख पाता है, वही समाज का वास्तविक मार्गदर्शक बनता है। वास्तव में महानता बाहरी उपलब्धियों में नहीं, बल्कि भीतर के अनुशासन, त्याग और दृढ़ संकल्प में निहित है।

-नृपेन्द्र अभिषेक नृप

सनातन धर्म का वास्तविक अर्थ धर्म नहीं सत्य है

सनातन शब्द को प्राचीन वैदिक संस्कृति से जोड़कर देखा जाता है, जिसका संबंध भारत भूमि से है। वैदिक संस्कृति भारत की प्राचीन संस्कृति है और आस्था का मुख्य केंद्र भी है, इसी वैदिक संस्कृति के ज्ञान को सत्य ज्ञान कहा गया है, सत्य को ही सनातन कहा गया है 'अर्थात' वैदिक संस्कृति का वह ज्ञान जो संपूर्ण सत्य है, यह सत्य सदा के लिए है और जो सदा के लिए है वही सनातन है, इसीलिए वैदिक धर्म को ही सनातन धर्म भी कहा जाता है, सनातन शब्द का शाब्दिक अर्थ 'सदा से रहा है, सदा के लिए है और सदा ही रहेगा' अर्थात जो सदा ही है कभी न मिटने वाला वह अनंत काल से अनंत काल तक शाश्वत है, वहीं सनातन है'।

मोहन सिंह बिष्ट
समाजसेवी

विश्व की सभी संस्कृतियों में अति प्राचीन भारतीय वैदिक संस्कृति, से उद्भूत विश्व का सबसे प्राचीन धर्म सनातन धर्म है, जिसे मानने वाले हिन्दू धर्मावलंबी आज भी सनातन धर्मी कहलाते हैं। सनातन शब्द का अर्थ बड़ा ही व्यापक है। पूरे विश्व में मुख्य रूप से आस्तिक और नास्तिक दो विचारधारा हैं। आस्तिक वे हैं, जिनका विश्वास ईश्वर में है, उनमें इस सृष्टि की रचना ईश्वर द्वारा किए जाने की मान्यता है तथा नास्तिक वे हैं, जिनकी मान्यता इस सृष्टि की स्थापना स्वतः से हुई वे ईश्वर को मानने से इंकार करते हैं, वहीं आस्तिक विचारधारा कई धर्मों संप्रदायों की अपनी अलग-अलग मान्यताओं और परंपराओं में विभक्त है, वे इस सृष्टि को बनाने वाले एक ईश्वर में आस्था और विश्वास समान रूप से रखते हैं, लेकिन उनकी आस्था और विश्वास एक दूसरे से भिन्न-भिन्न रहते हैं, परंतु इसके बावजूद भी पूरे विश्व के सभी धर्मों और विचारधाराओं के मूल में सनातन धर्म में उल्लिखित किसी न किसी मत अथवा विश्वास की ही प्रेरणा दिखाई देती है इसीलिए आज भी बहुसंख्य सनातन मतावलंबी सनातन को कभी न समाप्त होने वाले धर्म के रूप में अटूट आस्था रखते हैं तथा सनातन धर्म को साक्षात् ईश्वर द्वारा स्वयं स्थापित मानते हैं।

वर्तमान में जो भी विश्व में संस्कृति या सभ्यताएं हैं। उन सभी धर्मों और सभ्यताओं का इतिहास लगभग 2 से 3000 साल के भीतर का ही है, अगर इन्हें इनके ऐतिहासिक क्रम में देखा जाए, तो आज भी भारतीय प्राचीन संस्कृति और सभ्यता सबसे प्राचीन है। भारत की सनातन संस्कृति ही एक ऐसी संस्कृति है, जिसका कोई एक ग्रंथ नहीं है और कोई एक पैगंबर या ईश्वर का दूत नहीं है। इसके अलावा मुख्य कुछ ग्रंथों महाकाव्यों के अलावा सैकड़ों रचनाएं, पुस्तकें और पांडुलिपियां, जिनमें संपूर्ण सृष्टि की काल गणना से लेकर भूत, वर्तमान और भविष्य की काल गणनाएं वर्णित हैं, जिन्हें धार्मिक कर्म कांडों परंपराओं, जप तप व्रत, त्योहारों, उत्सवों कथा कहानियों स्मृतियों इत्यादि के माध्यम से जन-जन को लाभान्वित करने के उद्देश्य से प्रतिष्ठित किया गया है, जो पूर्ण रूप से सत्य है तथा उसके मूल में विज्ञान ही है सनातन संस्कृति का ज्ञान पूर्णतः विज्ञान पर आधारित विस्तृत विषय है। सनातन संस्कृति का मुख्य आधार 4 प्रमुख ग्रंथ वेद हैं, वेदों में इस संपूर्ण सृष्टि का प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष ज्ञान अतुलनीय है। सृष्टि के उदय होने से लेकर उसके विस्मरण के तक का उल्लेख है।

देश काल पारिस्थितिकीय परिवर्तन से सत्य परिवर्तित नहीं होता है, उसी प्रकार सनातन संस्कृति का ज्ञान सृष्टि के सत्य स्वरूप में है, उसका सत्य का यह रूप ही उसे सनातन किए हुए है। सत्य ही सनातन से तात्पर्य, सत्य अपने मूल भाव को नहीं छोड़ता है।

इसके अलावा अन्य सभी ग्रंथ, श्रुतियां, स्मृतियां काव्य, महाकाव्य एवं धार्मिक पुस्तके संपूर्ण सृष्टि एवं मानव सभ्यता के विभिन्न काल खंडों के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष घटित घटनाओं का इतिहास बताते हैं और एक आदर्श मानव जीवन को प्रतिष्ठित और संरक्षित करते हैं। ये सभी पूर्णतः वैज्ञानिक और पूर्ण रूप से व्यावहारिक भी हैं। इन नियमों सिद्धांतों पर आज विभिन्न विषय के विद्वान, वैज्ञानिक अपने शोध करके उसके सत्य को सामने लाते रहते हैं, जिन्हें आज विभिन्न संचार के माध्यमों पुस्तकों, समाचार पत्रों और पत्रिकाओं में छपे लेखों और सोशल मीडिया प्लेट फार्मों के माध्यमों से हम अवगत होते रहते हैं, सनातन संस्कृति का ज्ञान सत्य ज्ञान है। सनातन संस्कृति कोई संस्कृति या धर्म नहीं,

बल्कि सत्य संस्कृति और सत्य धर्म ही है, जो सरल और शाश्वत है, जिस प्रकार सत्य को आप जिस स्थिति से परखेंगे, सत्य वास्तव में सत्य ही रहता है। देश काल पारिस्थितिकीय परिवर्तन से सत्य परिवर्तित नहीं होता है, उसी प्रकार सनातन संस्कृति का ज्ञान सृष्टि के सत्य स्वरूप में है, उसका सत्य का यह रूप ही उसे सनातन किए हुए है।

सत्य ही सनातन से तात्पर्य, सत्य अपने मूल भाव को नहीं छोड़ता है। वह जितना भी प्राचीन हो, आज सनातन को इसीलिए सभी धर्मों, संप्रदायों और परंपराओं की जननी भी कहा जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। यह प्राचीन काल से ही सत्य सिद्धांतों पर आधारित है और अनंत काल तक इसके सिद्धांत सत्य ही रहेंगे, क्योंकि यह किसी धर्म सभ्यता और संप्रदाय पंथ के लिए न होकर संपूर्ण मानव के कल्याण एवं उन्हें बिना भेदभाव के सुंदर और व्यवस्थित जीवन जीने के लिए है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	85,567 .48	26,172 .40
बढ़त	638 .12	206
प्रतिशत में	0 .75	0 .79

सोना 1,38,200 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,14,500 प्रति किलो

अमृत विचार

कानपुर, मंगलवार, 23 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

आर्सेलरमित्तल लगाएगी हरित ऊर्जा परियोजनाएं

नई दिल्ली। आर्सेलरमित्तल ने सोमवार को भारत में तीन नई स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना की योजना की घोषणा की। इन पर कुल 90 करोड़ डॉलर व्यय होगा। कंपनी का उद्देश्य हरित ऊर्जा क्षमता को दोगुना करके दो गीगावाट (एक गीगावाट बराबर 1,000 मेगावाट) तक पहुंचाना है। कंपनी ने कहा कि ये परियोजनाएं महाराष्ट्र, राजस्थान और गुजरात में स्थापित होंगी, जिनकी संयुक्त क्षमता एक गीगावाट सौर और पवन ऊर्जा होगी। इनके पूरा होने पर कंपनी की कुल वैश्विक ऊर्जा क्षमता 3 .3 गीगावाट हो जाएगी।

उद्यमियों को लुभाने में जुटा अबू धाबी का हब71

अबू धाबी। अबू धाबी का हब71 एशिया, पश्चिम एशिया और पश्चिम को जोड़ने वाले केंद्र के रूप में अपनी भूमिका मजबूत करने में जुटा है। हब71 टेक इकोसिस्टम में वृद्धि और रणनीति के प्रमुख पीटर अबू हाशेम ने कहा कि स्टार्टअप मंच का मकसद अबू धाबी को शीर्ष वैश्विक प्रौद्योगिकी केंद्र बनाना है। हाल में भारत से लौटे हाशेम ने कहा कि हमारा लक्ष्य अबू धाबी की अर्थव्यवस्था को तेल-प्रधान जीडीपी से विविधीकृत बनाने में मदद करना है और अबू धाबी को वैश्विक प्रौद्योगिकी तंत्र में बदलना है। हब71 वर्ष 2019 में शुरुआत के बाद से 20 से अधिक क्षेत्रों में फैले स्टार्टअप के साथ विकसित हुआ है।

रियल्टी क्षेत्र में 10.4 अरब डॉलर का निवेश

नई दिल्ली। भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में 2025 के दौरान संस्थागत निवेश 17% बढ़कर रिकॉर्ड 10 .4 अरब डॉलर पहुंचने का अनुमान है। जेएलएल ने कहा कि बेहतर प्रतिफल के लिए घरेलू और विदेशी, दोनों निवेशकों ने वाणिज्यिक और आवासीय परियोजनाओं में पूंजी लगाई है। रियल एस्टेट सलाहकार जेएलएल इंडिया ने सोमवार को बताया कि 2025 में भारतीय रियल एस्टेट में कुल संस्थागत निवेश का 52% योगदान घरेलू निवेशकों का रहा। बाकी 48% विदेशी कोषों से आया। भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में संस्थागत निवेश का अनुमान 1,040 करोड़ डॉलर है, जबकि 2024 में यह 887 .8 करोड़ डॉलर था।

किसानों-एमएसएमई के हितों को दिया महत्व

डेयरी, सब्जियों, चीनी, तांबा, एल्युमिनियम पर न्यूजीलैंड को भारत की ओर से नहीं दी जाएगी शुल्क रियायत

भारत-न्यूजीलैंड एफटीए

- हथियार-गोला-बारूद, रत्न एवं आभूषण पर शुल्क रियायत नहीं देना का लिया फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने न्यूजीलैंड के साथ प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) में किसानों और सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के हितों को प्राथमिकता देते हुए डेयरी, पशु उत्पाद, सब्जियां, चीनी, तांबा और एल्युमिनियम जैसे कई संवेदनशील क्षेत्रों में कोई भी शुल्क रियायत नहीं देने का फैसला किया है। दोनों देशों ने सोमवार को एफटीए वार्ता पूरी होने और तीन महीनों के भीतर समझौते पर हस्ताक्षर होने की घोषणा की।

इस समझौते के अगले वर्ष लागू हो जाने की उम्मीद है। समझौते के तहत जिन उत्पादों को शुल्क रियायत सूची से बाहर रखा गया है, उनमें डेयरी उत्पाद (दूध, क्रीम, दही, पनीर), पशु उत्पाद (भेड़ के मांस को छोड़कर), सब्जी उत्पाद (प्याज, चना, मटर, मक्का), चीनी, कृत्रिम शहद तथा पशु, वनस्पति या सूक्ष्मजीव आधारित वसा एवं तेल शामिल हैं। इनके अलावा हथियार और गोला-बारूद, रत्न एवं आभूषण, तांबा और उससे बने उत्पाद और एल्युमिनियम एवं उससे संबंधित वस्तुओं पर भी भारत, न्यूजीलैंड को किसी तरह की शुल्क रियायत नहीं देगा। हालांकि, कुछ कृषि उत्पादों में भारत ने सीमित बाजार पहुंच दी है, लेकिन इसे 'शुल्क दर कोटा' (टीआरक्यू) और न्यूनतम आयात मूल्य (एमआईपी) के साथ जोड़ा गया है। इनमें मनुका शहद, सेब, कीवी फल और दवाओं में इस्तेमाल होने वाला एल्ब्यूमिन शामिल हैं। वर्तमान में न्यूजीलैंड के खास उत्पाद मनुका शहद पर 66 प्रतिशत शुल्क लगता है।

समझौते के तहत भारत इस शहद के सालाना 200 टन तक आयात पर रियायत देगा, जिसमें एमआईपी 20 अमेरिकी डॉलर प्रति किलोग्राम तय किया गया है। इस पर पांच साल में 75 प्रतिशत तक शुल्क कटौती की जाएगी। कोटा से अधिक आयात पर एमआईपी 30 डॉलर प्रति किलोग्राम होगा। सेब के मामले में मौजूदा शुल्क 50 प्रतिशत है। पहले वर्ष में 32,500 टन और छठे वर्ष तक 45,000 टन तक सेब आयात पर 25% शुल्क और 1.25 डॉलर प्रति किलोग्राम का एमआईपी लागू होगा।

भारत न्यूजीलैंड के बीच हुए एफटीए की जानकारी देते केंद्रीय उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, साथ में वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल।

दुग्ध क्षेत्र संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण मुद्दा

भारत ने द्विपक्षीय समझौते के तहत न्यूजीलैंड को अपने दुग्ध क्षेत्र में आयात शुल्क में कोई रियायत नहीं दी है। दोनों पक्षों ने एफटीए पर बातचीत संपन्न होने की सोमवार को घोषणा की। अधिकारी ने कहा कि दुग्ध क्षेत्र हमारे लिए लक्ष्मण रेखा है। भारत ने सभी समझौतों में बड़ी मात्रा में दुग्ध आयात के लिए दरवाजा खोलने का विरोध किया है। दुग्ध क्षेत्र लंबे समय से वार्ता में सबसे संवेदनशील एवं राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मुद्दा रहा है। न्यूजीलैंड सबसे बड़े दुग्ध निर्यातकों में से एक है जबकि भारत लाखों छोटे दुग्ध किसानों का घर है जिनके लिए बाजार संरक्षण बेहद महत्वपूर्ण है। 2024-25 में भारत को न्यूजीलैंड के दुग्ध निर्यात का कुल मूल्य मात्र 10 .7 लाख डॉलर था। इसमें दूध व क्रीम (4 लाख डॉलर), प्राकृतिक शहद (3 .2 लाख डॉलर), मोजेरेला चीज (1.8 लाख डॉलर), मक्खन (90 हजार डॉलर) और स्किम्ड मिल्क' (80 हजार डॉलर) है।

द्विपक्षीय व्यापार समझौते की मुख्य बातें

- भारत के 100% निर्यात पर शून्य शुल्क वाली बाजार पहुंच। भारत ने 70% श्रेणियों में शुल्क उदारीकरण की पेशकश की है जिसके दायरे में भारत-न्यूजीलैंड द्विपक्षीय व्यापार का 95% हिस्सा आता है।
- यह बाजार पहुंच भारत के श्रम-प्रधान क्षेत्रों जैसे वस्त्र, परिधान, चमड़ा, जूते, समुद्री उत्पाद, रत्न एवं आभूषण, हस्तशिल्प, इंजीनियरिंग सामान तथा मोटर वाहन की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाती है।
- किसी भी विकसित देश के साथ सबसे तेजी से संपन्न हुआ यह मुक्त व्यापार समझौता, वस्त्र, दवा, चमड़ा, इंजीनियरिंग सामान एवं कृषि उत्पादों सहित सभी भारतीय निर्यातों के लिए वर्ष का शानदार समापन सुनिश्चित करता है।
- 5,000 पेशेवरों के लिए अस्थायी रोजगार प्रवेश वीजा और 1,000 कार्य एवं अवकाश वीजा का समर्पित कोटा।
- न्यूजीलैंड ने 15 वर्ष में भारत में 20 अरब डॉलर के निवेश को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता जताई है।
- उत्पादकता बढ़ाने के लिए न्यूजीलैंड द्वारा सेब, कीवी फल और शहद के लिए उत्कृष्टता केंद्रों के जरिये कृषि उत्पादकता साझेदारी की स्थापना।
- विनिर्माण क्षेत्र के लिए शुल्क मुक्त कच्चे माल : लकड़ी के लट्ठे, कोकिंग कोयला, धातुओं का अपशिष्ट एवं कबाड़ (स्क्रैप)।
- आयुष, संस्कृति, मत्स्य पालन, ऑडियो-विजुअल पर्यटन, वानिकी, बागवानी और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों में सहयोग पर सहमति बनी है।
- शुल्क उदारीकरण के अलावा, मुक्त व्यापार समझौते में बेहतर नियामक सहयोग के माध्यम से गैर-शुल्क बाधाओं को दूर करने के प्रावधान भी शामिल हैं।
- 2024-25 में द्विपक्षीय माल व्यापार 1.3 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जबकि वस्तुओं व सेवाओं का कुल व्यापार 2024 में 2.4 अरब डॉलर रहा। इसमें केवल सेवाओं का योगदान 1.24 अरब डॉलर था।

न्यूजीलैंड को भारत में डेयरी उत्पादन और 100% निर्यात की अनुमति

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत न्यूजीलैंड की कंपनियां भारत में डेयरी का कच्चा माल या सामग्री लाकर उसमें से उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद बना सकती हैं और फिर उन सभीको पूरी तरह से विदेशों में बेच सकती हैं। गोयल ने कहा कि इस व्यवस्था से भारत को न्यूजीलैंड और अन्य देशों को निर्यात बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि इसके लिए एक फास्टट्रैक निवेश प्रक्रिया लागू की जाएगी, जो सिर्फ निर्यात के लिए उत्पाद बनाने वाले निवेश के लिए उपयोग होगी। साथ ही गोयल ने स्पष्ट किया कि डेयरी के लिए भारत ने कभी भी आयात शुल्क में छूट नहीं दी है और भविष्य में भी नीति में कोई बदलाव नहीं होगा। प्रस्तावित एफटीए में डेयरी क्षेत्र पर एक सलाह-पत्र भी जोड़ा गया है, जिसमें दोनों पक्ष समझौते की समीक्षा के दौरान परामर्श कर सकते हैं, लेकिन इसका कोई बाध्यकारी अर्थ नहीं है। गोयल ने बताया कि न्यूजीलैंड इस बात को लेकर चिंतित था कि यदि भारत भविष्य में किसी समतुल्य देश के लिए अपना डेयरी क्षेत्र खोले, तो उसे भी समान लाभ देने पर चर्चा का अवसर मिल सके। उन्होंने कहा कि आप जानते हैं कि हमने किसी भी एफटीए में किसी के लिए भी डेयरी क्षेत्र नहीं खोला है। भारत कभी भी अपना डेयरी क्षेत्र नहीं खोलने वाला है, इसलिए उस चिंता का कोई मतलब नहीं है। यह सिर्फ एक परामर्श है, कोई प्रतिबद्धता नहीं है। डेयरी भारत के लिए हमेशा ही संवेदनशील और राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्र रहा है। इस वजह से भारत ने किसी भी देश के साथ समझौते में डेयरी क्षेत्र को शामिल नहीं किया है। वित्त वर्ष 2024-25 में न्यूजीलैंड का भारत में डेयरी निर्यात केवल 10 .7 लाख डॉलर था।

समझौते से व्यापार को मिलेगी गति : उद्योग

उद्योग जगत ने भारत और न्यूजीलैंड के समझौते के लिए वार्ता संपन्न होने का स्वागत करते हुए सोमवार को कहा कि प्रस्तावित समझौते से द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा मिलने और दोनों देशों की कंपनियों के लिए विकास के नए अवसर पैदा होने की उम्मीद है। यह समझौता घरेलू वस्तुओं विशेष रूप से श्रम-प्रधान क्षेत्रों से आने वाली वस्तुओं को शुल्क-मुक्त पहुंच प्रदान करेगा और इसमें 15 वर्षों में 20 अरब डॉलर के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की प्रतिबद्धता शामिल है। इससे पांच वर्षों में वस्तुओं और सेवाओं में द्विपक्षीय व्यापार दोगुना पांच अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है।

उद्योग मंडल फिक्की के अध्यक्ष अनंत गोयनका ने कहा कि भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते का स्वागत है। यह हिंद-प्रशांत क्षेत्र के साथ आर्थिक जुड़ाव को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस समझौते से द्विपक्षीय व्यापार, निवेश प्रवाह और सहयोग में वृद्धि होने की उम्मीद है, जिससे दोनों देशों की कंपनियों के लिए विकास के नए अवसर सृजित होंगे। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) के सीईओ और महासचिव रंजीत मेहता ने कहा कि भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौता व्यापार उदारीकरण को प्रतिभा आवाजाही, निवेश और उत्पादकता-आधारित सहयोग के साथ जोड़ने वाला अगली पीढ़ी का समझौता है। यह समझौता नीतिगत निश्चितता प्रदान करता है और विनिर्माण के लिए कच्चे माल कर लागत को कम करता है, जिससे दीर्घकालिक मजबूती की संभावना बनती है।

विदेशी निवेशकों ने दी बाजार को मजबूती

मुंबई, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजार में तेजी का सिलसिला सोमवार को दूसरे कारोबारी सत्र में जारी रहा और बीएसई का सेंसेक्स 638 अंक चढ़ा, जबकि एनएसई का निफ्टी 26,000 अंक के ऊपर बंद हुआ। विदेशी संस्थागत निवेशकों के पूंजी निवेश तथा अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत दर में और कटौती की उम्मीद से निवेशकों की धारणा सकारात्मक रहने से बाजार बढ़त में रहा।

सेंसेक्स 638.12 अंक चढ़कर 85,567.48 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 671.97 अंक चढ़ा था। निफ्टी 206 अंक चढ़कर 26,000 अंक के पार 26,172.40 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से ट्रेंट में सर्वाधिक 3.56% की तेजी रही। इसके अलावा इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, टीसीएस, भारती एयरटेल, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, टाटा मोटर्स, रिलायंस और मारुति लाभ में रहीं। वहीं, एसबीआई 0.6% गिरावट रही। वहीं, कोटक महिंद्रा बैंक, लार्सन एंड टुब्रो और टाइटन भी नुकसान में रहे।

- फेडरल रिजर्व के दर में और कटौती की उम्मीद से निवेशकों की धारणा रही सकारात्मक

स्मॉलकैप और मिडकैप में भी दिखी मजबूती

बीएसई का स्मॉलकैप 1.12 और मिडकैप 0 .86% मजबूत हुआ। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों में 2,796 के शेयर लाभ में, जबकि 1,514 शेयर नुकसान में रहे। 191 शेयर के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग बढ़त में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में मिला-जुला रुख देखने को मिला। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुए थे। शेयर बाजार के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुक्रवार को 1,830 .89 करोड़ के शेयर खरीदे। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने भी 5,722 .89 करोड़ के शेयर खरीदे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0 .86 प्रतिशत बढ़कर 60 .99 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल रहा।

8 बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर घटकर 1.8%

नई दिल्ली। देश के आठ प्रमुख बुनियादी ढांचा क्षेत्रों की वृद्धि दर नवंबर में घटकर 1 .8 प्रतिशत रह गई। यह नवंबर 2024 में 5 .8 प्रतिशत थी। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पादों और बिजली उत्पादन में गिरावट से यह सुस्ती आई है। हालांकि आंकड़ों से पता चलता है कि इन क्षेत्रों का प्रदर्शन मासिक आधार पर सुधरा है। अक्टूबर में आठ प्रमुख उद्योगों कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पाद, बिजली, उर्वरक और इस्पात का उत्पादन घटकर शून्य से नीचे 0 .1 प्रतिशत पर आ गया था। चालू वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-नवंबर अवधि में इन क्षेत्रों का उत्पादन 2 .4 प्रतिशत बढ़ा जबकि वित्त वर्ष 2024-25 की समान अवधि में वृद्धि दर 4 .4 प्रतिशत रही थी।

राष्ट्रीय

तत्काल मामलों को सूचीबद्ध करेगी कोर्ट

सीजेआई बोले- अवकाश के दौरान तत्काल हस्तक्षेप वाले मामलों पर विचार के लिए विशेष पीठ

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने सोमवार को वकीलों से मामलों की तत्काल सुनवाई के लिए उच्चतम न्यायालय की रजिस्ट्री से संपर्क करने को कहा, जो कारणों की जांच करेगी और तदनुसार मामले को सूचीबद्ध करेगी। प्रधान न्यायाधीश के साथ विशेष अवकाशकालीन पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची भी शामिल थे।

इस दौरान प्रधान न्यायाधीश ने तीन टिप्पणियां कीं। पीठ ने जैसे ही मामलों की सुनवाई शुरू की तो वकीलों ने तत्काल सुनवाई वाले मामलों का उल्लेख करना शुरू कर दिया। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि जिक्र करने के बजाय, रजिस्ट्री को कारण बताएं। कारणों की पड़ताल की जाएगी और यदि वे अत्यावश्यक पाए जाते हैं तो उन्हें संभवतः 26 दिसंबर या 29 दिसंबर के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा। अवकाश अवधि के दौरान तत्काल न्यायिक हस्तक्षेप की आवश्यकता वाले महत्वपूर्ण मामलों पर समय पर विचार के लिए विशेष पीठ बैठी है। शुक्रवार को प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा था कि वह 22 दिसंबर को अत्यावश्यक मामलों की सुनवाई के लिए तैयार हैं। यह उच्चतम न्यायालय की क्रिसमस और नए साल की छुट्टियों का पहला दिन है।

प्रधानमंत्री मोदी को अजमेर शरीफ दरगाह पर चादर चढ़ाने से रोकने संबंधी याचिका दाखिल

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अजमेर शरीफ दरगाह पर 'चादर' चढ़ाने से रोकने के निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। यह मामला प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की अवकाशकालीन पीठ के समक्ष आया। पीठ ने कहा कि आज सूचीबद्ध नहीं। उच्चतम न्यायालय ने याचिकाकर्ताओं जितेंद्र सिंह और अन्य की ओर से पेश अधिवक्ता बरुन सिन्हा को रजिस्ट्री से संपर्क करने को कहा। याचिका में कहा गया है कि यह निवेदन किया जाता है कि भारत के प्रधानमंत्री की ओर से मोइनुद्दीन चिश्ती की अजमेर स्थित दरगाह पर चादर चढ़ाने की प्रथा की शुरुआत पंडित जवाहरलाल नेहरू ने 1947 में की थी और यह तब से जारी है और इसका कोई कानूनी या संवैधानिक आधार नहीं है। याचिका के अनुसार, ऐतिहासिक अभिलेखों से पता चलता है कि मोइनुद्दीन चिश्ती उन विदेशी आक्रमणों से जुड़े थे जिन्होंने दिल्ली और अजमेर पर विजय प्राप्त की और स्थानीय आबादी का बड़े पैमाने पर दमन किया और धर्मांतरण किया, जो भारत की संप्रभुता, गरिमा और सभ्यतागत मूल्यों के बिल्कुल विपरीत थे।

धोखाधड़ी मामले में महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री कोकाटे की दोषसिद्धि पर रोक

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने धोखाधड़ी और जालसाजी के मामले में महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री माणिकराव कोकाटे की दोषसिद्धि पर सोमवार को रोक लगा दी और स्पष्ट किया कि विधायक के रूप में उन्हें अयोग्य करार नहीं दिया जाएगा। मामला 1989-1992 में 30,000 रुपये की वार्षिक आय सीमा वाले आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए आवासीय योजना से संबंधित है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की अवकाशकालीन पीठ ने कोकाटे की याचिका पर महाराष्ट्र सरकार को नोटिस जारी किया। पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता की दोषसिद्धि स्थगित रहेगी और उन्हें विधायक के रूप में अयोग्य नहीं ठहराया जाएगा। कोकाटे नासिक जिले की सिन्नार से विधायक हैं। उन्हें इस साल फरवरी में दोषी करार दिए जाने और दो साल की सजा सुनाने के मजिस्ट्रेट के फैसले को नासिक सत्र अदालत ने 16 दिसंबर को बरकरार रखा था।

ईडी की याचिका पर हाईकोर्ट ने सोनिया, राहुल से मांगा जवाब

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य से ईडी की उस याचिका पर जवाब देने को कहा, जिसमें नेशनल हेराल्ड मामले में उनके खिलाफ दायर आरोपपत्र पर संज्ञान लेने से इन्कार करने वाले निचली अदालत के आदेश को चुनौती दी गई है। न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा ने गांधी परिवार और अन्य लोगों को मुख्य याचिका के साथ ईडी के उस आवेदन पर भी नोटिस जारी किया, जिसमें 16 दिसंबर के निचली अदालत के आदेश पर रोक लगाने का अनुरोध किया गया है।

नेशनल हेराल्ड

- नोटिस जारी कर मामले पर 12 मार्च को होगी सुनवाई

निचली अदालत ने कहा था कि इस मामले में एजेंसी की शिकायत का संज्ञान लेना कानूनी रूप से अस्वीकार्य है क्योंकि यह प्राथमिकी पर आधारित नहीं है। उच्च न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 12 मार्च 2026 की तारीख तय की। इस मामले में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने ईडी का प्रतिनिधित्व किया, जबकि वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी और आर एस चीमा ने गांधी परिवार की ओर से पैरवी की। निचली अदालत ने आदेश में कहा कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की अनुसूची में उल्लिखित अपराध के लिए प्राथमिकी के अभाव में धन शोधन के अपराध से संबंधित जांच और उसके परिणामस्वरूप अभियोग शिकायत (आरोपपत्र के समकक्ष) मान्य नहीं है।

आरयूएएस के दीक्षांत समारोह में दीं 2,095 डिग्री, 107 पदक

बेंगलुरु। रामैया अनुप्रयुक्त विज्ञान विश्वविद्यालय (आरयूएएस) ने सोमवार को आरएमसी सभागार में अपने 10वें दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को 2,095 डिग्रियां प्रदान कीं। इनमें 50 पीएचडी, 698 स्नातकोत्तर और 1,347 स्नातक डिग्रियां शामिल थीं। उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन पर मेधावी छात्रों को 107 पदक भी प्रदान किए गए।

रामैया राष्ट्रगान के गायन से समारोह का शुभारंभ होने के बाद भारतीय विज्ञान संस्थान के नैनो विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केंद्र में डीन प्रो. नवकांत भट ने स्नातक होने वाले छात्रों को 'जेनरेशन जेड' से संबंधित बताते हुए कहा कि दुनिया 21वीं सदी के पहले चौथाई भाग के समापन के करीब है और यह पीढ़ी स्मार्टफोन, इंटरनेट, सोशल मीडिया, डिजिटल बैंकिंग और उन्नत प्रौद्योगिकियों के साथ पली-बढ़ी है। समारोह की अध्यक्षता करते हुए आरयूएएस के कुलपति डॉ. एमआर जयराम ने स्नातकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह डिग्री केवल अकादमिक प्रमाण पत्र नहीं, बल्कि उद्देश्य, महत्वाकांक्षा और असीमित संभावनाओं से भरी सार्थक यात्रा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भविष्य उन्हीं का है जो अलग सोचते हैं। आरयूएएस के प्रो-वाइस चांसलर, प्रो. कुलदीप कुमार रैना ने कहा कि विश्वविद्यालय ने अब तक 11,000 से अधिक प्रतिभाशाली छात्रों को डिग्री प्रदान की है और वर्तमान स्नातक इस विरासत में गौरवपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

एसआईआर प्रक्रिया के दबाव को लेकर बीएलओ का विरोध प्रदर्शन

कोलकाता, एजेंसी

- सीईओ कार्यालय के सामने पुलिस से हुई झड़प, सुरक्षा बल तैनात

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के प्रति झुकाव रखने वाली बीएलओ अधिकार रक्षा समिति से संबद्ध 400 प्रदर्शनकारियों ने बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) पर काम के दबाव को लेकर सोमवार को मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया तथा पुलिस से उनकी झड़प भी हुई।

प्रदर्शनकारियों ने पुलिस अवरोधक पर चढ़ने और सीईओ कार्यालय के मुख्य द्वार की ओर बढ़ने की कोशिश की। भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान प. बंगाल में बीएलओ पर कथित तौर पर काम का दबाव बढ़ने और दिशानिर्देशों में बार-बार होने वाले बदलावों को लेकर प्रदर्शनकारी सीईओ मनोज अग्रवाल को शिकायतें देना चाहते थे। पुलिसकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोका, जिसके चलते झड़प हुई और कुछ प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। भीड़ को नियंत्रित करने की कोशिश में पुलिस का एक अधिकारी घायल हो गया, जबकि प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि एक महिला प्रदर्शनकारी से पुलिस ने मारपीट की।

अदालत ने पूर्व विधायक विजय मिश्रा, अन्य के खिलाफ ईडी के आरोपपत्र का लिया संज्ञान

नई दिल्ली। लखनऊ में विशेष अदालत ने ईडी द्वारा उत्तर प्रदेश के पूर्व विधायक दंपति विजय मिश्रा और रामलाली मिश्रा तथा तीन अन्य के खिलाफ आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति जुटाने के आरोप में दायर अभियोजन शिकायत का संज्ञान लिया। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

इस साल 31 जुलाई को दायर अभियोजन शिकायत (आरोपपत्र) में धन शोधन रोधी एजेंसी ने मिश्रा दंपति के बेटे विष्णु मिश्रा, उनके द्वारा स्थापित कंपनी वीएसपी स्टारर रियल्टी प्राइवेट लिमिटेड और उनके सहयोगी भोलानाथ राजपति शुक्ला का नाम भी शामिल किया है। ईडी ने कहा कि विशेष अदालत ने 18 नवंबर को आरोपों का संज्ञान लिया। ईडी ने उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा दर्ज किए गए एक मामले के आधार पर जांच शुरू की, जिसमें मिश्रा दंपति पर अपने कार्यकाल के दौरान 36.07 करोड़ रुपये की आय से ज्यादा संपत्ति जमा करने का आरोप लगाया गया है।

वीबी-जी राम जी अधिनियम पर भाजपा-कांग्रेस में रार

नई दिल्ली, एजेंसी

- सोनिया बोलीं- मनरेगा पर सरकार ने चलाया बुलडोजर, भाजपा ने इसे राजनीतिक कल्पना की उड़ान दिया करार

भाजपा ने सोमवार को कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के वीबी-जी-राम जी अधिनियम को लेकर किए दावों को राजनीतिक कल्पना की उड़ान करार दिया और आरोप लगाया कि कानून के खिलाफ उनके तर्क गलत व्याख्याओं, चुनिंदा स्मृति और झूठ पर आधारित हैं। मनरेगा की जगह लेने वाले विकसित भारत गारंटी रोजगार एवं आजीविका मिशन-ग्रामीण (वीबी-जी राम जी) विधेयक रविवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिलने के साथ अधिनियम बन गया। संसद ने अपने शीतकालीन सत्र के दौरान विधेयक पारित किया।

कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने आरोप लगाया था कि मोदी सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) पर बुलडोजर चला दिया है और करोड़ों किसानों, श्रमिकों एवं भूमिहीन ग्रामीण वर्ग के गरीबों के हितों पर हमला किया है। उन्होंने सभी से एकजुट होकर उन अधिकारों की रक्षा करने का आह्वान किया गया जो सभी की सुरक्षा करते हैं। द हिंदू के एक संपादकीय में, सोनिया गांधी ने कहा कि मनरेगा की मौत एक सामूहिक विफलता है।

भाजपा के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने एक्स पर कहा कि मनरेगा पर सोनिया गांधी का हालिया लेख कानून या आंकड़ों के साथ गंभीर जुड़ाव के बजाय राजनीतिक कल्पना की उड़ान जैसा है। यह स्पष्ट है कि उन्होंने वीबी-जी राम जी अधिनियम नहीं पढ़ा है, क्योंकि उनके तर्क गलत व्याख्याओं, चयनात्मक स्मृति और सरासर झूठ पर आधारित हैं।

मनरेगा का खत्म होना सामूहिक विफलता : सोनिया

कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने सोमवार को मोदी सरकार पर मनरेगा को डेथ बाई थाउजेंड कट्स स्ट्रैटजी (हजार छोटे-छोटे घाव देकर खत्म करने की रणनीति) से खत्म करने का आरोप लगाया और कहा कि महात्मा गांधी के सर्वोदय के दृष्टिकोण को साकार करने वाली योजना का अंत होना हम सबकी नैतिक विफलता है तथा इसके भयावह असर होंगे। सोनिया ने अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र में लिखे लेख में कहा कि अपने अधिकारों की रक्षा करने के लिए मिलकर संघर्ष करना जरूरी हो गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को विकसित भारत -जी राम जी'' विधेयक को मंजूरी दे दी। साथ ही यह अब अधिनियम बन गया है और इस संबंध में अधिसूचना भारत के राजपत्र में प्रकाशित की गई है। बीते गुरुवार को यह विधेयक संसद से पारित किया गया था। सोनिया गांधी ने लिखा कि कुछ दिन में मोदी सरकार ने चर्चा, परामर्श या संसदीय प्रक्रियाओं तथा केंद्र-राज्य संबंधों के प्रति सम्मान के बिना मनरेगा को खत्म करने की दिशा में कदम बढ़ाने का प्रयास किया है। योजना से महात्मा गांधी का नाम हटाना तो बानगी भर है। मनरेगा की वह पूरी संरचना, जो उसके प्रभाव के लिए आवश्यक थी, नष्ट कर दी गई है। उन्होंने यह दावा भी किया कि राज्यों की वित्तीय स्थिति, जो पहले से ही गंभीर दबाव और संकट में है, अब और अधिक तबाह हो जाएगी।

मॉस्को में हुए कार बम विस्फोट में रूस के लेफ्टिनेंट जनरल की मौत, यूक्रेन पर शक

● एक साल में वरिष्ठ सेनाधिकारी की हत्या का तीसरा मामला

मॉस्को, एजेंसी

दक्षिणी मॉस्को में सोमवार सुबह एक रूसी जनरल की कार के नीचे लगाए गए विस्फोटक उपकरण में धमाका हो गया जिससे उनकी मौत हो गई। जांचकर्ताओं ने कहा कि इस हमले के पीछे यूक्रेन का हाथ हो सकता है। यह एक साल में किसी वरिष्ठ सैन्य अधिकारी की हत्या का ऐसा तीसरा मामला है।

रूस की शीर्ष आपराधिक जांच एजेंसी इंवेस्टीगेटिव कमेटी के आधिकारिक प्रवक्ता स्वेतलाना पेत्रेंको ने बताया कि रूस के सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ के परिचालन प्रशिक्षण निदेशालय के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल फानिल सरवारोव की चोटों के कारण मौत हो गई। उन्होंने कहा कि जांचकर्ता इस हत्या के संबंध में कई संभावित पहलुओं की जांच कर रहे हैं। इनमें से एक यह भी है कि इस अपराध की साजिश यूक्रेन की खुफिया सेवाओं द्वारा रची गई हो सकती है। रूसी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को सरवारोव की हत्या की सूचना तुरंत दे दी गई है।

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि सरवारोव पहले चेचन्या में लड़ चुके थे और सीरिया में मॉस्को के सैन्य अभियान में भी हिस्सा ले चुके थे। महज एक साल पहले सेना के परमाणु, जैविक और रासायनिक सुरक्षा बलों के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल इगोर किरीलोव की भी उनके अपार्टमेंट के बाहर एक इलेक्ट्रिक स्कूटर में छिपाए गए बम में विस्फोट होने से मौत हो गई थी। विस्फोट में उनके एक सहायक की भी मौत हुई थी।

हस्तियों के चेहरों से हट रहा है मुखौटा

जेफरी एपस्टीन मरने के बाद भी दुनिया भर में चर्चा में है और उससे संबंधों की वजह से दुनिया भर की तमाम बड़ी हस्तियों की सांस हलक में फंसी हुई है। एपस्टीन एक अमेरिकी फाइनेंसर था जो नाबालिग लड़कियों की सेक्स ट्रैफिकिंग के वजह से बदनाम है। उसका जन्म न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन में हुआ था। पढ़ाई छोड़ने के बाद वह निवेश बैंक में शामिल हुआ और 1980 तक वहां पार्टनर बन गया। 1982 में उसने अपनी फर्म शुरू की जो सिर्फ बेहद अमीर ग्राहकों का प्रबंधन करती थी। 2005 में फ्लोरिडा में उसके खिलाफ एक 14 वर्षीय लड़की के यौन शोषण की जांच शुरू हुई, जिसके बाद उसके खिलाफ कई घृणित और हैरतअंगेज खुलासे हुए। हाल ही में अमेरिकी संसद में पारित हुए प्रस्ताव के बाद उसकी फाइलों को सार्वजनिक किया जा रहा है, जिसमें कई बड़ी हस्तियों का काला चिट्ठा मौजूद बताया जा रहा है।

एपस्टीन का काला चिट्ठा

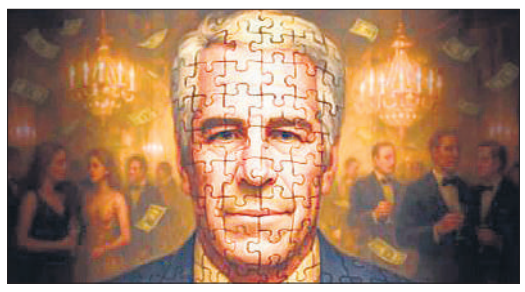

काले कारनामों का खुलासा

● मार्च 2005 में फ्लोरिडा की एक 14 वर्षीय लड़की के यौन शोषण की उसके माता-पिता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस जांच में कई और पीड़ितों का पता चला। एपस्टीन का 2008 में संघीय अभियोजकों के साथ गुप्त समझौता हुआ, जिसके तहत एपस्टीन को मामूली सजा मिली। उसे दिन में काम के लिए बाहर जाने की अनुमति थी। रिपोर्टर जूली के . ब्राउन 2018 में 80 पीड़ितों से बात कर "परवर्जन ऑफ जस्टिस" नामक एक शृंखला प्रकाशित की। इससे दबाया गया मामला फिर से चर्चा में आ गया। ब्राउन की रिपोर्टिंग और पीड़ितों के कानूनी संघर्ष के कारण जुलाई 2019 में एपस्टीन को नाबालिगों की तस्करी के गंभीर आरोपों में फिर से गिरफ्तार कर लिया गया।

ताजा खुलासे : कई हस्तियां बेनकाब

● पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन कई तस्वीरों में एपस्टीन के घर और निजी विमान में देखे गए हैं। एक हॉट टब में भी वह लड़की के साथ दिख रहे हैं। ट्रंप का भी नाम दस्तावेजों में बार-बार आया है, एक फोटो में वे गिस्लेन मैक्सवेल समेत कई के साथ एक डेस्क दराज में रखी तस्वीर में नजर आ रहे हैं। ब्रिटिश शाही परिवार के सदस्य प्रिंस एंड्रयू की एक तस्वीर जारी हुई है। उन पर वर्जीनिया गिफ्रे की ओर से यौन शोषण के आरोप पहले ही लगाए जा चुके हैं। विश्वप्रसिद्ध अन्य लोगों में बिल गेट्स, एलन मस्क, माइकल जैक्सन, केविन स्पेसी, क्रिस टकर, मिक जैगर, डायना रॉस, नाओमी कैंपबेल के भी नाम सामने आए हैं।

अब भी साजिश का पर्दा

● अमेरिकी सांसदों ने आरोप लगाया है कि न्याय विभाग ने हजारों पन्ने पूरी तरह काले कर दिए हैं। इनमें एपस्टीन के अपराधों में शामिल और लोगों के नाम हो सकते हैं। जांचकर्ता उस क्लाइंट लिस्ट 'की तलाश में हैं, जिसमें ऐसे नाम हो सकते हैं जिन्होंने एपस्टीन की सेवा का लाभ उठाया। दस्तावेजों के ताजा सेट में कई सहसाजिशकर्ताओं के नाम अभी भी छिपाए गए हैं। पीड़ितों के समूह इन नामों को भी सार्वजनिक करने के लिए दबाव बना रहे हैं। यह भी उम्मीद जताई जा रही है कि आने वाले दस्तावेजों में एपस्टीन के उस वित्तीय नेटवर्क का खुलासा होगा।

रहस्यमय मृत्यु

● 10 अगस्त 2019 को मुकदमे का इंतजार करते हुए एपस्टीन न्यूयॉर्क की एक जेल में मृत पाया गया। इसे फांसी लगाकर आत्महत्या करार दिया गया। यह घटना उस समय घटी जब एपस्टीन का काला चेहरा दुनिया के सामने आ चुका था और उसकी फाइलों को सार्वजनिक करने की मांग हो रही थी। दिसंबर 2025 में एपस्टीन फाइल्स ट्रांसपेरेंसी एक्ट के तहत कई फाइलें व तस्वीरें सार्वजनिक की गई हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

आनंद बने स्टारबक्स के कार्यकारी उपाध्यक्ष

ह्यूस्टन। अमेरिका की बहुराष्ट्रीय कंपनी स्टारबक्स ने भारतीय मूल के आनंद वरदराजन को अपना नया कार्यकारी उपाध्यक्ष और मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी (सीटीओ) नियुक्त किया है। करीब दो दशकों तक अमेजन में काम कर चुके वरदराजन को दुनियाभर में कॉफीहाउस श्रृंखला के लिए मशहूर इस कंपनी के वैश्विक प्रौद्योगिकी संचालन की कमान सौंपी गई है। वरदराजन 19 जनवरी से पदभार संभालेंगे, कंपनी की कार्यकारी नेतृत्व टीम में शामिल होंगे ।

अभिनेता जेम्स रैनसन ने की आत्महत्या

लॉस एंजिलिस। एचबीओ टीवी चैनल की प्रसिद्ध श्रृंखला द वायर में जिगी सोबोटका की भूमिका निभाने वाले अभिनेता जेम्स रैनसन ने कथित रूप से आत्महत्या कर ली। वह 46 वर्ष के थे। लॉस एंजिलिस काउंटी चिकित्सकीय परीक्षक कार्यालय के अनुसार आत्महत्या करने के कारण रैनसन की शुक्रवार को मौत हो गई। रैनसन ने इट : चैप्टर टू, द ब्लैक फोन और ब्लैक फोन 2 जैसी फिल्मों में काम किया था। इसके अलावा उन्होंने पुलिस ड्रामा बॉश और पोकर फेस जैसे टेलीविजन कार्यक्रमों में भी अभिनय किया था।

वेनेजुएला के एक और जहाज को खदेड़ा

मियामी। अमेरिकी तटरक्षक बल ने रविवार को कैरेबियाई सागर में एक और प्रतिबंधित तेल टैंकर जहाज का पीछा किया। इस अभियान से जुड़े एक अमेरिकी अधिकारी ने इसकी पुष्टि की। यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है, जब अमेरिकी प्रशासन ने शनिवार को बताया था कि उसने दो सप्ताह से भी कम समय में दूसरी बार एक टैंकर को जब्त किया है। नाम न उजागर करने की शर्त पर अधिकारी ने कहा कि रविवार को जिस जहाज का पीछा किया गया वह प्रतिबंध का उल्लंघन करने वाला जहाज था। उनके मुताबिक, वह जहाज फर्जी झंडा लगाए हुए था।

द. कोरिया में विमान हादसे की जांच शुरू

सोल। दक्षिण कोरियाई संसदीय समिति ने पिछले वर्ष दिसंबर में हुए एक यात्री विमान हादसा मामले की सोमवार को जांच शुरू कर दी। नेशनल असेंबली की विशेष जांच समिति ने जेजू एयर के यात्री विमान हादसा मामले में अपनी जांच शुरू करने के लिए अपनी पहली बैठक की। यह विमान पिछले 29 दिसंबर को राजधानी सोल से लगभग 290 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में मुआन हवाई अड्डा पर क्रैश हो गया था।

बांग्लादेश में हादी के बाद एक अन्य छात्र नेता को मारी गई सिर में गोली

देश में छात्र नेतृत्व वाले हिंसक आंदोलन के दूसरे प्रमुख नेता थे मोतालेब सिकदर

● बांग्लादेश के दक्षिण-पश्चिमी शहर खुलना में हुई वारदात

ढाका, एजेंसी

कोलकाता में बांग्लादेश के उप उच्चायोग के पास प्रदर्शन करते भाजपा कार्यकर्ता।

बांग्लादेश के दक्षिण-पश्चिमी शहर खुलना में सोमवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने छात्र-नेतृत्व वाले हिंसक आंदोलन के दूसरे नेता मोतालेब सिकदर को सिर में गोली मार दी। यह हमला प्रमुख युवा नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के कुछ दिनों बाद हुआ। एनसीपी (नेशनल सिटिजन पार्टी) की संयुक्त प्रधान समन्वयक महमूदा मितु ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा कि एनसीपी के खुलना डिवीजन के प्रमुख और पार्टी के कार्यकर्ता मोर्चे के केंद्रीय समन्वयक मोहम्मद मोतालेब सिकदर को कुछ मिनट पहले गोली मार दी गई।

पेशे से चिकित्सक मितु ने बताया कि सिकदर को गंभीर हालत में खुलना मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल सूत्रों ने बताया कि सिकदर के सिर में बाईं ओर गोली मारी गई और जब उन्हें अस्पताल लाया गया, तो बहुत अधिक खून बह रहा था। चिकित्सकों ने तत्काल उपचार शुरू किया। यह हमला हादी की हत्या के कुछ दिनों बाद हुआ है। हादी पिछले साल हुए छात्र विरोध प्रदर्शनों के एक प्रमुख नेता थे। इन प्रदर्शनों के बाद ही प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता छोड़नी पड़ी थी। हादी को 12 दिसंबर को ढाका के बिजॉयनगर इलाके में एक चुनावी अभियान के दौरान नकाबपोश बंदूकधारियों ने सिर में गोली मार दी थी। इंकलाब मंच के 32 वर्षीय प्रवक्ता की गुरुवार को सिंगापुर में इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। हादी 12 फरवरी को होने वाले आम चुनावों में उम्मीदवार थे। मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने शनिवार को हादी की मौत पर राष्ट्रव्यापी शोक का आयोजन किया और कहा कि उनके हत्यारों को पकड़ने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। हादी पर हमले और उसके बाद हुई उसकी मौत को लेकर ढाका और अन्य प्रमुख शहरों में हिंसा फिर से भड़क उठी। सोमवार को खुलना शहर के माजिद सारणी इलाके में सिकदर पर हुए गुप्त हमले के बाद, पुलिस ने कहा कि वे अभी तक हमले के अपराधियों या मकसद के बारे में अनजान हैं।

हिंदू युवक की हत्या के विरोध में कई राज्यों में प्रदर्शन

कोलकाता। बांग्लादेश में एक हिंदू युवक की हुई बर्बर हत्या के विरोध में सोमवार को पश्चिम बंगाल, जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में विरोध प्रदर्शन हुआ। प्रदर्शनकारियों ने हत्या में संलिप्त लोगों को कड़ी सजा देने और हिंदुओं पर हमले और अत्याचार बंद किए जाने की मांग की। कोलकाता में भाजपा के वरिष्ठ नेता सुभेंदु अधिकारी ने पार्टी नेताओं एवं समर्थकों के साथ बांग्लादेशी उप उच्चायोग के समक्ष विरोध प्रदर्शन किया। अधिकारी ने निजाम पैलेस से बेकबागन तक रैली का नेतृत्व किया, जहां लगभग 2,000 लोग एकत्र हुए तथा हत्या की बर्बर घटना की निंदा की और प्रदर्शन किया। बांग्लादेश के मैमनसिंह में 18 दिसंबर की रात दीपू दास की पीटकर हत्या कर दी गई। उन्होंने कहा, हम दास की हत्या में संलिप्त सभी लोगों के लिए कड़ी सजा चाहते हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले तुरंत बंद हों।

अशांति की आशंका में असम में हाई अलर्ट

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि पड़ोसी देश बांग्लादेश में अशांति की नई लहर के मद्देनजर राज्य हाई अलर्ट पर है। शर्मा ने यहां कहा कि राज्य सरकार बांग्लादेश के घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रखे हुए है। मुख्यमंत्री ने कहा हमने देखा है कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार किया जा रहा है और उन्हें जिंदा जलाया जा रहा है...बांग्लादेश में वर्तमान सत्ता में बैठे लोग पूर्वोत्तर भारत को अपने देश में शामिल करने की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सर्वविदित है कि बांग्लादेश से लोगों ने समय-समय पर असम में प्रवेश किया और राज्य ऐसे लोगों से भरा पड़ा है। हमें सतर्क रहना होगा और उस देश के घटनाक्रम पर पैनी नजर रखनी होगी। उन्होंने पिछले सप्ताह दावा किया था कि बांग्लादेशी तत्व बार-बार यह कह रहे हैं कि पूर्वोत्तर भारत को पड़ोसी देश में मिला दिया जाना चाहिए, भारत इस पर चुप नहीं रहेगा।

सीमा पर झड़पों के बाद संघर्ष विराम वार्ता फिर से शुरू करेंगे थाईलैंड और कंबोडिया

बैंकॉक,एजेंसी

● आसियान विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद बनी सहमति

थाईलैंड के विदेश मंत्री सिहासक फुआंगकेत्केओ ने सोमवार को कहा कि थाईलैंड और कंबोडिया इस सप्ताह के अंत में अपनी सीमा पर अधिक स्थायी संघर्ष विराम की दिशा में काम करने के लिए बातचीत फिर से शुरू करेंगे।

सिहासक फुआंगकेत्केओ ने साथ ही इस बात पर जोर भी दिया कि प्रगति विस्तृत द्विपक्षीय वार्ता पर निर्भर करती है, ना कि विवाद को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ले जाने वाली सार्वजनिक घोषणाओं पर। उन्होंने सोमवार को कुआलालंपुर, मलेशिया में आयोजित आसियान विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद कहा कि अक्टूबर में किया गया सशस्त्र संघर्ष समझौता जल्दबाजी में किया गया था ताकि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इसके गवाह बन सकें। उन्होंने कहा कि उसमें सशस्त्र संघर्ष को समाप्त करने के लिए ऐसे पर्याप्त विवरण नहीं थे, जिससे यह समझौता टिकाऊ हो सके। सिहासक ने संकट को समाप्त करने के तरीके तलाशने के लिए आयोजित बैठक के बाद कहा कि हालांकि कंबोडिया ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि वह बिना शर्त संघर्षविराम के लिए तैयार है, लेकिन बैंकॉक को कभी कोई प्रत्यक्ष प्रस्ताव नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि थाईलैंड का मानना है कि ऐसे बयान मुद्दे का समाधान करने के बजाय अंतर्राष्ट्रीय दबाव बढ़ाने के उद्देश्य से थे। उन्होंने कहा कि दोनों देशों वाली सामान्य सीमा समिति बुधवार को एक स्थायी संघर्षविराम की दिशा में विस्तृत उपायों को अंतिम रूप देने के लिए बैठक करेगी। सिहासक ने कहा कि इस बार, आइए विवरणों पर विस्तार से चर्चा करें।

उपग्रह को कक्षा में पहुंचाने में विफल रहा जापान

तोक्यो। जापान की अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि नौवहन उपग्रह ले जाने वाला उसका एच3 रॉकेट पेलोड को नियोजित कक्षा में स्थापित करने में विफल रहा, जो देश के नए प्रमुख रॉकेट और उसके अंतरिक्ष प्रक्षेपण कार्यक्रम के लिए एक झटका है। नेविगेशनल उपग्रह वह कृत्रिम उपग्रह होते हैं, जो पृथ्वी पर किसी स्थान की सटीक स्थिति, दिशा और समय की जानकारी देने में मदद करते हैं। सोमवार की विफलता जापान के नए प्रमुख रॉकेट के लिए दूसरी विफलता है, 2023 में इसकी पहली उड़ान असफल रही थी।

मुंबई में अब आवारा कुत्तों को एआई से करेंगे काबू

मुंबई, एजेंसी

● नगर निगम ने कुत्तों की आबादी पर नियंत्रण के लिए की पहल

बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) मुम्बई में आवारा कुत्तों की आबादी को काबू में रखने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का इस्तेमाल करेगा। इसका उद्देश्य आवारा कुत्तों की सेहत, उसकी गतिविधियों और व्यवहार को बेहतर बनाने के साथ ही लोगों की सुरक्षा को बढ़ाना है।

एआई कुत्तों की पहचान प्रोफाइल बनाने के लिए उनकी तस्वीरें लेगा और टीकाकरण और बंध्याकरण के बाद उन्हें काबू में रखा जा सकेगा। इसी का डेटा सीसीटीवी कैमरों, ड्रोन, मोबाइल एप्लिकेशन और हाथ से ली गई तस्वीरों से इकट्ठा किया जाएगा ताकि उसकी गतिविधियों और व्यवहारों का विश्लेषण किया जा सके और अधिक कुत्तों वाली जगहों की पहचान की जा सके। अधिकारियों ने इस प्रणाली को जानवरों की उपस्थिति की सही पहचान के लिए जरूरी बताया है, जिससे नागरिकों की शिकायतों पर तेजी से कार्रवाई की जा सकेगी और बंध्याकरण और टीकाकरण की बेहतर योजनाएं बनाई जा सकेंगी।

अल्बानीज़ को हटाने के लिए तीन लाख हस्ताक्षर

सिडनी। आस्ट्रेलिया में सिडनी के बॉन्डी बीच पर हुए जानलेवा आतंकवादी हमले के बाद तीन लाख से ज्यादा लोगों ने ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज़ के इस्तीफे और आप्रवासन नीति में बदलाव की मांग की है। याचिका से जुड़ी वेबसाइट चेंजडॉटऑर्ग के अनुसार, अब तक तीन लाख 10 हज़ार लोग इस याचिका पर हस्ताक्षर कर चुके हैं। सिडनी बीच आतंकवादी हमले के पीड़ितों को 21 दिसंबर को श्रद्धांजलि देने पहुंचे अल्बानीज़ के खिलाफ भीड़ ने नारेबाज़ी की थी।

मोदी के दूत के रूप में आज श्रीलंका पहुंचेंगे जयशंकर

कोलंबो, एजेंसी

● सागर बंधु अभियान के संदर्भ हो रही विदेश मंत्री की यह यात्रा

विदेश मंत्री एस. जयशंकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विशेष दूत के रूप में मंगलवार को श्रीलंका पहुंचेंगे और वहां के नेतृत्व से मुलाकात करेंगे। भारतीय उच्चायोग ने सोमवार को कहा कि उनकी यह यात्रा भारत की पड़ोसी प्रथम नीति को रेखांकित करती है।

यह यात्रा सागर बंधु अभियान के संदर्भ में हो रही है, जिसे पिछले महीने चक्रवात दित्वा से हुई तबाही से निपटने के लिए शुरू किया गया था। चक्रवात से हुई तबाही के बाद श्रीलंका द्वारा की गई अंतर्राष्ट्रीय सहायता अपील पर प्रतिक्रिया देने वाला पहला देश भारत था। भारत के सागर बंधु अभियान ने व्यापक स्तर पर राहत और पुनर्वास सहायता प्रदान की। सागर बंधु अभियान में भारत ने श्रीलंका को 1,134 टन से अधिक मानवीय सहायता प्रदान की है, जिसमें सूखा राशन, तंबू, तिरपाल, स्वच्छता किट, कपड़े, जल शोधन प्रणाली और 14.5 टन दवाएं शामिल हैं।

रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म करने पर हुई सार्थक बातचीत

मियामी। अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस के एक दूत ने रविवार को कहा कि उन्होंने रूस और यूक्रेन के बीच लगभग चार साल से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए फ्लोरिडा में यूक्रेनी और यूरोपीय प्रतिनिधियों के साथ उपयोगी और सार्थक बातचीत की। व्हाइट हाउस के दूत स्टीव विटकॉफ ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि इन वार्ताओं का उद्देश्य यूक्रेन, अमेरिका और यूरोप के बीच एक साझा रणनीतिक दृष्टिकोण पर सहमति बनाना है।

इंडोनेशिया में बस हादसे में 16 की मौत

● गंभीर हालत में 18 लोग अस्पताल में कराए गए भर्ती

जकार्ता, एजेंसी

इंडोनेशिया के मुख्य द्वीप जावा में एक यात्री बस के रविवार देर रात दुर्घटनाग्रस्त होने से 16 लोगों की मौत हो गई। खोज और बचाव एजेंसी के प्रमुख बुडियोनो ने बताया कि 34 लोगों को ले जा रही बस टोल रोड पर नियंत्रण खो बैठी और कंक्रीट के एक अवरोधक से टकराने के बाद पलट गई।

उन्होंने बताया कि अंतर-प्रांतीय बस राजधानी जकार्ता से देश के प्राचीन शाही शहर योग्याकार्ता जा रही थी तभी सेंट्रल जावा के सेमारंग शहर में क्राप्याक टोलवे पर एक घुमावदार मार्ग पर वह पलट गई। बुडियोनो ने कहा कि हादसा इतना भीषण था कि कई यात्री उछलकर गिर पड़े और बस में फंस गए। दुर्घटना के लगभग 40 मिनट बाद पुलिस एवं बचाव दल मौके पर पहुंचे और उन्होंने छह यात्रियों के शव बरामद किए। बुडियोनो ने बताया कि 10 अन्य लोगों की अस्पताल ले जाते समय या इलाज के दौरान मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पास के दो अस्पतालों में इलाज करा रहे 18 पीड़ितों की हालत गंभीर है। समाचार चैनलों द्वारा प्रसारित वीडियो में पीले रंग की एक बस पलटी नजर आ रही है जिसके आसपास राष्ट्रीय खोज एवं बचाव एजेंसी के कर्मी, पुलिस और राहगीर खड़े दिख रहे हैं। वीडियो में एंबुलेंस हादसे की जगह से घायलों और मृतकों को ले जाती नजर आ रही हैं। सेंट्रल जावा के पुलिस प्रमुख रिबुत हरि विबोवो के अनुसार, प्रत्यक्षदर्शियों ने अधिकारियों को बताया कि बस तेज गति से चल रही थी और चालक ने उस पर से नियंत्रण खो दिया। बस चालक को गंभीर चोटें आईं है लेकिन उपचार के दौरान वह बात कर पा रहा था। विबोवो ने कहा, हम दुर्घटना के कारण की जांच कर रहे हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 23 दिसंबर, मंगलवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, तृतीया 12 .12 तक तत्पश्चात चतुर्थी।

आज का पंचांग

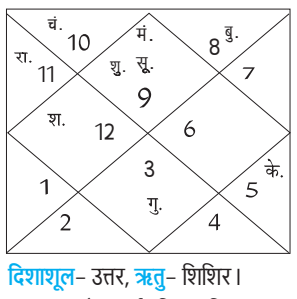

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।
तारबल- अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- श्रवण पूर्ण रात्रि तक।

मेष - आज लोग आपसे काफी अपेक्षा रखेंगे। जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा। घर में कुछ बदलाव कर सकते हैं। आपके व्यवहार की गंभीरता की प्रशंसा होगी। वैवाहिक जीवन में परस्पर सम्मान की भावना में वृद्धि होगी। वरिष्ठजनों का सहयोग प्राप्त होगा।

वृष - आज कार्यक्षेत्र में आपकी बातों को विशेष महत्व मिलेगा। मनोरंजन संबंधी कार्यों में आप धन खर्च कर सकते हैं। आपकी जीवनशैली में सुधार आएगा। रुके हुए सरकारी कार्य पूरे हो जाएंगे। बड़े अधिकारी आपसे बहुत प्रसन्न रहने वाले हैं।

मिथुन - आज प्रेम संबंधों को लेकर तनाव बढ़ेगा। सुख-सुविधाओं में कमी आएगी। कानूनी मामलों में परेशानियां बढ़ सकती हैं। काम के प्रति एकाग्र नहीं हो पा रहे हैं, इसीलिए नए काम की शुरूआत न करें। केवल कही-सुनी बातों पर ही सहसा विश्वास न करें।

कर्क - आज वैवाहिक जीवन में प्रेम भाव बढ़ेगा। कारोबारी अनुबंधों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। बच्चों की उपलब्धियों से हर्षित रहेंगे। निर्माण कार्यों में तेजी आएगी। आप परिवार को अत्यधिक महत्व देंगे। घुटनों में दर्द की शिकायत हो सकती है।

सिंह - आज सहकर्मियों का बेहतरीन सहयोग प्राप्त होगा। यदि आप किसी काम को टालते हैं, तो भविष्य में भी उसके टलने की संभावना बढ़ जाएगी। सभी कार्यों को समय पर पूर्ण करने का प्रयास करें। किसी नई नौकरी की शुरुआत कर सकते हैं।

कन्या - आज समझदारी पूर्वक स्थितियों को संभालने का प्रयास करें। अधूरे कार्यों को समय पर निपटा पाएंगे। आप वही काम करना पसन्द करेंगे, जो आपका शौक बन गया हो। शेयर मार्केट में पहले किया गया निवेश आपको बड़ा लाभ दे सकता है।

तुला - आज व्यर्थ दौड़धूप करनी पड़ेगी, लेकिन उसका परिणाम कुछ खास नहीं मिलेगा। बोलचाल में हल्के शब्दों का प्रयोग करना उचित नहीं है। लेन-देन में की गई जल्दबाजी आपको आर्थिक हानि पहुंचा सकती है।

वृश्चिक - आज नौकरीपेशा लोगों का ट्रांसफर हो सकता है। पढ़ाई-लिखाई को लेकर आप अत्यंत सजग रहेंगे। विवेक से काम करना लाभकारी सिद्ध होगा। व्यापार में बहुत अच्छे मौके मिलेंगे। रूपरेखा बनाकर काम करना लाभकारी सिद्ध होगा।

धनु - आज जोखिम भरे निवेश करने से आपको बचना चाहिए। बच्चों की परवरिश पर ध्यान दें। पुराने रोगों के कारण परेशानी होगी। आपकी कुछ महत्वपूर्ण वस्तुएं गुम हो सकती हैं। लोग आपके सही काम का भी विरोध करेंगे।

मकर - आज व्यवसाय में बड़ा बदलाव कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपको नए अनुभव मिलेंगे। मित्रों से आपको कुछ उपहार मिल सकता है। मृदु व्यवहार के कारण लोगों के चहेते बने रहेंगे। भाई-बंधुओं के बीच आत्मीयता की भावना बढ़ेगी।

कुंभ - आज अति आत्मविश्वास के कारण आपको परेशानी झेलनी पड़ेगी। बेवजह के मामलों में उलझ सकते हैं। कारोबार में थोड़ी गिरावट देखने को मिल सकती है। बवासीर के रोगियों को तेज दर्द की शिकायत हो सकती है। बुरी संगत वाले लोगों से दूरी बनाकर रखें।

मीन - आज आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्यों में आप अत्यंत सक्रिय रहेंगे। धार्मिक कार्यों में मन लगाएंगे। व्यापार में बड़ा आर्थिक लाभ मिल सकता है। आलस्य की वजह से काम में रुकावटें आ सकती हैं।

सुडोकू -10

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1		7			8		5	
	8		4	6			7	
6		4			2		3	
	6			1	5			3
4			7	3		8		
	7		6			9		2
	3			8	9		4	
	4		2			3		1

सुडोकू - 9 का हल

7	1	8	4	2	9	5	3	6
4	6	5	8	7	3	2	9	1
9	2	3	1	5	6	7	8	4
6	4	2	3	8	7	9	1	5
5	8	7	6	9	1	3	4	2
3	9	1	5	4	2	6	7	8
8	7	4	9	6	5	1	2	3
1	5	9	2	3	8	4	6	7
2	3	6	7	1	4	8	5	9

हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष अकादमी चैंपियनशिप में युवा खिलाड़ियों को अनुभव हासिल करने और कम उम्र में ही कॉम्पिटिटिव हॉकी की जरूरतों को समझने में मदद करती है। मैं सभी हिस्सा लेने वाली अकादमियों और खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देता हूं।

-डॉ. दिलीप टिर्की

स्टेडियम

कानपुर, मंगलवार, 23 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष चैंपियनशिप में 14 टीमें लेंगी हिस्सा

सूरत, (गुजरात)। वीर नर्मद दक्षिण गुजरात यूनिवर्सिटी में मंगलवार से शुरु हो रही तीसरी हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष अकादमी चैंपियनशिप 2025 में देश भर की प्रमुख हॉकी अकादमियों की 14 टीमें हिस्सा लेंगी। यह चैंपियनशिप से 30 दिसंबर तक चलेगी। इसमें शामिल 14 टीमों को चार पूल में बांटा गया है। पूल ए में राउंडग्लास पंजाब हॉकी क्लब, चीमा हॉकी और आर्मी बॉयज स्पोर्ट्स कंपनी हैं। पूल बी में नामधारी स्पोर्ट्स, रितु रानी हॉकी और जायंट्स स्पोर्ट्स हैं। पूल सी में एसजीपीसी हॉकी, अश्विनी स्पोर्ट्स, हॉकी फैमिली बड़खालसा एनसीआर हॉकी सोसाइटी और स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ गुजरात हॉकी एकेडमी शामिल हैं। पूल डी में घुमनहेड़ा राइजर्स, भाई बेहलो हॉकी भगता, राजा करण हॉकी और प्रीतम सिवाच स्पोर्ट्स प्रमोशन फाउंडेशन शामिल हैं।

पिंकाथॉन में रिकॉर्ड 5,300 से अधिक महिलाओं ने लिया भाग

मुंबई। पिंकाथॉन के 10वें सत्र के विभिन्न श्रेणियों में रिकॉर्ड 115 दृष्टिबाधित महिलाओं के साथ 5,300 से अधिक महिला प्रतिभागियों ने भाग लिया। यह किसी दौड़ स्पर्धा में दृष्टिबाधित महिलाओं की विश्व रिकॉर्ड संख्या है। रविवार को संपन्न इस दो दिवसीय आयोजन में सभी आयु वर्ग के धावकों ने भाग लिया। इस आयोजन में तीन किमी, पांच किमी और 10 किमी की दौड़ शामिल थीं। पिंकाथॉन के संस्थापक मिलिंद सोमण ने कहा प्रतिभागियों की बढ़ती संख्या के साथ जो बात इस दौड़ को सबसे अलग बनाती है वह इसमें भाग लेने वाली महिलाओं की विविधता है। दृष्टिबाधित धावकों से लेकर पहली बार भाग लेने वाली और प्रतिस्पर्धी धाविका की मौजूदगी से पिंकाथॉन लगातार यह दर्शाता है कि भारत में महिलाओं की दौड़ किस प्रकार विकसित हो रही है।

श्रीलंका पर एक और बड़ी जीत हासिल करने उतरेगा भारत

महिला टी-20 सीरीज का दूसरा मैच आज शाम 7 बजे से, फील्डिंग पर होगी नजर

विशाखापत्तनम, एजेंसी

पहले मैच में बड़ी जीत हासिल करने से उत्साहित भारतीय महिला क्रिकेट टीम जब श्रीलंका के खिलाफ मंगलवार को यहां होने वाले दूसरे महिला टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में मैदान पर उतरेगी तो वह फील्डिंग के स्तर को बेहतर करके अपना विजय अभियान जारी रखने की कोशिश करेगी। भारतीय टीम ने पिछले महीने विश्व कप जीतने के बाद बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में अच्छा प्रदर्शन किया और श्रीलंका को आठ विकेट से हराया। भारतीय टीम ने श्रीलंका को केवल छह विकेट पर 121 रन पर रोक दिया था, लेकिन इस बीच उसकी फील्डिंग अपेक्षानुरूप नहीं रही और उसने कुछ कैच छोड़े।

कप्तान हरमनप्रीत कौर ने मैच के बाद कहा हम अपनी फील्डिंग पर काम कर रहे हैं। पता नहीं क्यों हम बार-बार कैच छोड़ रहे हैं। मैदान गीला था, लेकिन यह कोई बहाना नहीं है। यह एक ऐसी चीज है जिस पर हमें गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। अगले मैच में हम बेहतर रणनीति के साथ उतरेंगे। विश्व कप की सफलता के बाद भारतीय टीम को छह सप्ताह का ब्रेक मिला। इसके बाद भारतीय टीम ने बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में एक सप्ताह के शिविर में भाग लिया था। फील्डिंग में थोड़ी बहुत कमी आना लगभग अपेक्षित था और कप्तान को लगता है कि टीम बहुत जल्द लय में आ जाएगी। हरमनप्रीत ने कहा हम एक महीने बाद खेल रहे हैं। हम खुद को बेवजह चुनौती नहीं देना चाहते।

अभ्यास सत्र के दौरान भारतीय महिला खिलाड़ी। एजेंसी

विकेट नहीं मिलने से निराश नहीं हूं, अपने प्रदर्शन से खुश हूं: वैष्णवी शर्मा

विशाखापत्तनम : भारत की बाएं हाथ की स्पिनर वैष्णवी शर्मा ने कहा कि महिला टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में अपने पदार्पण मैच में विकेट नहीं मिलने के बावजूद अपनी रणनीति पर अच्छी तरह से अमल करने से उन्हें खुशी हुई। इस 20 वर्षीय खिलाड़ी ने श्रीलंका के खिलाफ रविवार को यहां खेले गए पहले मैच में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया तथा चार ओवर में 16 रन दिए लेकिन उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। भारत ने इस मैच में आठ विकेट से शानदार जीत हासिल की। वैष्णवी ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा विकेट नहीं मिलने से मैं किसी भी तरह से निराश नहीं हूं। मुझे खुशी है कि मैं अपनी रणनीति पर अच्छी तरह से अमल करने में सफल रही। अभी चार मैच खेले जाने बाकी हैं। उन्होंने कहा कि अपना पहला मैच खेलने से पहले वह थोड़ा नर्वस थी लेकिन राष्ट्रगान सुनने से उन्हें आत्मविश्वास हासिल करने में मदद मिली। वैष्णवी ने कहा शुरू में मैं थोड़ी नर्वस थी लेकिन राष्ट्रगान के बाद सहज हो गई थी।

टीम

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, जेमिमा रोड्रिग्स, शैफाली वर्मा, हरलीन देयोल, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, रेणुका सिंह ठाकुर, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी कमलिनी (विकेटकीपर), श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा।

श्रीलंका : चमारी अटापट्टू (कप्तान), हासिनी परेरा, विशमी गुणरत्ने, हर्षिता समरविक्रमा, नीलाक्षिका डी सिल्वा, कविशा दिलहारी, इमेशा दुलानी, कौशिनी नुथ्यांगना, मालशा शेहानी, इनोका राणावीरा, शशिनी गिम्हानी, निमेश मदुशानी, काव्या कविंदी, रश्मिका सेववंडी, मल्की मदारा।

गिल, अभिषेक और अर्शदीप को पंजाब टीम में मिली जगह

चंडीगढ़। भारतीय टेस्ट एवं वनडे टीम के कप्तान शुभमन गिल, विश्व के नंबर एक टी20 बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को 50 ओवर प्रारूप में खेले जाने वाले विजय हजारे ट्रॉफी के लिए पंजाब की टीम में शामिल किया गया। यह चयन भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के राष्ट्रीय वनडे चैंपियनशिप में अनिवार्य भागीदारी के निर्देश के अनुरूप है।

गिल को टी20 विश्व कप के लिए घोषित भारतीय टीम में शामिल नहीं किया गया है। अभिषेक और अर्शदीप नियमित रूप से भारत के लिए टी20 मैच खेलते हैं। अर्शदीप को अगर न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी से शुरू होने वाली वनडे सीरीज की टीम में शामिल किया जाता है तो वह और गिल विजय हजारे ट्रॉफी में शुरुआती दो तीन मैचों के लिए ही उपलब्ध रहेंगे। अभिषेक कुछ अधिक मैचों में टीम का प्रतिनिधित्व कर सकते है।

पंजाब को ग्रुप सी में प्रबल दावेदार मुंबई के साथ रखा गया है। टीम शुरुआती दो मैचों में महाराष्ट्र (24 दिसंबर) और छत्तीसगढ़ (26 दिसंबर) का सामना करेगी। मुंबई और पंजाब का मुकाबला आठ जनवरी को होगा और उस समय तक मुंबई के रोहित शर्मा और पंजाब के गिल दोनों ही उपलब्ध नहीं होंगे।

विजय हजारे ट्रॉफी के लिए पंजाब की टीमः शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, अर्शदीप सिंह, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), हरनूर पन्नू, अनमोलप्रीत सिंह, उदय सहारन, नमन धीर, सलिल अरोड़ा (विकेटकीपर), सनवीर सिंह, रमनदीप सिंह, जशनप्रीत सिंह, गुरनूर बराड़, हरप्रीत बराड़, रघु शर्मा, कृष भगत, गौरव चौधरी और सुखदीप बाजवा।

रोहित शर्मा ने किया चौंकाने वाला खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी

- बोले- वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल में हार के बाद संन्यास लेने पर किया था विचार

भारत के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने एक चौंकाने वाला खुलासा करते हुए कहा कि 2023 में खेले गए वनडे विश्व के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से मिली दिल तोड़ने वाली हार के बाद उन्होंने संन्यास लेने पर विचार किया था, क्योंकि उन्हें लगा कि इस खेल ने उनसे सब कुछ छीन लिया है।

भारत ने घरेलू मैदान पर खेले गए इस वनडे विश्व कप में रोहित की कप्तानी में शानदार प्रदर्शन किया था तथा लगातार नौ मैच जीत कर फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन इस महत्वपूर्ण मैच में उसे पराजय का सामना करना पड़ा था। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने शतक लगाया था जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ। रोहित ने मास्टर्स यूनियन के एक कार्यक्रम के दौरान ये बातें कहीं।

उन्होंने कहा मुझे इससे उबरने में थोड़ा समय लगा। मैं खुद को बार-बार याद दिलाता रहा कि यही वह चीज है जिससे मुझे वास्तव में प्यार है। यह चीज मेरे पास है और मैं इसे इतनी आसानी से नहीं छोड़ सकता। धीरे-धीरे मैं इससे उबर गया। मैंने अपनी खोई हुई ऊर्जा वापस हासिल की और फिर से मैदान पर सक्रिय हो गया। रोहित ने कहा उस हार से हर कोई निराश था और हमें विश्वास नहीं हो रहा था कि क्या हुआ है। मेरे लिए व्यक्तिगत तौर पर यह बहुत मुश्किल समय था क्योंकि मैंने उस विश्व कप के लिए अपना सब कुछ झोंक दिया था। विश्व कप से दो या तीन महीने पहले ही नहीं, बल्कि 2022 में कप्तानी संभालने के बाद से ही मैं उसके लिए तैयारी कर रहा था। रोहित ने टी20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है और इस साल की शुरुआत में उन्हें वनडे की कप्तानी से हटा दिया गया था। वह अभी 50 ओवर के प्रारूप में

वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल के बाद मैं पूरी तरह से निराश हो गया था। मुझे ऐसा लगा कि मैं अब यह खेल नहीं खेलना चाहता क्योंकि इसने मुझसे सब कुछ छीन लिया है और मुझे लगा कि मेरे पास कुछ भी नहीं बचा है।

-रोहित शर्मा, पूर्व कप्तान

खेलते हैं और उनका लक्ष्य 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप तक टीम में बने रहना है।

रोहित ने कहा मेरा एकमात्र लक्ष्य विश्व कप जीतना था, चाहे वह टी20 विश्व कप हो या 2023 में वनडे विश्व कप। इसलिए जब ऐसा नहीं हो पाया तो मैं पूरी तरह से निराश हो गया था। मेरे शरीर में बिल्कुल भी ऊर्जा नहीं बची थी। मुझे इससे उबरने और खुद को वापस पटरी पर लाने में कुछ महीने लग गए। ऑस्ट्रेलिया से अहमदाबाद में मिली उस हार के एक साल से भी कम समय बाद भारत ने रोहित की कप्तानी में अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेले गए 2024 के टी20 विश्व कप में खिताब जीता था, लेकिन नवंबर 2023 में ऑस्ट्रेलिया के हाथों मिली हार की पीड़ा से उबरना आसान नहीं था। रोहित ने कहा मुझे लगता है कि जब आप किसी चीज को हासिल करने के लिए अपना सब कुछ झोंक देते हैं और फिर आपको मनचाहा परिणाम नहीं मिलता है तो यह एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया होती है। मेरे साथ भी ठीक यही हुआ।

नीरज ने 90 मीटर का जादुई आंकड़ा छुआ

भारतीय एथलेटिक्स का हाल

लेकिन सताता रहा डोपिंग का डंक

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के स्टार खिलाड़ी नीरज चोपड़ा फॉर्म में उतार चढ़ाव के बावजूद 90 मीटर तक भाला फेंकने के जादुई आंकड़े को छूने में आखिरकार सफल रहे लेकिन इस बीच वर्ष 2025 में भारतीय एथलेटिक्स को डोपिंग का डंक भी डसता रहा। चोपड़ा ने दोहा डायमंड लीग में भाला फेंक में मानक माने जाने वाले 90 मीटर की दूरी हासिल की लेकिन इसी वर्ष टोक्यो में विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में पदक जीतने में नाकाम रहने से उन्हें निराशा भी हाथ लगी।

इस प्रतियोगिता में युवा सचिन यादव ने चोपड़ा को पीछे छोड़ते हुए चौथा स्थान हासिल किया और इस तरह से भाला फेंक में विश्व स्तरीय खिलाड़ी बनने की अपनी क्षमता प्रदर्शित की। लेकिन डोपिंग का खतरा कम होने के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं क्योंकि कई शीर्ष भारतीय खिलाड़ी इसकी चपेट में आ गए। इनमें ओलंपियन भाला फेंक खिलाड़ी शिवपाल सिंह और एशियाई खेलों की पूर्व पदक विजेता चक्का फेंक की खिलाड़ी सीमा पुनिया भी शामिल हैं। अपनी तरह के पहले मामले में एक एथलीट और उसके कोच की जोड़ी को डोपिंग के लिए निलंबित कर दिया गया, जबकि दो नाबालिग एथलीट भी डोपिंग में पकड़े गए। भारतीय खेलों के नायक चोपड़ा इस साल हिमाचल प्रदेश के एक निजी रिसॉर्ट में टेनिस खिलाड़ी हिमानी मोर के साथ परिणय सूत्र में बंधे। इस समारोह में कुछ करीबी रिश्तेदार और परिवार के सदस्य ही मौजूद थे। लोगों को इसके बारे में तभी पता चला जब चोपड़ा ने खुद अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शादी की तस्वीरें पोस्ट कीं। इसके कुछ महीनों बाद चोपड़ा ने अपना भाला 90.23 मीटर तक फेंका और ऐसा करने वाले एशिया के तीसरे और कुल मिलाकर 25वें खिलाड़ी बन गए।

चोपड़ा ने पेरिस डायमंड लीग, गोल्डन स्पाइक मीट और एनसी क्लासिक के रूप में इस साल तीन बड़े खिताब जीते। उन्होंने घरेलू दर्शकों और परिवार के सदस्यों के सामने एनसी क्लासिक के रूप में विश्व स्तरीय प्रतियोगिता की मेजबानी करने का अपना सपना साकार किया।

इस स्टार खिलाड़ी को हालांकि डायमंड लीग फाइनल में निराशा हाथ लगी और वह जर्मनी के जूलियन वेबर के बाद दूसरे स्थान पर रहे। लेकिन सबसे अप्रत्याशित परिणाम सितंबर में टोक्यो विश्व चैंपियनशिप में देखने को मिला। इस प्रतियोगिता में चोपड़ा 84.03 मीटर ही भाला फेंक सके और कुल मिलाकर आठवें स्थान पर रहे।

नीरज चोपड़ा।

दो विश्व एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं की मेजबानी की भारत ने

इन सबके बीच सकारात्मक पहलू यह रहा कि भारत ने दो विश्व एथलेटिक्स महाद्वीपीय टूर प्रतियोगिताओं की मेजबानी की। इनमें से एक में चोपड़ा ने मेजबानी की और जीत हासिल की। भारत ने इसके अलावा 2031 में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप सहित कुछ प्रमुख महाद्वीपीय और विश्व स्तर की प्रतियोगिताओं की मेजबानी के लिए बोली लगाई है।

आदिल की जगह गोला प्रक्षेपक खिलाड़ी बहादुर सग्गू चुने गए अध्यक्ष

नई दिल्ली। आदिल सुमारीवाला का भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के अध्यक्ष के रूप में कार्यकाल समाप्त हो गया और 2002 में एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले गोला प्रक्षेपक खिलाड़ी बहादुर सग्गू को उनकी जगह अध्यक्ष चुना गया।

विश्व कप से पहले फॉर्म में वापसी करूंगा : सूर्यकुमार

मुंबई, एजेंसी

- 7 फरवरी से शुरू होगा टी-20 विश्व कप

टी-20 में पिछले कुछ समय से रनों का सूखा होने के बाद पहली बार भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने माना कि उनका फॉर्म अच्छा नहीं है। हालांकि उन्होंने भरोसा जताया है कि 7 फरवरी से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप से पहले फॉर्म में वापसी करेंगे।

टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम के चयन के बाद सूर्यकुमार ने बीसीसीआई के मुंबई हेडक्वार्टर में हंसते हुए कहा ये वाला पैच थोड़ा लंबा हो गया। मुझे लगता है हर किसी में करियर में उन्हें यह देखने को मिला है। मैं भी इससे उबर कर आऊंगा। मुझे पता है क्या करना है। मुझे पता है चीज़ें कहां गलत हो रही हैं। मेरे पास इसके ऊपर काम करने के लिए कुछ समय है। अभी न्यूजीलैंड सीरीज और टी20 विश्व कप आने वाला है। आप सूर्या को वापसी करते हुए जरूर देखेंगे।

01 साल में नंबर 3 और 4 पर खेलते हुए सूर्यकुमार ने 22 पारियों में बिना अर्धशतक और सिर्फ 12.84 की औसत एवं 117.87 के स्ट्राइक रेट से बनाए हैं रन

05 मैचों की टी20 सीरीज में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वह 12, 5, 12 और 5 के स्कोर ही बना सके

05 मैच सिर्फ बचे हैं अब टी-20 विश्व कप से पहले कप्तान के खेलने के लिए

2024 टी20 विश्व कप जीत के बाद रोहित शर्मा की जगह कप्तानी संभालने के बाद से ही सूर्यकुमार का फॉर्म उनका साथ नहीं दे रहा है। पिछले साल दक्षिण अफ्रीका के ख़िलाफ तीन पारियों में वह सिर्फ़ एक बार ही 5 का आंकड़ा पार कर सके। इंग्लैंड के खिलाफ पांच पारियों में दो बार 0 पर आउट हुए।

डोपिंग के कारण अयोग्य घोषित एथलीटों की वैश्विक सूची में भारत दूसरे स्थान पर

डोपिंग अपराधों के कारण अयोग्य घोषित किए गए एथलीटों की वैश्विक सूची में भारत दूसरे स्थान पर बना हुआ है। डोपिंग के आरोप में पकड़े गए देश के कुछ शीर्ष एथलीटों में शिवपाल, पुणे हाफ मैराथन के विजेता प्रधान विलास किरुलाकर, फर्राटा धाविका शेखर धनलक्ष्मी और 2014 के एशियाई खेलों की पदक विजेता हैमर थ्रोअर मंजू बाला शामिल हैं। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने दो नाबालिगों पर तीन साल का प्रतिबंध भी लगाया है। भारतीय जूनियर टीम के पूर्व मुख्य कोच रमेश नागपुरी को डोपिंग में मिलीभगत के आरोप में निलंबित कर दिया गया था। दो अन्य कोच करमवीर सिंह और राकेश को भी डोपिंग के आरोप में निलंबित कर दिया गया। एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाले लंबी दूरी के धावक कार्तिक कुमार ने प्रतियोगिता से इतर किए गए परीक्षणों के दौरान प्रतिबंधित एनाबॉलिक पदार्थों के लिए पॉजिटिव पाए जाने के बाद अमेरिकी डोपिंग विरोधी एजेंसी द्वारा लगाए गए तीन साल के प्रतिबंध को झेल रहे हैं। रांची में आयोजित एसएएएफ सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिलाओं की 1500 मीटर और 5000 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीतने वाली 18 वर्षीय संजना सिंह और उनके कोच संदीप सिंह को डोपिंग के अपराध के लिए अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया था। यही नहीं एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली चक्का फेंक खिलाड़ी सीमा पुनिया को डोपिंग प्रशिक्षण में नाकाम रहने के कारण 16 महीने का प्रतिबंध लगा दिया गया। भारत ने 10 अगस्त को भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर की कांस्य स्तरीय प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया। भारत ने 2028 एशियाई इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप और 2026 एशियाई रिले के लिए भी बोली लगाई है।

अफ्रीका कप ऑफ नेशंस | कोमोरोस को 2-0 से हराया, अयूब अल काबी ने लगाई शानदार बाइसाइकिल किक

मोरक्को ने जीत से किया अभियान का आगाज

रबात (मोरक्को), एजेंसी

अयूब अल काबी के शानदार बाइसाइकिल किक से किये गोल की मदद से मोरक्को ने 35वें 'अफ्रीका कप ऑफ नेशंस' में अपने अभियान का आगाज रविवार को यहां कोमोरोस पर 2-0 की जीत के साथ किया।

इस मैच के दौरान मोरक्को के युवराज (क्राउन प्रिंस) मौले हसन भी मौजूद थे। हसन ने मैच शुरू होने से पहले दोनों देशों के खिलाड़ियों से मुलाकात भी की। विश्व रैंकिंग में 108वें कोमोरोस ने टूर्नामेंट में जीत के प्रबल दावेदारों में से एक रैंकिंग में 11वें स्थान पर काबिज टीम को कड़ी टक्कर दी।

कोमोरोस के गोलकीपर यानिक पंडोर ने सोफियान रहीमी के शुरुआती पेनल्टी शॉट को भी बचा लिया। ब्राहिम डियाज ने हालांकि मैच के 55वें मिनट में गोल कर स्टेडियम में बड़ी संख्या में मौजूद दर्शकों में उत्साह भर दिया।

इसके बाद अल काबी ने 74वें मिनट में 'ओवरहेड किक' से टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया। इस गोल के बाद युवराज हसन भी अपनी खुशी छिपा नहीं सके और तालियां बजाते हुए टीम का उत्साहवर्धन किया।

बाइसाइकिल किक लगाता मोरक्को का खिलाड़ी। एजेंसी

एस्टन विला ने लगातार 10वीं जीत हासिल की

मैनचेस्टर (इंग्लैंड)। मॉर्गन रोजर्स के दो गोल की मदद से एस्टल विला ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को 2-1 से हराकर खुद को इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के खिताब की दौड़ में बनाए रखा। एस्टन विला की यह सभी प्रतियोगिताओं में लगातार 10वीं जीत है।

फीफा रैंकिंग में भारत 142वें स्थान पर

ज्यूरिख। स्पेन 2025 का अंत फीफा रैंकिंग में शीर्ष पुरुष फुटबॉल टीम के तौर पर करेगा। सोमवार को जारी नवीनतम रैंकिंग में बहुत कम बदलाव हुए। पिछली रैंकिंग 19 नवंबर को जारी की गई थी। शीर्ष 10 में कोई बदलाव नहीं हुआ है। स्पेन के बाद अर्जेंटीना, फ्रांस, इंग्लैंड, ब्राजील, पुर्तगाल, नीदरलैंड, बेल्जियम, जर्मनी और क्रोएशिया का नंबर आता है। स्पेन ने विश्व कप ग्रुप ई क्वालीफाइंग जीता और अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की सह मेजबानी में होने वाले 2026 टूर्नामेंट में ग्रुप एच में उरुग्वे, सऊदी अरब और केप वर्डे से भिड़ेगा। भारत इस रैंकिंग में 142वें स्थान पर बना हुआ है। अगली रैंकिंग 19 जनवरी को जारी की जाएगी।